

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▶ पृष्ट 2

हाई कोर्ट ने भाजपा प्रत्याशी का नामांकन सही टहराया

नई दिल्ली : दिल्ली में नगर निगम चुनाव में त्रिलोकपुरी वेस्ट से भाजपा प्रत्याशी सरोज सिंह को उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत प्रदान की है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी की पीठ ने उनका नामांकन मान्य करार देने का आदेश दिया है। निगम चुनाव में नामांकन रद होने के बाद अदालत के हस्तक्षेप से नामांकन मान्य देने का यह पहला मामला है।

राज-नीति ▶ प्रष्ट 3

निजी विमान कंपनियों ने भी गायकवाड़ से प्रतिबंध हटाया

मुंबई, प्रेट्ट : एयर इंडिया के बाद देश में विमान सेवा देने वाली निजी क्षेत्र की चार बडी कंपनियों के संगठन द फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने भी शनिवार को शिवसेना सांसद रवींद्र गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटा लिया। जेट एयरवेज, स्पाइसजेट, गोएयर और इंडिगो की तरफ से यह फैसला एयर इंडिया के गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटाने के निर्णय के एक दिन बाद आया है।

बजट सत्र के दूसरे हिस्से में रही सरकार की बहार

नर्ड दिल्ली: पांच राज्यों के चुनावी नतीजों की छाया में जारी संसद के बजट सत्र मोदी सरकार के लिए सियासी बहार साबित हुआ है। देश में कर ढांचे के नये युग की शुरुआत के लिए ऐतिहासिक जीएसटी विधेयकों के अलावा लंबे असे से लटके आधा दर्जन से अधिक बिलों पर सरकार संसद की मुहर लगवाने में कामयाब रही है।

नेशनल न्यूज 🕨 पृष्ट ६

कॉल सेंटर रैकेट का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

ठाणेः कॉल सेंटर घोटाले के मास्टरमाइंड सागर ठक्कर उर्फ शैगी को पुलिस ने मुंबई हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया। भारत के आग्रह पर सऊदी अरब ने उसे प्रत्यर्पित किया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह दुबई भाग गया था। करोड़ों रुपये की ठगी का यह मामला पिछले साल उजागर हुआ था। इसके बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश कर रही थीं।

कारोबार 🕨 पुष्ट १०

थर्ड पार्टी प्रीमियम में हो सकती भारी कमी नई दिल्ली: आने वाले समय में वाहन

स्वामियों को थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम की दर में राहत मिल सकती है दरअसल बीमा नियामक इरडा ने प्रीमियम बढ़ोतरी में कमी के संकेत दिए हैं। वह वृद्धि को 27 फीसद करने पर राजी हो गया है। इससे प्रीमियम को लेकर कुछ राज्यों में चल रहे चक्का जाम के खत्म होने की संभावना है।

स्पोट्सं 🕨 पृष्ट १३

भारत डेविस कप के विश्व ग्रुप प्ले ऑफ में

नई दिल्ली: रोहन बोपन्ना और एन. श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने शनिवार को उज्बेकिस्तान के खिलाफ बेंगलुरु में एशिया-ओसियाना जोन ग्रुप-1 डेविस कप का डबल्स मकाबला जीतकर भारत को लगातार चौथी बार विश्व ग्रुप प्ले ऑफ में पहुंचा दिया। भारतीय जोड़ी ने फारूख दुस्तोव और संजार फायजीव की जोड़ी को 6-2, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी।

ी वादों के लिए जवाबदेह हों राजनीतिक दल

दिल्ली, प्रेट्टः प्रधान न्यायाधीश जस्टिस । खेहर ने शनिवार को कहा कि चुनावी लगातार पूरे नहीं किए जा रहे और तिक दलों के चुनावी घोषणा पत्र महज कहा, क ट्रुकड़े साबित हो रहे हैं। हमारी टुकड़े नहीं

सियासी दलों के चुनावी घोषणाप स मामले में राजनीतिक बनाते हैं सदस्यों के बीच आमसहमति के अभाव जैसे बेकार के

🖭 भी ऐसा कोई प्रावधान नहीं

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि वे कोई निवेश नहीं कर रहे, बल्कि चुनाव के आम चुनावौ लड़ रहे हैं : जस्टिस घोषणा पत्र जारी किए थे, उनमें दीपक मिश्रा

संवैधानिक लक्ष्य के बीच संबंध का कोई जिक्र नहीं था। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में आर्थिक सुधारों और वैश्वीकरण की बातें तो खूब करते हैं, लेकिन आर्थिक विकास की उपलब्धियों को कमजोर तबकों से जोड़ने का प्रयास नहीं करते। उन्होंने बताया कि मुफ्त चीजें बांटने की घोषणाओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग को दिशा-निर्देश तैयार करने के आदेश दिए जाने के बाद ही आयोग आचार संहिता उल्लंघन के लिए दलों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है।

सप्रीम कोर्ट के दूसरे सबसे वरिष्ठ जज जस्टिस दीपक मिश्रा ने कहा कि उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि वे कोई निवेश नहीं कर रहे, बल्कि चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा चुनावों को अपराधीकरण से मुक्त होना हुए और प्रत्याशियों के प्रतिस्पर्धात्मक गों के स्थान पर उच्च नैतिक मूल्यों के



नई दिल्ली में शनिवार को कंफेडरेशन ऑफ इंडियन बार द्वारा आयोजित सेमिनार में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और देश के मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर।

स्वैच्छिक आचार संहिता तैयार करें दल : प्रणब

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि दलों को अपने कामकाज के लिए स्वैच्छिक आचार संहित तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि 1957 और 1984 के आम चुनावों को छोड़कर कभी भी किसी दल को 50 प्रतिशत से ज्यादा वोट हासिल नहीं हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि जो दल 50 प्रतिशत से कम वोट पाते हैं और सत्ता में भी नहीं होते, उनके पास सब कछ होता है पर जवाबदेही नहीं होती। उन्होंने कहा कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत बनाने के लिए चुनाव प्रणाली का मजबूत होना बेहद जरूरी है।

गोवाफेस्ट में जागरण समूह की धूम, मिले सर्वाधिक पुरस्कार

जेएनएन, नई दिल्ली : एडवरटाइजिंग और ब्रांड के क्षेत्र में दिए जाने वाले ख्यातिप्राप्त पुरस्कार ऐबीज अवार्ड्स-2017 में जागरण समूह का जलवा चहुंओर छाया रहा। गोवा में आयोजित समारोह में समूह ने मीडिया व पब्लिशर ऐबीज श्रेणी के कुल 21 पुरस्कारों में से सर्वाधिक नौ अपने नाम किए। इसमें दो स्वर्ण, पांच रजत और दो कांस्य शामिल हैं। मीडिया औ एडवरटाइजिंग के ऑस्कर से जाने जाने वाले इस पुरस्कार की कुल 74 श्रेणियों में से समृह के 43 में नामांकन मिला। इन श्रेणियों के अंतर्गत 'खुले में शौच से मुक्ति अभियान- बरेली' 'युवा संपादक', 'सरोवर हमारी धरोहर' 'हजार टन- पटना' और 'जागरण संस्कारशाला जैसे सरोकार से जुड़े बड़े अभियानों की बेजोड़ सफलता के दम पर समूह को यह उपलब्धि हासिल हुई। देश के सबसे बड़े अखबार समूह में से जागरण समूह के सात आधार स्तंभ है। ये आधार स्तंभ जागरण के सात सरोकार है।

कूटनीति 🕨 ढाका-नई दिल्ली ने लखा दोस्ती का नया अध्याय

बांग्लादेश कि साथ लेकर पाकिस्तान पर बिराजा

मोदी ने कहा, दक्षिण एशिया में एक देश अब भी आतंकवाद का पोषक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आतंकवाद को राष्ट्रीय नीति मानने वाले पाकिस्तान को बेनकाब करने का कोई मौका नहीं छोड़ने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर उस पर निशाना साधा है। बांग्लादेश के साथ दोस्ती के नए युग की शुरुआत करने के बाद मोदी ने आतंकवाद को पोषित करने वाली पाकिस्तान की मानसिकता पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने इस सिलसिले में किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन हमले की जद में पाकिस्तान

गए भारतीय सैनिकों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। शेख हसीना चार दिनों की यात्रा पर इस समय नई दिल्ली में हैं।

मोदी ने आतंकवाद से जूझते भारत और बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति की तुलना वर्ष 1971 की उस मानसिकता से की जो बांग्लादेश को दबाने की कोशिश कर रहा था। मोदी ने कहा कि भारत और बांग्लादेश की विचारधाराओं के विपरीत दक्षिण एशिया में एक मानसिकता आतंकवाद को शह देने की है। इस सोच के नीति निर्माताओं को मानववाद से बड़ा आतंकवाद लगता है। विकास से बड़ा विनाश लगता है और सृजन से बड़ा

पाक से भारत की उम्मीद : क्या मोदी गया तो उनका ज<u>वा</u>ब था रखते हुए किस तरह यह दसरे देशों पर है कि वह हुए आगे बढ़े।

प्रधानमत्रा मोदा न कहा कि हमारा क्षेत्र तीन विचारधाराओं से परिभाषित होता है, जिन समाज और सरकार की सोच का पता चलता है।

पहली विचारधारा आर्थिक विकास पर केंद्रित है। इसमें सभी सामाजिक समूहों को साथ लाने पर जोर है। बांग्लादेश इसका एक उदाहरण है।

दूसरी विचारधारा सबका साथ सबका विकास है। भारत इसका उदाहरण है। हमारा मानना है कि भारत के सभी पड़ोसी मुल्कों को भी समृद्ध होना चाहिए।

तीसरे तरह की विचारधारा आतंकवाद को मानवता से ऊपर रखने की है। दक्षिण एशिया में ऐसी एक ही मानसिकता है, जो आतंकवाद को बढ़ावा देती है।

उपराष्ट्रपति की पत्नी ने कहाँ तीन तलाक बेकार की बात

जागरण संवाददाता, अलीगढ़ : तीन तलाक को लेकर देशभर में चल रही जबर्दस्त बहस के बीच उपराष्ट्रपति की पत्नी सलमा अंसारी ने कहा है कि तीन बार यूं ही तलाक कह देने से तो तलाक नहीं हो जाता। शनिवार को अलनूर चैरिटेबिल सोसाइटी की ओर से संचालित एक स्कूल में आई सलमा ने मीडिया के सवाल पर अपनी राय दी। सलमा ही अलनूर संस्था की संरक्षक हैं।

उन्होंने कहा कि तीन तलाक बेकार की बात है। महिलाएं अरबी भाषा में लिखी कुरान पढ़ती हैं, लेकिन इसका ट्रांसलेशन नहीं पढ़तीं। इस कारण जो बातें कुरान में कही गई हैं, उनका ठीक से अर्थ भी नहीं समझ पातीं। कुरान में ऐसा कहीं नहीं लिखा, जैसा कि तीन तलाक को लेकर बना रखा है। जो महिलाएं कुरान नहीं पढ़ती हैं, वह मौलानाओं-मुल्लाओं का कहा मान लेती हैं। कुरान-हदीस पढ़कर देखिए, रसूल ने क्या कहा है? देखिए कुरान में क्या कहा गया है? मैं तो कहती हूं कि औरतों में हिम्मत होनी चाहिए।खुद कुरान पढ़ें और उसके बारे में सोचें। जानकारी हासिल करें कि रसल ने क्या कहा? शरीयत क्या कहती है? हमें किसी को ऐसे ही फॉलो नहीं करना चाहिए। सबसे बड़ा रास्ता दिखाने वाला सिर्फ कुरान है। जब आप कुरान को ही एढ़र्ती, जब आपने कुरान को ही नहीं समझा कोई भी आपको गुमराह कर देगा।ट्रिपल ोई कह दे, ऐसे कोई तलाक नहीं होता। इसीलिए तो कह रही हं कि करान पढिए।'ट्रिपल धता का मुद्दा सुप्रीम कोर्ट की समक्ष विचाराधीन है। उस पर होनी है। इसके पहले दिसंबर कोर्ट ने भी तीन तलाक को

पार्टियों को मिलेगा ईवीएम जांच का खास मौका

मतदान मशीनों (ईवीएम) पर विपक्षी पार्टियों की ओर से लगातार उठाए जा रहे सवालों को केंद्रीय चुनाव आयोग हमेशा के लिए समाप्त करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए अन्य उपायों के साथ ही यह विभिन्न पार्टियों को इसकी तकनीकी जांच का मौका देने पर भी विचार कर रहा है। राजनीतिक पार्टियों के साथ ही सोशल मीडिया पर चल रहे विभिन्न संदेशों ने भी इसकी चिंता काफी बढ़ा दी है।

केंद्रीय चुनाव आयोग के एक वरिष्ठ सूत्र बताते हैं कि यह ईवीएम को लेकर उठाए जा रहे सवालों को लेकर बेहद चिंतित है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के लगभग एक महीने बाद भी इस संबंध में लगातार उठ रहे सवालों को आयोग चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए घातक मान रहा है। ये कहते हैं, 'मतदान प्रक्रिया का सबसे मजबूत पहलू ईवीएम ही है। ऐसे में इस पर उठ रहे किसौं भी सँवाल को लेकर आयोग पूरी गंभीर है। हमने हर आरोप को लेकर तत्काल सभी तथ्य पेश किए हैं। साथ ही राजनीतिक पार्टियों को इस संबंध में कोई भी अपुष्ट तथ्य फैलाने को लेकर आगाह भी किया है। लेकिन जिस तरह यह मुद्दा लगातार विवाद में बना कर रखा गया है, उसे देखते हुए हम कुछ असाधारण कदम उठाने पर भी विचार कर रहे हैं।' हालांकि ये स्पष्ट तौर पर नहीं कहते हैं कि यह असाधारण कदम क्या हो सकता है, लेकिन आयोग इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि वह ईवीएम की तकनीकी जांच का मौका उपलब्ध करवाए।

इस बारे में पूछे जाने आयोग के एक अन्य



विपक्षी दलों के सवालों के बाद आयोग कर रहा है विचार, सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों पर भी लगेगा विराम

सूत्र कहते हैं कि वर्ष 2009 में यह मौका सभी राजनीतिक दलों को दिया गया था। अग आयोग फिर से ऐसा करने का फैसला करता है तो इससे सभी विवादों पर ताला लग सकता है इस बार ईवीएम के साथ ही पर्ची छापने वार्ल मशीन यानी वोटर वैरिफाइड पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) सिस्टम को भी जांच के लिए पेश कर सकता है। ऐसी स्थिति में राजनीतिक दलों को यह मौका दिया जाता है कि वे अपने पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों के साथ र्ह तकनीकीविदों को भी ला सकें। इन्हें वास्तविव मशीन उपलब्ध करवा कर यह चुनौती दी जार्त है कि वे इस मशीन से छेड़छाड़ कर अपने मन मुताबिक नतीजे ला कर दिखाएं। वर्ष 2009 मे जब ऐसा मौका दिया गया था, तब किसी भी पार्टी के प्रतिनिधि को इसमें कामयाबी नहीं मिली थी। चुनाव आयोग को पूरा विश्वास है कि जो तकनीक वह इस्तेमाल करता है, उसमें इसके सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के साथ कोई छेड़छाड़

अमिरिका को भुगतने होंगे नतीजे : रूस

यटर/एएफपी : रूस ने सीरिया के एयरबेस पर अमेरिका के मिसाइल हमले पर उसे गंभीर दुष्परिणामों नेतावनी दी है राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत ज़ि की कार्रवाई को उचित ठेह करने की भी तैयारी थी। र्गवाई को मिले डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया मै अरब के समर्थन के लिए व फोन करके धन्यवाद दिया है।

सीरिया हमले पर संयुक्त राष्ट्र सु बैठक में रूस के उप राजदूत व्लादि सेफरोंकोव ने कहा, हम अमेरिका के इस अवैधा कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। इस हमले और वैश्विक स्थिरता पर गंभीर असर पड़ेगा। रू के प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि अमे हमला रूसी सेना से टकराव से महज एक कदम दूरी वाला कदम है। उल्लेखनीय है कि मिसाइल हमले

रूस के प्रधानमंत्री ने कहा, सीरिया पर अमेरिका का मिसाइल हमला टकराव से महज एक कदम दूरी वाला कदम



कुछ देर पहले अमेरिकी अधिकारियों ने रूसी धेकारियों को उसकी सचना दे दी थी। हमले वाले रैया के शायरात एयरबेस के एक हिस्से में रूसी गल फोर्स के कमांडो रहते हैं और उनके हेलीकॉप्टर गुैजूद थे। सुरक्षा परिषद की बैठक में मौजूद 🔁 जदूत निक्की हेली ने कहा, सीरिया में पर हमारी सेना और भी ज्यादा करने े ... जार ना ज्यादा करने हिंदी जहां भी रासायनिक हथियारों का पुको लेकर अमेरिका चुप नहीं इससे हमार क्षा हित जुड़े हुए हैं।

आतंकियों को बढावा मिलेगा : ईरान

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने अमेरिका के हमले की निंदा करते हुए कहा है कि निश्चित रूप से इससे आतंकी खुश हए होंगे और उन्हें बढावा मिलेगा। रूहानी के अनुसार सीरिया में हुए रासायनिक हमले की घटना की जांच होनी चाहिए। देखना होगा कि कार्रवाई के लिए कहीं रासायनिक हमले का बहाना तो तैयार नहीं किया गया ?

नई दिल्ली में शनिवार को 1971 के युद्ध के भारतीय जांबाजों के सम्मान में आयोजित समारोह में हिस्सा लेने जाते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना।

भारत के साथ आया बांग्लादेश

विदेश मंत्रालय के अधिकारी मानते हैं कि उड़ी हमले और सर्जिकल स्टाइक के बाद या सार्क बैठक रद करने के मामले में बांग्लादेश ने आगे बढ़कर भारत की मदद की है। उससे पाकिस्तान पर दबाव बनाने में मदद मिली है। यह स्थिति भारत सरकार की लगातार 10 वर्षों की कोशिश का नतीजा है। 10 वर्ष पहले तक ढाका पाक की खुफिया एजेंसी आइएसआइ का गढ़ था। वहां से भारत में आतंकी भेजे जा रहे थे। उल्फा उग्रवादियों को वहां पनाह दिया जा रहा था। अब यह सब खत्म हो चुका है।

मोदी, हसीना से कहा-प्लीज स्टेप डाउन

नर्ड दिल्ली. प्रेट: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की मुलाकात के दौरान एक मजेदार घटना हुई।शनिवार को दोनों नेता मंच पर थे। प्रोटोकॉल अधिकारी ने दोनों प्रधानमंत्रियों से औपचारिक तस्वीरों के लिए 'स्टेप डाउन' (नीचे उतरने) के लिए कहा। उसके बाद जब दोनों नेता नीचे उतर रहे थे तब मोदी ने चुटकी लेते हुए पूछा, 'स्टेप डाउन?' यह सुनते ही सभी लोग हंसने लगे। दरअसल अंग्रेजी में 'स्टेप डाउन' का मतलब पद छोड़ ने से होता है।

फिजूलखर्ची

दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने 11-12 फरवरी को आयोजित सालगिरह के कार्यक्रम में आए लोगों को दी थी दावत



सोलह हजार की पड़ी 'आम आदमी' की थाली

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

खुद को आम आदमी की सरकार और पार्टी बताने वाली दिल्ली सरकार ने सालगिरह के कार्यक्रम में मेहमाननवाजी में 12 से 16 हजार रुपये तक की थाली परोसी थी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पिछले साल 11 और 12 फरवरी को यह पार्टी दी थी। शुंगलू कमेटी ने इस पर गंभीर टिप्पणियां की हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सरकारी निवास पर दी गई दावत में खास मेहमानों को ही बुलाया गया था। 11 फरवरी को 50 और 12 फरवरी को 30 मेहमानों के लिए लंच का ऑर्डर दिया गया। पहले दिन प्रति प्लेट 12,472 रुपये की दर से कुल बिल 6,23,605 रुपये का आया। 12 फरवरी को प्रति व्यक्ति लंच की कीमत 16,025 रुपये प्रति प्लेट हो गई और कर सहित बिल 4,80,752 रुपये आया।शनिवार को इस दावत से संबंधित दो बिल सामने आए हैं।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि इतनी महंगी थालियां प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति की ओर से दी जाने वाली पार्टियों में भी नहीं परोसी जातीं। वहीं विधानसभा में विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) को एक नामी पांच सितारा होटल के माध्यम से लंच आयोजित करने को कहा गया था। इसमें केंद्र सरकार के वित्तीय नियमों की अनदेखी की गई। सभी वित्तीय नियम और कानून दरकिनार



₹12472/2 per plate

सरकार की सालगिरह पर दी गई दावत में परोसी गई थाली के बिल।

करते हुए बिना किसी टेंडरिंग प्रक्रिया के ऑर्डर दिए गए। गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार दो दिनों में 80 मेहमानों की मेहमान नवाजी पर कुल 11,04,357 रुपये का खर्च आया। यानी सरकार की सालगिरह के जश्न में एक मेहमान के लंच पर औसतन 13,805 रुपये का खर्च आया। उन्होंने उपराज्यपाल से इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

सरकार को बदनाम करने के लिए लीक की आधी जानकारी : सिसोदिया

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि 13 हजार रुपये के तथाकथित फूड बिल की फाइल अधिकारियों ने मंजूरी के लिए एक साल पहले मेरे पास भेजी थी। मैंने इसे मंजूरी देने से मना कर दिया था। करीब छह महीने से यह फाइल उपराज्यपाल कार्यालय ने मंगवाकर रख ली गई थी। इस मामले को लीक करने के पीछे चुनाव से पहले आप को बदनाम करने की नीयत हो सकती है। उन्होंने पूछा कि उपराज्यपाल कार्यालय के बाबू अफसर जानबूझकर भाजपा के इशारे पर दिल्ली सरकार को बदनाम करने के लिए आधी जानकारी के साथ फाइलें लीक कर रहे हैं। पूरी फाइल मेरे पेमेंट से मना करने की नोटिंग के साथ लीक करें। इस बीच पार्टी कार्यालय का आवंटन रद किए जाने के मामले में भी आम आदमी पार्टी ने लगातार दूसरे दिन केंद्र सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि पार्टी को खत्म करने की यह एक बड़ी साजिश है। हमारे दल को केंद्र सरकार का विरोध करने के कारण जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है।

नक्युलयों के लिए रेडियो संदेश में एनजीओ भी शक के घेरे में

जागरण संवाददाता, चाईवासा

चाईबासा के आकाशवाणी रेडियो स्टेशन से प्रसारित सूचनाओं का इस्तेमाल नक्सलियों के लिए किए जाने की आशंका की जांच में जुटी पश्चिम सिंहभूम पुलिस के सामने कुछ नए तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि रेडियो पर प्रसारित किए जाने वाले स्थानीय भाषाओं के कार्यक्रम संयोजन एवं संदेश लेखन में कुछ एनजीओ की भूमिका जांच के दायरे में आ गई है। बताया जा रहा है कि रेडियो स्टेशन से प्रसारित होने वाले कार्यक्रम में कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं की मर्जी का खास ख्याल रखा गया है। इसमें से कुछ एनजीओ सारंडा सहित दूसरे सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में लंबे समय से काम कर रहे हैं। स्थानीय भाषाओं के कार्यक्रम के प्रसारण की समय सारणी में बदलाव की नियमावली खंगालने में पुलिस प्रशासन का पूरा जोर है। कहा जा रहा है कि जांच के बढ़ते दायरे के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन प्रसार भारती

हम मीडिया ट्रायल में नहीं फंस सकते।मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। इस प्रक्रिया को पूरा करने में थोड़ा

– अनीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक

एवं जिला प्रशासन को पत्र लिखकर जांच में सहयोग करने का आग्रह करेगी। इसके अलावा पूरे विवाद में जेएलटी नाम के संगठन के गठन एवं कार्यप्रणाली की भी जांच की जा रही है पुलिस वर्ष 2000 से लेकर 2017 तक के नक्सली इतिहास से जुड़े सभी छोटे-बड़े दस्तावेजों की फिर से खोज करने में जुट गई है। ऐसे लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है, जिनकी भूमिका किसी न किसी रूप में नक्सलियों को मदद पहुंचाने की रही है। इसके अलावा शहरी क्षेत्र से नक्सलियों को होने वाली फंडिंग की भी जांच की जा रही है।

न्यूज गैलरी

राजौरी गार्डन उपचुनाव आज सभी तैयारी पूरी

नई दिल्ली: राजौरी गार्डन विधानसभा सीट के लिए हो रहे उपचुनाव को लेकर प्रशासन ने इंतजाम कर लिये हैं। मतदान के लिए 166 बूथ बनाए गए हैं, जिसमें 72 बूथ अतिसंवेदनशील व 37 बथ संवेदनशील घोषित किए गए हैं। प्रशासन की ओर से अतिसंवेदशील व संवेदनशील बूथों पर निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए 24 माइक्रो आब्जर्वर नियुक्त किए गए हैं।गौरतलब है कि पंजाब में चुनाव लड़ने के लिए यहां के विधायक जरनैल सिंह के इस्तीफे के बाद यह सीट खाली हुई थी। कुल छह उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें कांग्रेस, आप व भाजपा के उम्मीदवारों के अलावा तीन अन्य उम्मीदवार मैदान में हैं। इस बार 1 लाख 67 हजार 985 मतदाता करेंगे।इनमें 88 हजार 232 पुरुष व 79 हजार 753 महिला मतदाता हैं।

आप ने भाजपा के खिलाफ छेडा पोस्टर अभियान

नई दिल्ली: दुश्मन को परास्त करना है तो हर तरफ से हमले करो... इस रणनीति पर अमल करते हुए आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा के खिलाफ उग्र रवैया अख्तियार कर लिया है। आप का मानना है कि उसकी सीधी लड़ाई भाजपा से ही है। लड़ाई के इस क्रम में आप की ओर से दिल्ली भर में एक पोस्टर लगाया जा रहा है मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो वाले इस पोस्टर में आप की ओर से लोगों को आगाह करते हुए कहा गया है कि निगम में भाजपा यदि फिर से सत्ता में आती है तो 'बिजली हाफ और पानी माफ' की सुविधा मिलनी बंद हो जाएगी।बिजली और पानी महंगा हो जाएगा। पोस्टर में लिखा है कि केंद्र सरकार बिजली और पानी दिल्ली सरकार से छीन कर फिर से निगमों को सौंप देगी।

जीबी पंत इंजीनियरिंग कॉलेज पहुंचे प्रो. आनंद कुमार

नई दिल्ली: ओखला एस्टेट स्थित गोविंद बल्लभ पंत (जीबी पंत) राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में सुविधाजनक कैंपस की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों व अध्यापक से मिलने के लिए शनिवारको प्रो. आनंद कुमार पहुंचे।इस दौरान उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे शिक्षक जोशिल के अब्राहम से भी मुलाकात की और छात्रों को भरोसा दिया कि वह अपने स्तर पर मदद करेंगे और स्वराज इंडिया पार्टी इस आंदोलन में पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशांत भूषण मुफ्त में छात्रों की कानूनी मदद करेंगे। प्रो. कमार ने आगे कहा कि छात्र अपनी मांगों को लेकर स्थानीय निगम पार्षद, विधायक से लेकर क्षेत्रीय सांसद व शिक्षा मंत्री से मिलकर कैंपस बनाने की मांग करें। कुमार ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए था।छात्रों को सलाह दी कि वह उपराज्यपाल अनिल बैजल से मिलकर अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराएं।

12 कारतूस बरामद

नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आइजीआइ) पर दो यात्रियों के सामान से 12 कारतूस मिले हैं। दिल्ली से जबलपुर जाने वाली फ्लाइट पकडने पहुंचे यात्री अनिरुद्ध सिंह के पास से 11 जबकि एक महिला स्नेहा सिंह के से एक कारत्स बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक पहेली परिवार के साथ आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंचे थे। सभी का दिल्ली से जबलपुर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट का टिकट था। चेकइन के बाद टर्मिनल-श्री के चौथे लेवल पर जब उनके सामान की जांच की को स्नेहा सिंह अपने पति के साथ फ्लाइट पकड़ने टर्मिनल थ्री पहुंची थीं। जांच के

लाख से अधिक उड़ाए

नई दिल्ली : हरिदास नगर इलाके में बदमाशों ने खाते से जुड़ी जानकारी जुटाकर पीड़ित के खाते से एक लाख 45 शिकायत में महिपाल सिंह ने बताया कि वे सीआरपीएफ कैंप झाड़ौदा कलां में रहते हैं व कैर डिपो में काम करते हैं। मंगलवार को उनके मोबाइल पर एक नंबर से फोन और कहा कि उनका खाता बंद होने वाला उसने महिपाल से खाते से जुड़ी तमाम

मुख्यालय पर टकराव के मूड में नहीं आप सरकार

आम आदमी पार्टी के मुख्यालय छिन जाने के मामले में न ही दिल्ली सरकार और न ही पार्टी टकराव के मूड में हैं। सूत्रों की माने तो पार्टी दफ्तर की मांग कर रही है और करती रहेगी। मुख्यालय का आवंटन रद किए जाने का विरोध भी करती रहेगी। मगर यदि दफ्तर खाली कराया जाता है तो इसे मुद्दा तो बनाएगी मगर कार्रवाई में रुकावट नहीं बनेगी। सूत्रों के अनुसार इसके पीछै की रणनीति जनता की सहानुभूति बटोरना भी हो सकती है।

हालांकि मुख्यालय का आवंटन रद किए जाने से केजरीवाल आहत हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि यदि मुख्यालय खाली कराने के लिए संबंधित विभाग कार्रवाई शुरू करता है तो मुख्यालय का सामान उठाने वालों में



केजरीवाल भी शामिल हो सकते हैं। वैसे यह किसी रणनीति का हिस्सा नहीं है। मगर केजरीवाल इस कार्रवाई को बहुत ज्यादती मानते हैं। इस सब के बीच जानकारी मिली है कि आप को एक दर्जन के करीब लोगों ने अपने यहां पार्टी मुख्यालय खोलने के लिए आमंत्रित किया है। दक्षिणी दिल्ली की पॉश

है। उसे कार्यालय रखने का पूरा हक है। वह किसी से भीख नहीं मांग रहे हैं। कार्यालय के आवंटन में नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया है। अभी तक इस कार्यालय के बदले अन्य किसी स्थान पर कार्यालय दिए जाने के लिए कोई ऑफर नहीं दिया गया है। कार्यालय छीन लिया गया है तो सडक से भी लडाई जारी रखेंगे

–अरविंद केजरीवाल, आप संयोजक व दिल्ली

कॉलोनी की निवासी महिला ने आप के दफ्तर के लिए अपना घर देने का ऑफर दिया है। वहीं परानी दिल्ली के एक कारोबारी ने कार्यालय के लिए जगह देने की इच्छा जाहिर की है। पार्टी के सूत्रों का कहना है कि अचानक आई इस समस्या का क्या हल निकाला जाए इस पर मंथन हो रहा है। फिलहाल पार्टी का पूरा ध्यान

निगम चुनाव पर है। पार्टी मान रही है कि यह समस्या चुनाव से ध्यान भटकाने के लिए खड़ी की गई है। इसलिए इस पर पार्टी अधिक ध्यान नहीं लगाएगी। इस बारे में पूछने पर पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पार्टी का दफ्तर खाली कराने के लिए कोई पत्र आदि आता है तो इस बारे में आगे की कार्रवाई होगी।

अवैध रूप से चल रहा है आप मुख्यालय : उपराज्यपाल अनिल बैजल द्वारा पार्टी मुख्यालय के निर्धारित बंगले का आवंटन निरस्त कर दिए जाने के बाद इस पते पर कोई भी गतिविधि जारी रखना अवैध है। उपराज्यपाल निवास से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि अब और पत्र जारी किए जाने का सवाल नहीं बनता है। आवंटन निरस्त होने के बाद आप को स्वयं उस बंगले को खाली कर

'तीन सीटें जीतने वाली पार्टी ने बंद कराया हमारा दफ्तर'

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

डीडीयू मार्ग स्थित 206 राउज एवेन्यू के बंगले में चल रहे आप के मुख्यालय के रद किए गए आवंटन को लेकर शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तीन सीटें जीतने वाली भाजपा ने हमारा दफ्तर बंद कराया है। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि क्या 70 में से 67 सीटें जीतने वाली पार्टी को दिल्ली में दफ्तर का अधिकार नहीं है। जबकि दिल्ली में भाजपा के पांच दफ्तर हैं, लेकिन जिस पार्टी की 67 सीटें आईं उसका दफ्तर बंद करवा दिया गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में एबीवीपी का दफ्तर है, आरएसएस का दफ्तर है, विश्व हिन्दू परिषद का दफ्तर है, भारतीय मजदूर संघ का दफ्तर है। इतना ही नहीं संस्कृत भारती का दफ्तर है। वहीं अभी हाल में ही भाजपा ने दफ्तर के लिए एक प्लॉट लिया था जिसका भूमि पूजन भी किया गया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिस कांग्रेस का एक भी विधायक नहीं है उसका दफ्तर है। आरजेडी , बीएसपी का दफ्तर है। इससे एक सवाल उठता है कि आखिर हमारे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। हमारा कसर क्या है? हमारा सिर्फ एक कस्र है कि हमारी पार्टी आम जनता और गरीबों के लिए काम कर रही है। आम जनता को उसका हक दिलाने के लिए इस देश के सबसे बड़े शक्तिशाली माफियाओं के

निगम का रण 🕨 महिला होने का घोषणापत्र नहीं देने पर हो गया था रद

हाई कोर्ट ने भाजपा प्रत्याशी का नामांकन सही टहराया

महिला के लिए रिजर्व वार्ड में भी महिला उम्मीदवार घोषणापत्र क्यों दे : अदालत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली स्थित नगर निगम वार्ड संख्या 3 ई, त्रिलोकपुरी वेस्ट से भाजपा प्रत्याशी सरोज सिंह को हाई कोर्ट ने बड़ी राहत प्रदान की है। न्यायमूर्ति विपिन सांघी की पीठ ने रिटर्निंग ऑफिसर को उनका नामांकन मान्य करार देने का आदेश दिया है। दिल्ली नगर निगम चुनाव में नामांकन रद होने के बाद अदालत के हस्तक्षेप से नामांकन मान्य देने का यह पहला मामला है।

त्रिलोकपुरी वेस्ट महिला आरक्षित वार्ड है। सरोज ने नामांकन फार्म भरते हुए उसमें खुद के महिला होने का घोषणापत्र नहीं दिया था। दिल्ली चुनाव आयोग ने उनका नामांकन रद कर दिया था। अदालत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जब सीट महिला के लिए आरक्षित है और प्रत्याशी भी महिला है तो ऐसे में उसके घोषणापत्र की क्या जरूरत है। यह नियम ही गलत है। जब

भाजपा आज से शुरू करेगी विजय विकास यात्रा

नई दिल्ली: नामांकन प्रक्रिया खत्म होने के साथ ही भाजपा रविवार से प्रत्येक वॉर्ड में विजय विकास यात्रा नाम से प्रचार अभियान शुरू करने जा रही है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनोज तिवारी विजय विकास यात्रा से चुनाव प्रचार अभियान का शुभारंभ करेंगे। सुबह साउथ मोती बाग शास्त्री मार्केट से यात्रा प्रारंभ करेंगे और आरके पुरम, मालवीय नगर, कस्तूरबा नगर, ग्रेटर कैलाश

सीट महिला के लिए रिजर्व है तो कागजों की समीक्षा करते हुए ऑफिसर ने इस गलती को ठीक क्यों नहीं किया।

उधर, दिल्ली चुनाव आयोग की तरफ से बताया गया कि रूल बुक में घोषणापत्र देने का नियम है। वहीं, समीक्षा के दौरान रिटर्निंग ऑफिसर कोई गलती ठीक नहीं कर सकता। इस पर अदालत ने कहा कि अगर सुधार नहीं कर सकते तो उनकी जरूरत क्या है। उन्हें अपना दिमाग लगाना चाहिए था। ऐसा करते हैं कि एक

विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क करने के बाद सांवल नगर में रात्रि 9 बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। संयोजक रविंद्र गृप्ता के अनसार, विजय विकास यात्रा के दौरान 480 छोटी-बडी सभाएं होंगी। इसमें प्रदेश अध्यक्ष के अलावा भाजपा के वरिष्ठ नेता और फिल्म कलाकार शामिल होंगे। ये स्टार प्रचारक दो रथों के जरिये दिल्ली वालों से जनसंवाद करेंगे।

सरोज सिंह के अलावा नगर निगम वार्ड संख्या 10 ई, विनोद नगर से भाजपा प्रत्याशी रविंद्र नेगी, उनकी पत्नी व डमी उम्मीदवार रेणु नेगी, उत्तरी दिल्ली नगर निगम वार्ड संख्या 81 एन, मोनिका छाबड़ा व बापरौला से भाजपा प्रत्याशी संजू बाला व एक अन्य ने अपने-अपने नामांकन रद करने के फैसले को चुनौती दी थी। मधु के दस्तावेज नोटरी से सत्यापित नहीं थे और रविंद्र व अन्य के भी दस्तावेजों में भी कुछ कमी पाई गई थी। अदालत ने इन पांचों की पुनर्विचार

सीटी के निशान पर चुनाव लड़ेगे स्वराज इंडिया के प्रत्याशी

नई दिल्ली : स्वराज इंडिया पार्टी को शनिवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। पार्टी के प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र भरते समय चुनाव चिह्न के तौर पर 'सीटी' की मांग की थी। जिसे हासिल करने में वे सफल रहे। स्वराज इंडिया को समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया है। जिससे नामांकन के दौरान प्रत्याशियों के सामने अलग-अलग चिह्न से चुनाव लड़ना ही विकल्प बचा था। शनिवार को राज्य चुनाव आयोग द्वारा सभी प्रत्याशियों को निगम चुनाव के लिए चुनाव चिह्न सीटी

ज्ञात हो कि स्वराज इंडिया को एक समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया था, जिसके बाद पार्टी ने रणनीति के तहत अपने सभी प्रत्याशियों को अपने-अपने तरफ से ही एक समान चुनाव चिह्न की मांग करने को कहा था। पार्टी के हर प्रत्याशी ने अपने स्तर पर चुनाव चिह्न के लिए सीटी, खिड़की और ट्रैक्टर चलाता किसान की इसी वरीयता क्रम में मांग की थी। स्वराज इंडिया के प्रत्याशी इसे जीत की तरह देख रहे हैं।

पार्टी के प्रवक्ता अनुपम ने कहा, पंजीकृत राजनीतिक पार्टी होने के बावजूद स्वराज इंडिया को समान चुनाव चिह्न नहीं दिया गया था। हम सब ने देखा कि किस तरह दिल्ली सरकार ने राज्य चुनाव आयोग के नियमों में प्रस्तावित संशोधनों पर रोक लगाकर स्वराज इंडिया के खिलाफ साजिश की। पार्टी के 24 प्रत्याशियों के नामांकन भी गैर कानूनी ढंग से रद कर दिए गए थे। स्वराज इंडिया तीनों नगर निगम के लिए

नीतीश कुमार बोले, दिल्ली को मिले पूर्ण राज्य का दर्जा



बराडी में मंच पर बिहार के मख्यमंत्री नीतीश कमार का स्वागत करते कार्यकर्ता।

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दिल्ली को पूर्ण राज्य एवं बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग की। साथ ही दिल्ली सहित देश के सभी राज्यों में शराब बंदी की वकालत करते हुए कहा कि सरकार के लिए लोगों का स्वास्थ्य पहले है, राजस्व नहीं। वह शनिवार देर शाम बुराड़ी में जदयू की ओर से आयोजित सभा को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने वजीराबाद से बुराड़ी तक रोड शो किया।

बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था केंद्र के जिम्मे है। यहां के विकास में कई अड़चनें आते रहती हैं। इससे

पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए। उन्होंने बिहार में शराब बंदी की सफलताओं को गिनाते हुए दिल्ली में भी इसे लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा दिल्ली का काम बिहारी के बिना

नहीं चल सकता और राजधानी के विकास मे बिहार के लोगों का अहम योगदान है। इसलिए जदयू ने निगम चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। उन्होंने लोगों से पार्टी के सभी उम्मीदवारो को जिताने की अपील की। साथ ही केंद्र की स्मार्ट सिटी योजना पर भी तंज कसा और कह कि पहले दिल्ली को तो स्मार्ट बनाएं, जहां 10 साल से निगम में भाजपा काबिज है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के अंदरूनी हिस्सों की हालत देखकर लगता है कि बिहार के गांव इनसे कई

एयरपोर्ट पर दो यात्रियों से

घटना 5 अप्रैल की है। अनिरुद्ध सिंह अपने तो सुरक्षाकर्मियों को बैग की तलाशी लेने पर 11 कारतूस मिले। दूसरी घटना में 6 अप्रैल दौरान उनके सामान से एक कारतूस बरामद

किया गया। खाते की जानकारी जुटा एक

हजार रुपये उड़ा लिए है। पुलिस से की गई आया। उसने ख़ुद को बैंक का कर्मी बताया है।खाते को दोबारा शुरू करवाने के बहाने

जानकारी ली। भूमिगत कॉरिडोर के निर्माण से भूजल पर होगा अध्ययन

नई दिल्ली: मेट्रो लाइनों के निर्माण के चलते अक्सर भूजल स्तर गिरने की बात कही जाती है।इसके मद्देनजर डीएमआरसी फेज चार में प्रस्तावित दिल्ली मेट्रो की परियोजनाओं में भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर के निर्माण के चलते भूजल पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन कराएगा। इसके लिए डीएमआरसी ने प्रक्रिया शुरू की है।फेज चार की परियोजनाओं के अंतर्गत दिल्ली में करीब 104 किलोमीटर लंबी छह मेट्रो लाइनों का निर्माण किया जाना है, जिसमें से 37.01 किलोमीटर कॉरिडोर भूमिगत होगा।इन परियोजनाओं को दिल्ली सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है। अब केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय से स्वीकृति मिलने का इंतजार है।

कंप्यूटर लगा देते हैं और वही सब कर लेगा। 37 अरब के फर्जीवाड़े में



बदला रोड का नाम

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के नजदीक पार्क स्ट्रीट रोड का नाम बदलकर बंगबंधु शेख मूजीब रोड हो गया है।

जागरण

गुरुग्राम में वन विभाग में करोड़ों का घोटाला

वन विभाग के गुरुग्राम सर्किल में करोड़ों रुपये का घोटाला करने का मामला सामने आया है। घोटाला वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं फायर लाइनें बनाने के नाम पर किया गया। जांच रिपोर्ट आगे की कार्रवाई के लिए मुख्यमंत्री के पास भेज दी गई। मामले में गुरुग्राम सर्किल के वन संरक्षक के अलावा महेंद्रगढ़ एवं मेवात के कई वन अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

वन विभाग के सभी सर्किलों के पास कार्यालय खर्च के लिए राशि आती है। 31 मार्च तक जो राशि खर्च नहीं हो पाती, उसे लौटा दिया जाता है। शिकायत है कि गुरुग्राम सर्किल ने (जिसे विभाग में साउथ सर्किल भी कहा जाता है) ने 31 मार्च 2015 की बची राशि नहीं लौटाई। यह राशि तीन करोड़ रुपये से अधिक बताई जाती है। कागज में दिखाया गया कि इस राशि को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम एवं फायर लाइनें से लेकर पौधे लगाने के नाम

पर खर्च किया गया। इसके अलावा भी वन विभाग के फंड से करोड़ों रुपये की राशि खर्च कर दी गई। गुरुग्राम सर्किल में गुरुग्राम के अलावा मेवात, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, फरीदाबाद एवं पलवल जिले आते हैं। दस से बारह दिनों के दौरान तीन करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च दिखा दी गई।

सुनील मित्तल गिरफ्तार के नाम पर 3700 करोड़ रुपये के फर्जीवाडे अनुभव पर एक और केस

में फरार कंपनी के पूर्व निदेशक सुनील मित्तल को एसटीएफ व एसआइटी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी शुक्रवार शाम सिहानी गेट गाजियाबाद के नवयुग मार्केट के पास से हुई। सुनील मित्तल एब्लेज कंपनी के संचालक व फर्जीवाड़े का मास्टरमाइंड अनुभव मित्तल का पिता है। एब्लेज इंफो सॉल्यूशन का सितंबर 2010 में रजिस्ट्रेशन हुआ था और उस समय अनुभव के साथ सुनील भी कंपनी में

सीओ एसटीएफ राजकुमार मिश्र ने बताया कि पत्नी आयुषी मित्तल को 2015 में अनुभव ने निदेशक बनाया था। इससे पहले उसने पिता सनील को निदेशक पद से हटा दिया था। सनील के निदेशक रहते हुए ही फर्जीवाड़े का खेल शुरू हो चुका था। दो फरवरी को फर्जीवाड़े के पर्दाफाश के बाद से ही सुनील फरार चल रहा था। इस मामले में कोतवाली फेज तीन में केस दर्ज है और एसआइटी जांच कर रही है।

सीओ एसटीएफ ने बताया कि आरोपी के पास से एक एंडेवर गाड़ी बरामद हुई है। गाड़ी किसी संतोष के नाम से रिजस्टर्ड है। सुनील ने पूछताछ में एसटीएफ को बताया है कि इस गाड़ी में भी अनुभव का पैसा लगा है। अबतक इस केस में कंपनी संचालक अनुभव मित्तल सहित कुल पांच लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट को जारी ई-मेल आइडी आदि पर अब तक 16 हजार लोग अपनी शिकायत दे चुके हैं। इनमें करीब 100 शिकायत विदेशों से भी आई हैं। मामले में आयकर और प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने कंपनी के दफ्तर आकर जांच की थी। पिछले दिनों ईडी ने कंपनी

पिलखुवा (हापुड़) : अनुभव मित्तल की

मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं।कोतवाली पिलखुवा में अनुभव के खिलाफ एक और पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया। मोहल्ला नवरंगपुरी निवासी मुनेश सोनी का कहना है कि उन्होंने अनुभव पर विश्वास किया था। इस कारण वह उसका शिकार बने। उन्होंने अनुभव की सोशल ट्रेड में तीन लाख 45 हजार रुपये का निवेश किया था। उनका कहना है कि जब एसटीएफ ने अनुभव को गिरफ्तार कर मामले का पर्दाफाश किया था,तब भी उन्हें अनुभव पर विश्वास था। कोतवाली प्रभारी अजय अग्रवाल का कहना है कि मुकदमा दर्ज किया जा चुका है।

की 600 करोड़ की संपत्ति अटैच की थी।

गौरतलब है कि युपी एसटीएफ ने एक फरवरी को सेक्टर 63 के एफ ब्लाक स्थित एब्लेज इंफो कंपनी में छापेमारी की थी। इस दौरान कंपनी संचालक अनुभव मित्तल, श्रीधर प्रसाद (सीईओ) और महेश दयाल (टेक्निकल हेड) की गिरफ्तारी कर साढ़े छह लाख लोगों से 3700 करोड़ के फर्जीवाड़े का एसटीएफ ने पर्दाफाश किया था। सुनील मित्तल मूलरूप से पिलखवा के किशनगंज (हापुड़) का रहने वाला है। पिलखुवा में उसकी मित्तल इलेक्ट्रानिक नाम से फर्म भी है। दो फरवरी को हुए फर्जीवाड़े के पर्दाफाश से पहले फर्जीवाड़ा करने वाली कंपनी एब्लेज इंफो के एस बैंक खाते से सुनील मित्तल के फर्म मित्तल इलेक्ट्रानिक के पिलखुवा खाते में पांच करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए थे।

जेपी ग्रुप के निदेशक समेत चार पर केस

दनकौर (ग्रेटर नोएडा) : दनकौर कोतवाली मे जेपी समूह के निदेशक समीर गौड़, मनोज गौड़ समेत चार लोगों पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। बुकिंग राशि लेकर समय पर कब्जा नहीं देने व निवेशक से धोखाधड़ी के मामले में पीड़ित ने ट्वीटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिकायत की थी। चार अप्रैल सबह सवा ग्यारह बजे टवीटर पर शिकायत की और सवा एक बजे रिपोर्ट दर्ज हो गई। हालांकि पीड़ित को रिपोर्ट दर्ज होने की जानकारी शनिवार

गाजियाबाद के वैभवखंड निवासी निखिल चंदेल निजी कंपनी में नौकरी करते हैं। पुलिस को दी गई शिकायत के मुताबिक उन्होंने अगस्त 2013 में दनकौर क्षेत्र स्थित स्पोर्ट्स सिटी में जेपी कंपनी के नेचर व्यू प्रोजक्ट में 750 वर्ग फीट का फ्लैट बुक किया था। बिल्डर ने उस वक्त 12 लाख 15 हजार 124 रुपये बुकिंग के लिए जमा कराए थे और 36 महीने में फ्लैट पर कब्जा देने का आश्वासन दिया था। बिल्डर द्वारा दी गई अवधि पूरी होने के बाद 2016 में उन्होंने नोएडा के सेक्टर 128 स्थित जेपी के ऑफिस में फ्लैट पर कब्जा देने के बारे में पूछा तो बिल्डर के निदेशक ने छह महीने का और समय मांगा। इसके बावजूद कब्जा देने में देरी हुई तो निखल चंदेल ने यमुना प्राधिकरण से संपक किया। तब उन्हें पता चला कि इस प्रोजेक्ट का तो प्राधिकरण से नक्शा ही पास नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस से उन्होंने कई बार शिकायत की लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

हारकर उन्होंने मुख्यमंत्री को ट्वीट किया तो पुलिस तुरंत एक्शन में आ गई। पुलिस ने धोखाधड़ी के मामले में जेपी समूह के निदेशक समीर गौड़, मालिक मनोज गौड़, प्रधान प्रबंधक मनोज डेंबला व वरिष्ठ प्रधान प्रबंधक राजीव तलवार पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नुकसान

मांगों को लेकर पिछले 13 दिन से लैब कर्मचारी संघर्षरत हैं।13 अप्रैल से परीक्षाएं होनी है, लेकिन प्रयोगशालाओं की ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा।



हड़ताल से प्रभावित हो सकती हैं परीक्षाएं जागरण संवाददाता,नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक और परास्नातक के विज्ञान विषयों की प्रायोगिक परीक्षाएं 13 अप्रैल से शुरू होने वाली हैं। इस परीक्षा से पहले विद्यार्थी लैब में प्रैक्टिस करते हैं। लेकिन लैब

कर्मचारियों की हड़ताल के कारण प्रयोगशालाएं ठप पड़ी हैं, जिससे विद्यार्थियों को प्रैक्टिस करने में परेशानी हो रही है। लैब कर्मचारी पिछले 13 दिन से आर्ट फैकल्टी के बाहर हड़ताल कर रहे हैं। इन्हें विभिन्न कॉलेजों के कर्मचारियों के संगठन भी समर्थन दे रहे हैं। डीयू के लैब एवं अन्य कर्मचारी पिछले वर्ष से विभिन्न मांगों को लेकर समय-समय पर धरना और प्रदर्शन करते आ रहे हैं।

हालांकि, डीयू प्रशासन ने पहले भी उनकी कई मांगों को माना है और इस बार भी उन पर विचार करने का आश्वासन दिया है। इसके बावजूद डीयू प्रशासन और कर्मचारी संगठनों के बीच लड़ाई थम नहीं रही है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसा पहली बार है कि जब कर्मचारी इतने बड़े पैमाने पर संघर्ष कर रहे हैं।



डीयु में मार्च निकालते कर्मचारी।

इस धरना से डीयू के कॉलेजों के प्रिंसिपल भी चिंतित हैं।एक कॉलेज के प्रिंसिपल का कहना है कि कर्मचारी संगठन और डीयू प्रशासन को मिलकर इस समस्या का समाधान निकालना चाहिए। वहीं, विज्ञान संकाय के एक छात्र का कहना है कि पिछले 10 दिनों से हमें समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हम अपने विभागाध्यक्ष को भी इस बाबत जानकारी दे चुके हैं। डीयू में लैब कर्मचारियों के संगठन के सचिव

राजेश मेहता बताते हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन

कर्मचारियों की प्रमुख मांगें लैब और टेक्निकल स्टाफ की भर्ती नियम के लिए साइंस समिति गठित की जाए।

लैब अटेंडेंट से लैब असिस्टेंट तक के पदों पर 100 फीसद प्रमोशन किया जाए, जैसा कि 2012 तक किया जाता था।

समिति में कर्मचारियों का भी प्रतिनिधित्व हो।

इस समिति में मेडिकल साइंस और कंप्यूटर साइंस विभाग के लोगों को भी रखा जाए। लैब अटेंडेंट के नाम से मल्टी टास्किंग स्टाफ

मेडिकल लैब के भर्ती के नियम एम्स के तर्ज पर

शब्द हटाया जाए ।

का खैया सकारात्मक नहीं है। शुक्रवार को प्रशासन की तरफ से एक पत्र आया, जिसमें भर्ती नियमों के लिए एक सामूहिक समिति बनाने की घोषणा की गई।

छात्रवृत्ति नहीं मिली, छात्र नहीं चुका पा रहे खाने का बिल

जागरण संवाददाता,नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति नहीं मिलने से छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को सतलज हॉस्टल में लगभग 200 छात्र अपने बिल का भुगतान नहीं कर पाने के कारण जेएनयू प्रशासन के समक्ष अपना विरोध जताया। उग्र छात्र थाली पीटते हुए जेएनयू डीन स्टूडेंट वेलफेयर से मिलने गए। हालांकि इनकी समस्या का अभी समाधान नहीं हो पाया है। छात्रों की यह भी मांग थी कि खाने का बिल अधिक आ रहा है इसलिए खाना बनाने वाले ठेकेदार को बदला जाए।

इस बाबत जब डीन स्टूडेंट वेलफेयर से बातचीत की गई तो उन्होंने फोन नहीं उठाया। जेएनयू के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया

कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जेएनयू को निर्धारित बजट से अधिक पैसा भेज चुका है। यह बजट नॉन नेट फेलोशिप के लिए दी जाती थी लेकिन अब यह नहीं दी जा रही है। प्रशासन छात्रों की समस्या के समाधान की कोशिश कर रहा है। जेएनयू में एनएसयूआइ के नेता मृत्युंजय का कहना है कि आमतौर पर छात्र छह महीने पर अपना बिल जमा करते हैं क्योंकि उनको जब नए सेमेस्टर में रजिस्ट्रेशन कराना होता है तो उन्हें उसकी रसीद जमा करनी होती है। लेकिन वर्तमान में यह स्थिति है कि वह बिल जमा नही कर पा रहे हैं क्योंकि छात्रवृत्ति नहीं मिली है। छात्र वार्डन से भी इस बाबत मुलाकात कर रहे हैं और अपनी समस्या से संबंधित पत्र लिखा है।

जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष मोहित पांडेय का कहना है कि जेएनयू में अस्सी फीसद छात्र यहाँ की फेलोशिप पर पढ़ाई करते हैं। प्रशासन और यूजीसी इस गंभीरता को नहीं समझ रहा है।

9 अप्रैल 2017

दैनिक जागरण

न्यूज गैलरी

मिड-डे मील में आलू को शामिल करने की मांग

नई दिल्ली: आलू किसानों की बदहाली को देखते हुए अब मिड-डे मील में आलू को शामिल करने की मांग उठी है। भदोही से भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री प्रकाश जावड़ेकरको पत्र लिखकर इसे किसान और छात्र दोनों के लिए लाभकारी बताया है। वीरेंद्र सिंह ने कहा है, 'आपको इस पत्र के माध्यम से अवगत करवाना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में किसान निरंतर बचे हुए आल को बड़ी मात्रा में नष्ट करते आ रहे हैं। यदि आल को विद्यालयों में दिए जाने वाले

मिड-डे मील के मेन में शामिल किया जाए तो आलू की बर्बादी रोकी जा सकेगी और आलू के उत्पादन का पूर्ण उपयोग हो सकेगा आपसे अनुरोध है कि आलू को मिड-डे मील में शामिल करने के प्रस्ताव पर विचार कर संबंधित विभाग को इसे लागू करने के लिए अपनी संस्तुति प्रदान करने का कष्ट करें।' उन्होंने यह भी कहा कि देशभर के किसान भारी मात्रा में आलू का उत्पादन करते हैं। साथ ही यह छात्रों के लिए भी लाभकारी साबित होगा, क्योंकि यह एक संपूर्ण पौष्टिक सब्जी है और सहजता से पाई व पंकाई जा सकती है।

' सभी को आवास योजना ' में निजी कंपनियों पर विचार

नर्ड दिल्ली: सरकार के महत्वाकांक्षी '2022 तक सभी को आवास' कार्यक्रम में निजी रीयल इस्टेट डेवलेपर्स को शामिल करने के रास्ते तलाशने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में शनिवार को एक बैठक हुई। बैठक का फोकस इस कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करना था। यह बैठक प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा ने बुलाई थी। सूत्रों के मुताबिक, दो घंटे चली बैठक में इस बात पर चर्चा की गई कि सस्ते आवासों पर ब्याज सब्सिडी के लाभ संभावित गृह खरीददारों तक जल्द से जल्द कैसे पहुंचें। सभी के सुझाव इस बात पर केंद्रित रहे कि सस्ते आवासों की आपूर्ति में तेजी लाने के लिए परियोजनाओं को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) आधार पर पूरा किया जाए।

घूसखोरी में ईपीआइएल मैनेजर पर एफआइआर दर्ज

नई दिल्ली: सीबीआइ ने घूसखोरी के आरोप में इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड (ईपीआइएल) के मैनेजर के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। आरोप है कि मैनेजर पारितोष कुमार प्रवीण ने ठेके देने के एवज में दो कंपनियों से 1.5 करोड़ रुपये की घूस मांगी थी। इसमें से 50 लाख रुपये उसे दिए गए। सीबीआइ प्रवक्ता आरके गौड़ ने बताया कि प्रवीण ने उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर स्थित पटेल कंस्ट्रक्शंस के पीयूष पटेल से घूस में मांगी गई रकम का हिस्सा प्राप्त किया। इसी तरह गुवाहाटी स्थित प्रभु अग्रवाल कंस्ट्रक्शंस के महेश अग्रवाल से भी रकम का हिस्सा प्राप्त किया। करीब 50 लाख रुपये आरोपी से जुड़ी कंपनियों और व्यक्तियों के जरिये पहुंचाए गए। पहला मामला कोलकाता विकास प्राधिकरण के न्यू टाउन परियोजना निर्माण के लिए पटेल से घूस लेने का है। जबकि दूसरा मामला एक अन्य आरोपी अग्रवाल से त्रिपुरा के उदयपुर स्थित ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी में

निर्मल गंगा के लिए दो हजार करोड़ से ज्यादा की मंजूरी

निर्माण कार्य के लिए घूस लेने का है।

नई दिल्ली: गंगा की सफाई के लिए राष्ट्रीय मिशन (एनएमसीजी) ने 2,154.28 करोड़ रुपये की 26 परियोजनाओं को मंजुरी दी है। केंद्र सरकार के 'नमामि गंगे' कार्यक्रम के तहत नदी पर प्रदूषण का बोझ कम करने के लिए यह मंजूरी दी गई है। परियोजना के अंतर्गत एनएमसीजी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करेगा । इसके साथ ही चार राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और दिल्ली में सीवेज नेटवर्क विकसित करेगा। राज्यों में 13 नए एएसटीपी स्थपित कर रोजाना 18.8 करोड़ लीटर (एमएलडी) सीवेज टीटमेंट क्षमता विकसित की जाएगी। एनएमसीजी दिल्ली हरिद्वार और वृंदावन में 596 एमएलडी क्षमता के तीन एसटीपी की क्षमता बहाल करेगा। उत्तराखंड में 30 एमएलडी क्षमता के पांच एसटीपी को उन्नत किया जाएगा। इसके अलावा प्राधिकार ने दिल्ली, हरिद्वार और बिहार राज्य के पटना में पांच परियोजना के जरिये 145.05 किलोमीटर का सीवेज नेटवर्क तैयार करने का फैसला लिया है।

सफलता 🕨 संसद में जीएसटी, शत्रु संपत्ति समेत छह से अधिक बिलों पर मुहर

बजट सत्र के दूसरे हिस्से में सरकार की बहार

राज्यसभा में जीएसटी विधेयक पर संशोधन नहीं आना रही बडी कामयाबी

संजय मिश्र, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनावी नतीजों की छाया में जारी संसद के बजट सत्र एनडीए सरकार के लिए सियासी बहार साबित हुआ है। देश में कर ढांचे के नये युग की शुरुआत के लिए ऐतिहासिक जीएसटी विधेयकों के अलावा लंबे अरसे से लटके आधा दर्जन से अधिक अहम बिलों पर सरकार संसद की मुहर लगवाने में कामयाब रही है। इसमें शत्रु संपत्ति कानून में बदलाव से लेकर निजी क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं को 26 हफ्ते का मातृत्व अवकाश बिल खास मायने रखते हैं।

अब इसे विपक्ष के झुके सियासी कंधे का

नतीजा माना जाए या फिर चुनावी सफलता के रथ पर सवार सरकार का आत्मविश्वास राज्यसभा में जीएसटी से जुड़े चारों विधेयकों में किसी तरह का संशोधन पारित नहीं होना एनडीए की बडी राजनीतिक कामयाबी रही। इन जीएसटी बिलों को सरकार भले मनी बिल के रूप में लेकर आयी थी ताकि राज्यसभा में संशोधन पारित भी हो जाए तो दोबारा लोकसभा में लाकर उसे खारिज किया जा सके। विपक्ष ने पहले संशोधन पारित करने की योजना भी बनाई लेकिन चुनावी नतीजों के बाद सियासी बेहाली का सामना कर रहे विपक्षी नेताओं ने अपने कदम पीछे खींच लिए। जीएसटी पर राज्यसभा की मृहर इस लिहाज से भी मायने रखती है कि इससे पहले



वित्त विधेयक पर विपक्ष ने पांच संशोधन सदन में पारित कर सरकार को असहज करने की कोशिश की तो सरकार ने लोकसभा में मनी बिल में इन संशोधनों को ले जाकर खारिज करा दिया।

राज्यसभा में बहुमत न होने के बावजूद सरकार ने सालों से विवाद में रहे शत्रु संपत्ति कानून में संशोधन का विधेयक दोनों सदनों से पारित कराया। जबकि यह विधेयक यूपीए शासन के समय से ही लंबित था और सरकार को बार-

समेत कई अहम बिल पारित हुए हैं और यह बेहद संतोषजनक है। निसंदेह संसद में विधायी कार्यों को रफ्तार देने में सरकार सफल रही है।' -मुख्तार अब्बास नकवी, संसदीय कार्य

संसदीय कार्य राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी भी जीएसटी के बाद शत्रु संपत्ति को इस सत्र की सरकार की अहम कामयाबी मानते हैं।

बजट सत्र खत्म होने में अब केवल तीन दिन रह गए हैं और बीते एक महीने के दौरान इन विधेयकों के अलावा मानसिक अवसाद के शिकार लोगों की देखभाल से संबंधित बिल, आइआइएम को स्वायत्तता देने संबंधी बिल. समुद्री सीमा विवाद निपटारा सरीखे बिल सरकार ने बिना किसी दिक्कत के पारित करा लिए।

का ही असर रहा कि बीते महीने भर में ईवीएम में कथित गड़बड़ी के मामले के अलावा विपक्ष ने अपने उन राजनीतिक मुद्दों को भी उठाने से परहेज किया है जिसे सत्र के शुरुआत में उठाने की तैयारी थी। इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय में अभिव्यक्ति की आजादी का विवाद, जम्मू-कश्मीर में जारी हिंसा का दौर, लोकपाल की नियक्ति में देरी, किसानों की बदहाली, महंगाई सरीखे मददे विपक्ष के सियासी एजेंडे में था मगर इनमें किसी पर भी चर्चा के लिए अब तक जोर

सत्र के बाकी बचे तीन दिन में भी सरकार राष्ट्रीय पिछडा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देने संबंधी बिल पारित कराने की कोशिश करेगी। लोकसभा में सरकार यह बिल पेश कर

अंतरराज्यीय परिषद की बैठक आज, राज्यपालों की भूमिका पर होगी चर्चा नई दिल्ली, आइएएनएस : केंद्रीय गृह मंत्री

राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रविवार को होने वाली अंतरराज्यीय परिषद की बैठक में राज्यपालों की भूमिका, केंद्र प्रायोजित योजनाओं और केंद्र से राज्यों को दी जाने वाली वित्तीय मदद आदि मुद्दों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। परिषद की स्थायी समिति की 11वीं बैठक में केंद्र-राज्य संबंधों पर पंछी आयोग की सिफारिशें पेश की जाएंगी और उन पर चर्चा होगी। इस बैठक का महत्व इसलिए भी है क्योंकि स्थायी समिति की बैठक 12 साल के बाद हो रही है। बैठक में एकीकृत कृषि बाजार, सेवाओं की योजना बनाने और उनके कार्यान्वयन में राज्यों की भूमिका बढ़ाने अंतरराज्यीय परिषद को और जीवंत बनाने और केंद्र व राज्यों की ओर से राजकोषीय प्रबंधन को बेहतर बनाने के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

भारत-बांग्लादेश के बीच 22 समझौते

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच शनिवार को दिनभर द्विपक्षीय बैठक और मंत्रिस्तरीय बैठकों का सार है कि रिश्तों के अच्छे दिन की अभी शुरुआत भर हुई है। दोनों प्रधानमंत्रियों की मौजूदगी में परमाणु ऊर्जा तक के क्षेत्र में 22 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों को मोदी ने यह कह कर नया आयाम दे डाला कि वे भारत के साथ ही बांग्लादेश के विकास के भी सपने देखते हैं।

वैसे शेख हसीना सरकार की बहुत चाहत के बावजूद तीस्ता जल बंटवारे पर समझौता नहीं हो सका। लेकिन, मोदी ने यह वादा जरूर किया कि इस मुद्दे पर जल्द-से-जल्द वह सहमति बनाने की कोशिश करेंगे। शेख हसीना चाहेंगी कि इस पर मोदी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को तैयार कर लें, क्योंकि बांग्लादेश में अगले वर्ष चुनाव है और यह मुद्दा वहां राजनीतिक रंग ले सकता है। लेकिन हसीना के लिए अपने यहां बताने के लिए यह जरूर होगा कि भारत से उन्हें एकमुश्त पांच अरब डॉलर की वित्तीय मदद मिली है। इनमें से 4.5 अरब डॉलर भारत बांग्लादेश में विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने में देगा। 50 करोड़ डॉलर की मदद भारत से जरूरी रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए दी जाएगी। इससे पिछले तीन वर्षों में नई दिल्ली की तरफ से ढाका को दिए जाने वाले आर्थिक मदद का आकार आठ अरब डॉलर का हो जाएगा।लेकिन, यह सुनिश्चित करेगा कि ढाका नई दिल्ली का का एक अहम रक्षा सहयोगी और बाजार बने। 22 में से तीन समझौते परमाणु क्षेत्र से जुड़े हुए हैं, जो बताता है कि दोनों देश किस तरह से रिश्तों को नई राह दे रहे हैं। इससे आने वाले दिनों में भारत बांग्लादेश में परमाणु ऊर्जा संयंत्र लगाने में भी मदद करेगा। यह पहली बार है कि भारत परमाणु तकनीक का निर्यात करने की कोशिश कर रहा है। शेख हसीना ने भारत को पूरा आश्वासन दिया है कि उनके देश का इस्तेमाल अब भारत विरोधी के लिए नहीं होगा। उन्होंने कहा भी कि आतंकवाद पर उनकी सरकार की जीरो-टोलरेंस की नीति जारी रहेगी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर शांति व सुरक्षा बनाये रखने के लिए वह हर मुमिकन कोशिश करेंगी। मोदी ने भी हसीना सरकार की तरफ से आतंकवाद के खिलाफ की जा रही कार्रवाइयों को हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत बताया। दोनों देशों के बीच आतंकवाद के खिलाफ एक-दूसरे की मदद करने को लेकर भी एक समझौता हुआ है।



नई दिल्ली में शनिवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और विदेश मंत्री सुषमा स्वराज हैदराबाद हाउस में बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल के साथ एक बैठक में शामिल हुई । इस दौरान सुषमा स्वराज के साथ ममता बनर्जी।

कोलकाता-खुलना के बीच शुरू

कोलकाता: भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय

संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में

शनिवार को कोलकाता-खुलना-ढाका बस

सेवा का शुभारंभ किया गया।इससे पश्चिम

बंगाल व बांग्लादेश के लोग और करीब आ

गए हैं। यहां से उस पार और वहां से इस पार

दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस से दोनों देशों के

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व शेख हसीना के साथ-

माध्यम से 409 किलोमीटर लंबी कोलकाता-

खुलना-ढाका बस सेवा का शुभारंभ किया।

साथ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी ने संयक्त रूप से वीडियो लिंक के

आना और सहज हो गया है। शनिवार को

हुई बस सेवा

अहम समझौते

करोड डॉलर का कर्ज

- पांच साल का रक्षा सहयोग फ्रेमवर्क बना रक्षा उपकरणों की खरीद के लिए 50
- बांग्लादेश में परियोजनाओं के लिए 4.5
- अरब डॉलर की मदद बांग्लादेश के सैनिकों को मिलेगा भारत में
- बेहतर प्रशिक्षण बांग्लादेश में परमाणु ऊर्जा प्लांट लगाने में
- सड़क, रेल व जल मार्ग से और तेजी से जुड़ेंगे दोनों देश

हसीना का भव्य स्वागत

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को राष्ट्रपति भवन में ठहराया गया है

- मोदी ने किया शेख मुजीबुर्रहमान पर लिखी पुस्तक के हिंदी अनुवाद का
- कोलकाता और खुलना के बीच बस व ट्रेन संबंध बहाल
- पांच अरब डॉलर की वित्तीय मदद देने का
- तीस्ता जल बंटवारे संधि पर जल्द अंतिम फैसले का आश्वासन

पर सुषमा को अफसोस विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अमेरिका में भारतीय

अमेरिका में विक्रम की हत्या

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

नागरिक की हत्या पर गहरा अफसोस जाहिर करते हुए भारतीय दुतावास को पीड़ित के परिवार को हरसंभव मदद देने का निर्देश दिया है। सुषमा ने दतावास के अधिकारियों को भारतीय यवक विक्रम जरयाल का पार्थिव शरीर स्वदेश वापस लाने के लिए भी सभी सहायता करने को कहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वारदात स्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे की रिपोर्ट मिल गई है। वहीं विदेश मंत्री ने दिल्ली में जर्मन नागरिक पर हमले और लुट की घटना पर भी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही दिल्ली सरकार से घायल जर्मन नागरिक की बेहतर से बेहतर इलाज का प्रबंधन करने को कहा है।

विदेश मंत्री स्वराज ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में 26 वर्षीय विक्रम जरयाल की दो नकाबपोश लोगों के हत्या करने पर अपनी संवेदना जतायी। साथ ही सुषमा ने ट्वीट कर यह बताया कि हत्या को लेकर अमेरिकी जांच एजेंसियों से शुरुआती रिपोर्ट सरकार को मिली है जिसके अनुसार विक्रम की 6 अप्रैल की रात 1.50 बजे गैस स्टेशन पर गोली मार कर हत्या कर दी गई जिस पर वे काम कर रहे थे। विक्रम 25 दिन पहले ही अमेरिका गए थे और अपने परिचित के गैस स्टेशन एएम-पीएम पर नौकरी शुरू की थी। पंजाब के होशियारपुर के रहने वाले



विक्रम जरयाल के शव को स्वदेश भेजने में मदद का निर्देश

विक्रम की हत्या के बारे में विदेश मंत्री ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के अनुसार दो नकाबपोश लोगों ने गैस स्टेशन पर विक्रम से नगदी लूटी और इसी क्रम में उन पर गोली चला दी। अमेरिकी जांच एजेंसियां हत्या के दूसरे पहलुओं की भी पड़ताल कर रही हैं।

विक्रम के परिजनों ने शुक्रवार को विदेश मंत्री से संपर्क कर उसके शव को भारत लाने में मदद करने की अपील की थी। इसके बाद सुषमा ने भारतीय दुतावास के अधिकारियों को तत्काल पीड़ित परिवार की हर संभव सहायता करने को कहा। दिल्ली में जर्मन नागरिक के साथ लूटपाट और उस पर हमले की घटना पर भी सुषमा ने फौरी प्रतिक्रिया दिखाई। दिल्ली सरका को जर्मन नागरिक के इलाज का जिम्मा उठाने के साथ उन्होंने दिल्ली पुलिस से इस घटना की पूरी रिपोर्ट मांगी है।

तरुण विजय पर बरसे पी चिदंबरम

नई दिल्ली, प्रेट्र : वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त व गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने शनिवार को भाजपा नेता तरुण विजय पर दक्षिण भारतीयों के लिए की गई उनकी टिप्पणी को लेकर प्रहार किया। तरुण विजय ने कहा था, 'अगर हम नस्लवादी होते, तो पूरा दक्षिण हमारा क्यों होता।' चिदंबरम ने पछा. क्या भाजपा और राष्टीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य ही देश में रहने वाले अकेले भारतीय हैं। पी. चिदंबरम ने टिवटर पर लिखा, 'जब तरुण विजय कहते हैं कि हम काले लोगों के साथ रहते हैं तो 'हम' कौन है? क्या वह भाजपा या आरएसएस सदस्यों को ही भारतीय कह रहे हैं।' चिदंबरम मूल रूप से तमिलनाडु के रहने वाले हैं। दूसरी तरफ, तमिलनाडु के ही राजनीतिक दल द्रमुक ने तरुण विजय के बयान को हास्यास्पद करार दिया है। द्रमुक सांसद टीकेएस ईलेनगोवन ने कहा कि दक्षिण भारत के सभी लोग काले नहीं होते। इस संदर्भ में उन्होंने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत जे. जयललिता का उदाहरण भी दिया।

क्या कहा था तरुण विजय ने : अलजजीरा चैनल पर एक कार्यक्रम में अफ्रीकी छात्रों पर हमलों के बाद भारत पर नस्लवादी होने के आरोपों का बचाव करते हुए तरुण विजय ने कहा था, 'हमारे यहां काले हैं, सभी तरफ काले लोग हैं। अगर हम नस्लवादी होते, तो पूरा दक्षिण हमारा क्यों होता।' 'पाञ्चजन्य' के पूर्व संपादक तरुण विजय का दावा था कि अफ्रीकी पूर्वजों वाले लोग महाराष्ट्र और गुजरात में मिल-जुलकर रहते हैं। उन्होंने भगवान कृष्ण का जिक्र करते हुए कहा था कि भारतीय काले भगवान की आराधना भी करते हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर आलोचना के बाद उन्होंने तुरंत ट्वटर के जरिये लोगों से माफी भी मांग ली थी।

निजी कंपनियों ने भी सांसद गायकवाड़ से प्रतिबंध हटाया

मुंबई, प्रेट्ट : देश में विमान सेवा देने वाली निजी क्षेत्र की चार बड़ी कंपनियों के संगठन द फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (एफआइए) ने भी शनिवार को शिवसेना सांसद खींद्र गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटा लिया। जेट एयखेज, स्पाइसजेट, गोएयर और इंडिगो की तरफ से यह फैसला एयर इंडिया के गायकवाड़ पर से प्रतिबंध हटाने के निर्णय के एक दिन बाद आया है। केंद्र सरकार ने कहा है कि विमान कर्मियों से दुर्व्यवहार करने वाले यात्रियों के खिलाफ कार्रवाई के नियम कड़े किये जाएंगे इस बीच राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली से मुंबई पहुंचे गायकवाड़ ने अपनी पार्टी के प्रमुख उद्धव ठाकरे से पार्टी कार्यालय में मुलाकात की और पूरा मामला बताया।

एफआइए की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि लोकसभा सदस्य गायकवाड़ ने यात्रा के दौरान हमारी संपत्ति और हमारे कर्मियों के साथ उचित व्यवहार करने का आश्वासन दिया है इसके बाद हमने उनकी विमान यात्रा की सुविधा बहाल करने का फैसला किया है। यह फैसला एयर इंडिया के फैसले के एक दिन बाद आया है जिसमें उसने गायकवाड़ की यात्रा सुविधा बहाल करने का निर्णय लिया था। सार्वजनिक क्षेत्र की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया गायकवाड़ द्वार लोकसभा में दिये गए बयान से संतुष्ट है। बयान में गायकवाड़ ने यात्रा के दौरान दिल्ली एयरपोर्ट पर एयर इंडिया के कर्मचारी आर सुकुमार के साथ मारपीट पर खेद जताया था।

मारपीट की घटना के बाद एयर इंडिया ने 24 मार्च को सांसद गायकवाड़ की विमान यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया था।

माधव जोशी

कोलकाता में शनिवार को पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मंत्रियों ने बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल के साथ

भारत-बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए बेनापोल-पेट्रापोल के रास्ते नई ट्रेन खुलना-कोलकाता मैत्री एक्सप्रेस-2 का शनिवार को शुभारंभ किया गया. जिसका टायल रन सफल रहा। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को खाना किया। ट्रेन से बांग्लादेश सरकार का 36 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल कोलकाता पहुंचा, जहां उनका पूर्व रेलवे प्रशासन ने जोरदार स्वागत किया।

कोलकाता–खलना–ढाका बस सेवा को हरी झंडी दिखाई।

रविवार को बांग्लादेशी प्रतिनिधिमंडल

संचालन होता था, लेकिन 1965 में उक्त रूट पर ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया था। 1971 में बांग्लादेश की आजादी के 30 वर्षों बाद जनवरी, 2001 में भारत-बांग्लादेश रेल कॉरीडोर को पुनः खोलकर मालवाहक ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया, जो आज भी नियमित रूप से जारी है। उधर कोलकाता-ढाका कैंट के बीच करीब आठ वर्षों तक मैत्री के सफलतापूर्वक संचालन के बाद एक वर्ष पूर्व मोदी सरकार ने बांग्लादेश सरकार से वार्ता कर पेट्रापोल-बेनापोल के रास्ते खुलना-कोलकाता के बीच पुनः यात्री ट्रेन चलाने की योजना बनाई थी।शनिवार दोपहर करीब 12.30 बजे दिल्ली से मोदी और हसीना ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाकर खुलना से मैत्री

एक्सप्रेस-2 के ट्रायल रन का उद्घाटन किया।

नहीं भाई ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति

दलाई लामा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अमेरिका

फर्स्ट' नीति के प्रति असंतुष्टि जाहिर की है। उन्होंने

कहा कि स्वतंत्र सोच को प्रोत्साहन देने वाले देश में

इस तरह की नीति को अमल में लाना मुनासिब नहीं है।

धार्मिक नेता ने यूरोपीय संघ द्वारा सामाजिक समरसता

संरक्षणवाद की नीति से दूर रहने के कदम की सराहना

की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में स्थायित्व के लिए भारत,

चीन और पाकिस्तान भी इसी तर्ज पर आर्थिक और

सांस्कृतिक सहयोग बढ़ा सकते हैं।

को अपनाने और अमेरिका की प्रवासी विरोधी एवं

नई दिल्ली में शनिवार को 1971 के युद्ध के भारतीय जांबाजों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना।

खुलना से कोलकाता पहुंची मैत्री एक्सप्रेस-2 और जेसर तक नियमित रूप से यात्री ट्रेनों का

जागरण संवाददाता, पेट्रापोल

अपने देश लौट जाएगा। गौरतलब है कि 1947 में पूर्वी पाकिस्तान के गठन से पहले पेट्रापोल-बेनापोल मार्ग के जरिए सियालदह से खुलना



कह के रहेंगे

निंदा

दलाई लामा ने कहा, चीन द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा का प्रयास बेतुका दलाई लामा की परंपरा जारी रहेगी या नहीं इसका फैसला तिब्बत के



अरुणाचल यात्रा को लेकर गलत सूचना फैला रहा चीन तवांग, प्रेट्ट : तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा

ने अपनी अरुणाचल प्रदेश यात्रा को लेकर चीन पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित करने के प्रयास के लिए चीन की निंदा की है।

उन्होंने कहा कि मेरे बारे में चीन के लोगों को गलत जानकारी दी जा रही है। अन्य देशों में चीन के लोगों से मुलाकात के दौरान यह पता चला। यह पूछे जाने पर कि उनकी तवांग यात्रा से क्या भारत-चीन संबंधों पर असर पड़ेगा, दलाई लामा ने कहा कि हमें अभी इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, 'मेरी आध्यात्मिक यात्राओं को राजनीतिक रंग देना चीन के लिए आम बात है। दलाई लामा ने शनिवार को तवांग के बौद्ध मठ में श्रद्धालुओं को संबोधित करने के बाद ये बातें कहीं। भाजपा नेतृत्व वाली राजग सरकार की चीन नीति के बारे में उन्होंने कहा कि यह कमोबेश नरसिम्हा राव के दिनों की कांग्रेस सरकार की नीति जैसी ही है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करता हूं। वह सक्रिय हैं और विकास चाहते हैं। दलाई लामा ने कहा कि चीन द्वारा उनके उत्तराधिकारी के नाम की घोषणा का प्रयास बेतुका है। उन्होंने कहा कि 1969 की शुरुआत में मैंने कहा



अरुणाचल प्रदेश के तवांग में शनिवार को आध्यात्मिक संबोधन के अवसर पर अनुयायियों का अभिवादन स्वीकार करते तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ।

था कि दलाई लामा की परंपरा जारी रहेगी या नहीं इसका फैसला तिब्बत के लोग करेंगे। अगर यह परंपरा प्रासंगिक नहीं रही तो इसे रोक देना चाहिए। कोई नहीं जानता कि अगला दलाई लामा कौन होगा और उसका जन्म कहां होगा। हालांकि उन्होंने किसी महिला के दलाई लामा बनने की संभावना से इन्कार

खांडू ने शांति दूत बताया : अरुणाचल

प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने पश्चिम कामेंग जिले के तवांग में दलाई लामा स्वागत किया। उन्होंने दलाई लामा को विश्व शांति का दूत बताया। उन्होंने कहा कि दलाई लामा हमेशा से अहिंसा के दूत रहे

हैं। जिस तरह 20वीं सदी गांधी जी की थी उसी तरह 21वीं सदी दलाई लामा की है। दलाई लामा को भारत रत्न के लिए अभियान : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) ने दलाई लामा के लिए भारत रत्न की मांग को लेकर अभियान शुरू किया है। जिले के आरएसएस नेता ल्हुनडुप चोसांग ने कहा कि हमने इस संबंध में अब तक 5,000 लोगों के हस्ताक्षर इकट्ठा किए हैं। 25,000 हस्ताक्षर होने पर हम इसे अपनी मांग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंपेंगे। इसके लिए ऑनलाइन अभियान भी चलाया

न्यूज गैलरी

लखनऊ में जुटे अलग राज्यों के पक्षधर

लखनऊः प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद बुंदेलखंड और पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने के लिए आंदोलन चला रहे नेताओं का हौसला बढ़ा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ तक अपनी बात पहुंचाने के लिए उन्होंने राजधानी में डेरा डाल दिया है। यह लोग बोडोलैंड और विदर्भ को अलग राज्य का दर्जा दिए जाने के समर्थक भी हैं। अलग राज्य के समर्थकों ने अपने संयुक्त संगठन नेशनल फेडरेशन फॉर न्यू स्टेट्स के बैनर तले शनिवार को कहा कि हम चाहते हैं कि छोटे राज्यों के बारे में केंद्र और राज्य सरकार की पॉलिसी पर एक बार फिर चर्चा हो।फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष राजा बुंदेला ने कहा कि हम सरकार को चुनौती नहीं देने जा रहे। पिछली सरकार में तो हम अपनी बात रख भी नहीं सके थे, लेकिन अब केंद्र, मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश तीनों जगह भाजपा की सरकार है। इसलिए हम सरकार से अपनी बात कहने आए हैं। पूर्वांचल को अलग राज्य बनाने की पैरोकारी में जुटे पंकज जायसवाल ने कहा कि हम बातचीत के रास्ते खोलना चाहते हैं अब तक यहां जो सरकार बनी उसे कर्सी पूरब से मिली, लेकिन उसका मुंह पश्चिम की ओर रहा। पूर्वांचल की ओर उसकी पीठ ही रही। योगी जी पूर्वांचल के विकास के लिए संघर्ष करते रहे हैं, इसलिए अब उनसे उम्मीदें बढ़ी हैं। फेडरेशन के अध्यक्ष एसएस अने, सचिव मुनीष तमांग, संयुक्त सचिव प्रमोद बोरो व अन्य पदाधिकारियों की ओर से शनिवार को 'न्यू स्टेट फॉर न्यू इंडिया' मूवमेंट लांच किया गया।यह मूवमेंट नवभारत के निर्माण के लिए नए राज्यों की स्थापना पर अध्ययन कर रिपोर्ट

2019 में अलग पार्टी बना लड सकता हुं चुनाव : सैनी

सोनीपत: हरियाणा के कुरुक्षेत्र से भाजपा सांसद राजकुमार सैनी ने कहा कि यदि जनता ने चाहा तो वर्ष 2019 का विधानसभा चुनाव वह अलग पार्टी बनाकर लड़ सकते हैं। लोगों की इच्छा हुई तो वे मुख्यमंत्री पद की भी दावेदारी करेंगे। शनिवार को ककरोई रोड पर लोकतंत्र सुरक्षा मंच के बैनर तले आयोजित महिल सम्मान समारोह में शिरकत करने पहुंचे सैनी ने अपने समर्थकों से भी 2019 के विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाने को कहा। समारोह के दौरान विरोधी तेवर अपनाने के बारे में पूछने पर सांसद सैनी ने कहा कि जब दूसरों के हक का हनन होता है तो विरोध स्वभाविक है। अगर जनता चाहेगी तो वे मुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं। हालांकि सफाई में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री महज एक पद है। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता

बीमारों की सेवा ईश्वर की पूजा : कोविद

मथरा : बिहार के राज्यपाल रामनाथ कोविद ने यहां कहा कि चिकित्सक और नर्स बीमार को भगवान समझकर सेवा करें। इससे बडी कोई पुजा उनके लिए नहीं होगी। शनिवार को राम-कृष्ण मिशन सेवाश्रम (अस्पताल) में हृदय रोगियों की सुविधा के लिए स्थापित कैथलैब का लोकार्पण करने के दौरान राज्यपाल कोविद ने कह कि कभी-कभी ऐसा लगता है कि अगर एनजीओ नहीं होते, तो गरीब-असहायों को ठीक तरह इलाज नहीं मिल पाता। राम-कृष्ण मिशन जैसे एनजीओ की मदद से ही देशभर में गरीब और निराश्रित लोगों को सुविधा मुहैया करवाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शहरों में गली-गली खल रहे नर्सिंग होम में लोगों की जेब से पैसा निकाला जा रहा है, मगर इस संस्था में करीब 75 फीसदी रोगियों का इलाज निश्शुल्क किया जा रहा है।

तारिक फतह को देश से निकालने की मांग

कोलकाता : टीपू सुल्तान मस्जिद के शाही इमाम सैयद मोहम्मद नुरूर रहमान बरकती ने पाकिस्तानी मूल के लेखक व विचारक तारिक फतह के देश निकाले की मांग की है। बरकती ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फतह ने हमारे नबी के बारे में गलत टिप्पणी की है, जिस कारण हमने उन्हें देश से निकालने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 21 अप्रैल को कोलकाता के रानी रासमणि रोड में विशाल धार्मिक जनसभा आयोजित की जाएगी।इमाम बरकती ने एक निजी टेलीविजन के लाइव शो में फतह का गला काटने की धमकी दी थी।

वंदे मातरम् पर संकीर्णता से ऊपर उठें : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि एक तरफ हम 21वीं सदी में बढ़ रहे हैं तो दूसरी ओर कुछ लोग इस विवाद में उलझे हैं कि वे राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' गाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि यदि हमें तरक्की के पथ पर आगे बढ़ना है तो वंदे मातरम् को लेकर इस संकीर्णता से उबरना होगा। वह राजभवन में राज्यपाल राम नाईक के विधिक परामर्शदाता एसएस उपाध्याय द्वारा अंग्रेजी में लिखी गई पुस्तक 'द गवर्नर्स गाइड' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने उदाहरण दिया कि कानून का राज स्थापित करने वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के 150वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह का शुभारंभ भी राष्ट्रगीत वंदे मातरम् से ही हुआ था। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के लिए विधिक परामर्शदाताओं की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कभी-कभी उनकी एक चूक अर्थ का अनर्थ कर देती है और हम लोगों को विवाद का सामना करना पड़ता है।

पहल 🕨 मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से मुलाकात के बाद केंद्रीय अल्पसंख्यक राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास का दावा उप्र के मदरसों में 'थ्री-टी' सुविधा जल्द



लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करते केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी

राम मंदिर के लिए फांसी पर

भी लटकने को तैयार : उमा

प्रदेश के 15 हजार मदरसों में टीचर्स, टिफिन, टायलेट यानी थ्री-टी सुविधा होगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने प्रदेश के 15 हजार मदरसों को 'थ्री-टी' (टीचर्स, टिफिन, टायलेट) सुविधा से लैस करने का दावा किया, मगर गुजरे तीन साल में केंद्र से जारी राशि खर्च करने के तरीके की जांच से कन्नी काट गए। कहा कि औकाफ को 'वक्फ माफिया' के कब्जे से मुक्त कराना है, मगर जिन पर वक्फ लोगों पर वक्फ संपत्ति खुर्द-बुर्द कराने का आरोप है, उनके विरुद्ध जांच के सवाल को टालते हुए कहा कि ईमानदार छेड़े नहीं जाएंगे, भ्रष्टाचारी छोड़े नहीं जाएंगे।

शनिवार की सुबह मुख्यमंत्री योगी

केंद्रीय जल संसाधन मंत्री उमा भारती ने कहा

कि राम मंदिर आस्था का मुद्दा है। फिलहाल

यह मसला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और

शीर्ष अदालत ने दोनों पक्षों को आपस में सुलह

के जरिये इसे तय करने के लिए कहा है। राम

मंदिर के लिए यदि उन्हें जेल जाना पड़े या फांसी

पर लटकना पड़े तो वह भी उन्हें सहर्ष स्वीकार है।

उन्होंने कहा कि तीन तलाक का मुद्दा महिलाओं

गंगा को प्रदूषण से निजात दिलाने के लिए

राज्य सरकार कानपुर और कन्नौज की चमडा

उद्योग इकाइयों को चरणबद्ध तरीके से अन्यत्र

स्थानांतरित करेगी। नमामि गंगे परियोजना को धार देने व प्रदेश में सिंचाई व्यवस्था में सुधार

पर चर्चा के लिए शनिवार को बातचीत करने

आयीं उमा भारती व उनकी टीम से मुलाकात

के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें

और समाज के खिलाफ है।

शैक्षिक विकास पर 45 मिनट की चर्चा के बाद मंत्री मुख्तार अब्बास ने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ केंद्र सरकार की योजनाओं की समीक्षा की। शाम को पत्रकार वार्ता में कहा कि अधिकारियों ने बताया है कि पांचे साल में पहली बार अल्पसंख्यक कल्याण की योजनाओं पर कोई चर्चा हुई है। इसी बात को ढाल बनाकर पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी की सरकार पर निशाना साधा कहा कि केंद्र सरकार ने तीन साल में अल्पसंख्यकों के विकास के लिए

15 हजार करोड़ रुपये भेजे जो कागजों में खर्च

हो गये। अब स्थलीय निरीक्षण से इसकी सच्चाई

मदरसों में थ्री-टी सुविधा : नकवी ने कहा कि प्रदेश में 15 हजार मदरसे ऐसे हैं, जहां दीनी तालीम के साथ आधुनिक शिक्षा भी दी जा रही है। इन मदरसों में टीचर, टिफिन और टायलेट की सुविधा दी जाएगी। प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। प्रस्ताव मिलते ही धन आवंटित कर दिया जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश के 20

बंदेलखंड में तालाबों को जोड़ें :

उमा भारती ने मुख्यमंत्री को सुझाव दिया कि

बुंदेलखंड में चंदेलों और बुंदेलों के समय में

बनाये गए तालाबों को आपस में जोड़ने से वहां

पानी की समस्या से निजात पाने में मदद मिलेगी।

देगा 15 हजार करोड़ : मुख्यमंत्री से

मुलाकात के बाद मीडिया से मुखातिब उमा

भारती ने बताया कि केंद्र सरकार उत्तर प्रदेश में

सिंचाई व्यवस्था सुधारने और नदियों की सफाई

के लिए 15 हजार करोड़ रुपये देने को तैयार है।

केंद्र सरकार मई तक उप्र को 7000 करोड़ रुपये

पहले तय हो बुंदेलखंड का भूगोल

: अलग बुंदेलखंड राज्य के सवाल परे उमा

भारती ने कहा यह प्रस्ताव राज्य पुनर्गठन आयोग

के सामने आएगा। चूंकि मध्य प्रदेश के लोग

पृथक बुंदेलखंड नहीं चाहते हैं, इसलिए पहले

बुंदेलखंड का भूगोल तय होना चाहिए। उन्होंने

कहा कि केंद्र सरकार छोटे राज्यों की पक्षधर है।

की धनराशि जारी कर देगी।

सिंचाई व्यवस्था सुधारने को केंद्र

जिलों में कौशल विकास केंद्र खोले जाएंगे। जहां लोगों का हुनर निखारा जाएगा। मोटर ड्राइविंग स्कूल, हाउस कीपिंग व हथकरघा का प्रशिक्षण

बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति : मंत्री ने बताया केंद्र सरकार अल्पसंख्यक लड़िकयों की शिक्षा के लिए बेगम हजरत महल छात्रवृत्ति

ताकि लड़कियां बेहतर तालीम हासिल कर सकें। बताया कि मुस्लिम महिलाओं के लिए नई रोशनी योजना शुरू की गई है। मंडल स्तर पर इसके केंद्र खोले जाएंगे।

वक्फ की जांच पर गोलमोल जवाब : सेंट्रल वक्फ काउंसिल के सदस्य की रिपोर्ट में शिया व सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैनों पर भ्रष्टाचार, वक्फ संपत्ति खुर्द-बुर्द करने की सीबीआइ जांच की संस्तुति के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट का अध्ययन हो रहा है। ईमानदार को छेड़ा नहीं जाएगा और भ्रष्टाचारी को छोड़ा नहीं जाएगा।

लालू के खिलाफ ईडी, आयंकर से जांच की मांग करेंगे मोदी

राज्य ब्यूरो, पटना: भाजपा विधानमंडल दल के नेता व पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने शनिवार को फिर लालू प्रसाद कुनबे के खिलाफ मिट्टी और मॉल घोटाले को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद, उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव के खिलाफ वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर और रेल मंत्रालय से पूरे मामले में जांच की अपील करेंगे। मोदी शनिवार को राष्ट्रीय कुशवाहा परिषद की ओर से विद्यापित भवन में आयोजित सम्राट अशोक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लालू स्वीकार करें कि मॉल उनका है या नहीं।

लालू ने कहा, आरोप लगाने वालों की बोलती बंद कर दूंगा: सुशील कुमार मोदी द्वारा लगाए गए आरोपों पर राजद प्रमुख लाल् ने शनिवार को पहली बार मुंह खोला। उन्होंने कहा कि गलत-सलत आरोप लगाने वालों की बोलती बंद कर दी जाएगी। हालांकि राजद प्रमुख ने सुशील मोदी का नाम नहीं लिया।

सस्ते भोजन की योजना को योगी सरकार देगी विस्तार

भाजपा शासित मध्य प्रदेश में दिए जा रहे सस्ते भोजन की तर्ज पर योगी सरकार भी कदम बढ़ा सकती है। इसके तहत मजदूरों को उनके कार्य स्थल पर दस रुपये में भोजन उपलब्ध कराने की योजना को विस्तार दिया जा सकता है। संभवः है कि मध्य प्रदेश की तर्ज पर यहां भी पांच रुपये में भोजन व तीन रुपये में नाश्ता उपलब्ध कराया जाए। तमिलनाडु में ऐसी योजना पहले से ही चल रही है।

प्रदेश के श्रम मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का कहना है कि सरकार 'अन्नपूर्णा भोजन' योजना के रूप में नगर निगमों में सस्ते भोजनालय खोलने की दिशा में परीक्षण कर रही है। इसमें खर्च होने वाली राशि के लिए बजट में धन का प्रावधान किया जा

उनका कहना है कि सरकार कम आय वालों, गरीबों, मजदूरों को पांच रुपये खाना खिलाएगी। मौर्य का कहना है कि सरकार चाहती है कि गरीबों, मजदूरों , रिक्शा चालकों, कम पगार पाने वालों को खाली पेट काम न करना पड़े।ध्यान रहे, श्रम विभाग ने मजदूरों को उनके कार्यस्थल पर दस रुपये में भरपेट भोजन की व्यवस्था शुरू की है।

एमपी में गत दिनों शुरू हुई

मध्यप्रदेश (एमपी) की शिवराज सिंह सरकार ने गत दिनों दीनदयाल रसोई योजना शुरू की है। इसमें गरीब जनता को पांच रुपये में खाना मुहैया कराया जा रहा है। योजना मध्य प्रदेश के 49 जिलों में एक साथ शुरू हुई है।भिंड व उमरिया में उपचुनाव की प्रक्रिया के चलते इसे अभी नहीं शुरू किया गया है।

जिसका विस्तार किया जाना है। गत दिनों मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुतिकरण में कुछ मंत्रियों ने तमिलनाडु में लंबे अरसे और मध्य प्रदेश में गत दिनों शुरू हुई योजना का हवाला देकर यहां भी पांच रुपये में भरपेट भोजन की सुविधा देने का जिक्र किया था। श्रम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री व विभागीय मंत्री की मंशा के अनुरूप गाजियाबाद, लखनऊ, कानपुर और गोरखपर में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में योजना शुरू की जा सकती है। पहले चरण में करीब 275 कैंटीन खोलने का विचार है जिस पर 153.59 करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान लगाया गया है।

उत्तर प्रदेश में चीनी मिलों की बिक्री में साजिशों का चक्रव्यूह

हरिशंकर मिश्र, लखनऊ : प्रदेश की 21 चीनी मिलों की बिक्री के घोटाले की जांच का आदेश तत्कालीन नेताओं, अधिकारियो और एक व्यवसायी के गठजोड़ को बेनकाब करेगा। भारत के प्रधान महालेखाकार नियंत्रक (सीएजी) की रिपोर्ट में इस घोटाले का बिंदुवार विवरण दिया गया था। यह रिपोर्ट विधानसभा मे रखी गई थी जिस

पर जमकर हंगामा हुआ था। रिपोर्ट में यह ब्योरा भी था कि एक व्यवसायी को लाभ पहुंचाने के लिए मायावती के शासन में किस तरह साजिशों का

चक्रव्यूह रचा गया। शुक्रवार रात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पूरे घोटाले की जांच मायावती शासन के दौरान 2010 में जुलाई

अक्टूबर और इसके बाद 2011 में जनवरी मार्च तक क्रमशः 10 और 11 चीनी मिलों को बेचा गया। पहले दौर में चीनी मिलों की बिडिंग करने वाली दोनों कंपनियां शराब व्यवसायी पोंर्ट चड्ढा की थीं। दूसरे दौर में बिडिंग करने वार्ल कंपनियां अलग-अलग तो थीं, लेकिन उनके सभी निदेशक एक-दूसरे से जुड़े हुए पाए गए कई निदेशक तो ऐसे थे जो दूसरी कंपनियों मे अंशधारक भी रहे। सीएजी ने माना कि यह सभी कंपनियां पोंटी की ही मिलकियत रहीं। पोंटी चड्डा (अब स्वर्गीय) को लाभ पहुंचाने के लिए इन मिलों को नमक के भाव बेचा गया। यही नहीं यह भी आरोप लगे कि चड्ढा की कंपनियों को वित्तीय बिड पहले ही बता दी गई। इस पर भी काम नही बना तब बिडिंग के मध्य में फेरबदल कर दिया गया। उस समय आबकारी मंत्री नसीमुद्दीन



लखनऊ में शनिवार को सरोजनी नगर स्थित तालाब की साथ–सफाई करतीं केंद्रीय मंत्री उमा भारती साथ में राज्यमंत्री (स्वंतत्रत प्रभार) स्वाती सिंह ।

देहरादून में बूचड़खानों पर चला सरकार का डंडा

जागरण संवाददाता, देहरादून

उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार तड़के पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे बूचड़खानों पर कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर एक साथ की गई कार्रवाई में सात बूचड़खानों का चालान कर कई टन मांस नष्ट किया गया। इनके संचालकों को अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। इसके बाद इनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत एफआइआर व अन्य कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में अवैध रूप से तमाम बूचड़खाने संचालित हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ ही खाद्य विभाग को इनकी लगातार शिकायत मिल रही थी। बावजूद इसके कोई भी विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। हालांकि, पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू हुई तो इसे लेकर उत्तराखंड में भी सुगबुगाहट होने लगी थी। इसी क्रम में शनिवार सुबह करीब चार बजे

देहरादन में अवैध बचडखानों के खिलाए तंत्र सड़क पर उतरा। इस दौरान एडीएम हरबीर सिंह, एसपी सिटी अजय सिंह, सीओ सिटी चंद्र मोहन सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली डीएस रावत, नगर निगम के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. वी. सती व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने इनामुल्ला बिल्डिंग क्षेत्र में चार बूचड़खानों को नोटिस देकर दो लाख का चालान किया।

वहीं, पटेलनगर क्षेत्र में एएसपी लोकेश्वर सिंह और खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनोज थपलियाल के नेतृत्व में दूसरी टीम ने ब्रहमपुरी, लोहिया नगर और मुस्लिम कॉलोनी में छापेमारी की। इस दौरान मुस्लिम कॉलोनी में दो बूचड़खानों का चालान किया गया। एक अन्य टीम ने चुक्खुवाला में एक बूचड़खाने पर

कार्रवाई करते हुए उसका चालान किया। अभिहित अधिकारी अनोज थपलियाल ने बताया कि जिन बूचड़खानों पर कार्रवाई की गई, उनमें से किसी के भी पास न तो खाद्य सुरक्षा विभाग का लाइसेंस मिला और न ही प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एनओसी। बूचड्खानों में सफाई भी संतोषजनक नहीं थी। इन्हें दस्तावेज प्रस्तुत करने को तीन दिन दिए गए हैं।

मतदान से पहले पथराव, हिंसा व गोलीबारी राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

श्रीनगर व अनंतनाग संसदीय सीट के लिए नौ व 12 अप्रैल को होने वाले उपचुनाव में बाधा डालने के लिए अलगाववादी समर्थकों, आतंकियों व पत्थरबाजों ने नापाक हरकतें तेज कर दी हैं। श्रीनगर में मतदान से एक दिन पहले शनिवार को बीरवाह (बड़गाम) में चनाव विरोधियों ने मतदान कर्मियों पर पथराव किया। भीड़ को खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों को लाठियों के अलावा हवाई फायरिंग का भी सहारा लेना पड़ा, जिसके बाद हिंसक झड़पें शुरू हो गईं। उधर दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में भी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की एक चुनावी रैली के दौरान आतंकियों ने गोली चलाई। हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई।

अलगाववादी समर्थकों ने बिजबिहाड़ा में राजस्व मंत्री अब्दुल रहमान वीरी के काफिले पर पथराव किया। आतंकी व अलगाववादी संगठनों ने कश्मीर में चुनाव बहिष्कार का आह्वान कर रखा है। जानकारी के अनुसार सुबह मतदान कर्मियों को लेकर एक बस बीरवाह से गुजर रही थी। बाजार में खड़े युवकों ने बस को देखते ही भारत विरोधी नारेबाजी करते हुए पथराव शुरू कर दिया। बस की खिड़िकयों के शीशे टूट गए। स्थिति को बिगड़ते देख वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों

ने पथराव कर रही भीड़ को खदेड़ने के लिए बल प्रयोग किया, लेकिन भीड़ को बेकाबू होते देख जवानों ने कथित तौर पर हवा में गोली भी चलाई। सुरक्षाबलों ने मतदान कर्मियों को वहां से निकाल लिया, लेकिन पूरे इलाके में हिंसक झड़ पें फैलने के साथ ही हड़ताल हो गई। दोपहर बाद ही स्थिति पर किसी तरह काबू पाया जा सका।

उधर, अच्छाबल (अनंतनाग) के टाउन हाल के पास पीडीपी के एक स्थानीय नेता चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। तभी दूर से आतंकियों ने रैली की तरफ दो से तीन राउंड फायर किए। गोलियों की आवाज से वहां अफरातफरी मच गई। सरक्षाबलों ने परे इलाके को घेर लिया, लेकिन आतंकी नहीं मिले। वहीं अनंतनाग के साथ सटे बिजबिहाडा में पीडीपी के वरिष्ठ नेता और राजस्व मंत्री अब्दल रहमान वीरी को भी चुनाव विरोधी तत्वों का गुस्सा झेलना पडा ।

सूत्रों ने बताया कि राजस्व मंत्री पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठकों और चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए जब मरहामा व कनलवान इलाके से गुजरे तो उनके वाहनों के काफिले पर दोनों ही जगह शरारती तत्वों ने पथराव किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर पथराव कर रही भीड़ को वहां से खदेड़ दिया।

झारखंड के लिट्टीपाड़ा में आज पड़ेंगे वोट



लिट्टीपाड़ा चुनाव के लिए मतदान केंद्रों की ओर रवाना होते सुरक्षाकर्मी।

राज्य ब्यूरो, रांची : झारखंड में पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए रविवार को सबह सात बजे से शाम तीन बजे तक वोट पड़ेंगे। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन ने 272 बूथों पर होनेवाले मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित इस सीट के लिए 1.90 लाख से अधिक मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव मैदान में 10 प्रत्याशी हैं। भाजपा से हेमलाल मुर्मू,

झामुमो से साइमन मरांडी तथा झाविमो से किस्टो सोरेन चुनाव मैदान में हैं।

दक्षिण कांथी विधानसभा उपचनाव के लिए मतदान आज : पश्चिम बंगाल में पूर्व मेदिनीपुर जिला अंतर्गत दक्षिण कांथी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में रविवार को वोट डाले जाएंगे। चुनाव आयोग ने इसके लिए तैयारियां पूरी कर ली हैं। करीब 2.07 लाख मतदाता पांच प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

नया साथी

वाहन चालकों की मदद को लॉच हुआ मोबाइल एप, जीरो प्वाइंट से आगरा तक बनाएदो जोन, टोल फ्री नंबर 18001027777 भी कनेक्ट रहेगा



एक्सप्रेस वे पर हमसफर बनेगा 'हाईवे साथी'

संवाद सूत्र, सुरीर (मथुरा

एक्सप्रेस वे पर आपात स्थिति में भटकने वाले वाहनों के लिए 'हाईवे साथी' मददगार बनेगा। शुक्रवार को लॉच किए गए मोबाइल एप 'हाईवे साथी' वाहन चालकों की मदद करेगा। इससे एक्सप्रेस वे अथॉरिटी को भी अपने नेटवर्क संचालन में काफी सहूलियत होगी। यह एप एंड्रॉयड फोन पर उपलब्ध है। इसे जीपीएस से भी जोड़ा गया है।

आमतौर पर एक्सप्रेस वे पर आपात स्थिति में वाहन चालकों को एक्सप्रेस वे अथॉरिटी की राहत टीम के पहुंचने का इंतजार रहता है। कभी-कभी यह टीम समय रहते मदद नहीं कर पाती है। वाहन चालक इस मोबाइल एप के जरिए हादसाग्रस्त गाड़ी, घायलों का फोटो व सूचना कंट्रोल रूम को पहुंचा सकेंगे। कंट्रोल रूम में बैठे कर्मचारियों को पता लग जाएगा कि घटना की गंभीरता कितनी है। कितनी और किस तरह की राहत उपलब्ध कराई जानी है। इसके साथ ही एप का प्रयोग करने वालों को निकटतम फूडकोर्ट, एंबुलेंस, पीसीआर, क्रेन, थाने, अस्पताल की लोकेशन और उनसे संपर्क के लिए नंबर की



जानकारी मिल जाएगी। मदद के लिए पहुंचने वाली गाड़ी, उसका चालक, उसका संपर्क नंबर, पहुंचने में लगने वाले समय आदि की जानकारी भी एप धारक को एसएमएस व ईमेल से मिलेगी।एप का संचालन एक्सप्रेस वे की प्रबंध समिति करेगी।

एप के सुचारु संचालन के लिए एक्सप्रेस वे को 80 हिस्सों (सेक्टर)में बांटा गया है। हादसे के दौरान एप दो किलोमीटर के दायरे में मौजूद निकटतम एंबुलेंस, क्रेन, पीसीआर, थाना, अस्पताल आदि की सूचना देगा। इसके साथ ही कंट्रोल रूम से बेहतर समन्वय के लिए एक्सप्रेस वे को दो जोन में बांटा गया है। पहला जीरो प्वाइंट से जेवर टोल प्लाजा तक, जबकि दूसरा जेवर टोल से आगरा तक है।एप के साथ टोल फ्री नंबर 18001027777 भी कनेक्ट

स्पीड कंट्रोल की देगा चेतावनी

एक्सप्रेस वे पर होने वाले ज्यादातर हादसों का कारण ओवरस्पीड है। वाहन की स्पीड ज्यादा होने पर एप पर एक संदेश आएगा, जिसमें चालक या यूजर को गति पर नियंत्रण रखने को कहा जाएगा। साथ ही चालान कटने की चेतावनी भी दी जाएगी।

जान गंवा चुके हैं सैकड़ों लोग

यमुना एक्सप्रेस वे शुरू होने से लेकर 31 मार्च 2017 तक 4324 हादसे हुए। इनमें 586 लोगों की मौत हो चुकी है। 1752 लोग गंभीर व 4604 मामूली घायल हुए हैं।

रहेगा। मांट प्लाजा के टोल ऑपरेशन मैनेजर सफी अहमद रिजवी ने बताया कि यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह और एक्सप्रेस वे का संचालन कर रहे जेपी इन्फ्राटेक ने शुक्रवार को जेवर टोल पर विधिवत रूप से यह एप लांच किया है।

लालू के करीबी अनवर अहमद के ठिकानों पर सीबीआइ छापे

सीबीआइ ने राजद सुप्रीमों लालू प्रसाद के बेहद करीबी रहे पूर्व विधान पार्षेद अनवर अहमद पर शिकंजा कसा है। सीबीआइ ने शनिवार को अनवर अहमद की अध्यक्षता वाले अवामी को-ऑपरेटिव बैंक, सब्जीबाग स्थित उनके आवास और फुलवारीशरीफ स्थित अल राबिया एडुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट पर एकसाथ छापेमारी की। इस दौरान करोड़ों की मनीलांड्रिंग से संबंधित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। छापेमारी से पहले सीबीआइ ने अनवर अहमद और उनके तीन रिश्तेदारों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई है।

सीबीआइ सूत्रों ने छापेमारी की पुष्टि की है। सीबीआई सूत्रों के अनुसार आयकर विभाग ने अहमद के खिलाफ मनी लांड्रिंग की शिकायत की थी। मामले के सत्यापन के बाद अनवर अहमद व उनके तीन अन्य रिश्तेदारों फरहाद अहमद, अरशद अहमद व परवेज आलम के

की गई है। हालांकि अनवर अहमद के ठिकानों से सीबीआइ को अबतक क्या मिला है, इस संबंध में फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। लेकिन विगत 13 जनवरी को जब आयकर विभाग ने अनवर अहमद की अध्यक्षता वाली अवामी को-ऑपरेटिव बैंक समेत उनके व्यवसायिक व आवासीय ठिकानों पर छापेमारी की थी तब मौके से 60 फर्जी बैंक खाते बरामद किए गए थे। इन्हीं के माध्यम से करोड़ों के कालेधन को सफेद बनाने का खेल खेला गया था। ये सभी बैंक खाते वैसे लोगों के नाम पर खोले गए थे जिन्हें इसके बारे में किसी तरह की जानकारी तक नहीं थी। इन सभी बैंक खातों में नोटबंदी के समय पांच सौ व हजार के प्रतिबंधित नोटों को जमा कराकर उन्हें अन्य बैंक खातों में ट्रांसफर किए जाने के सबूत आयकर विभाग को मिले थे। तब आयकर विभाग ने इस मामले की शिकायत प्रवर्त्तन निदेशालय (ईडी) के साथ-साथ सीबीआइ से भी की थी।

हरियाणा में बढा रिकॉर्ड

लिंगानुपात

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

कभी कन्या भ्रूण हत्या के लिए बदनाम रहे हरियाणा के पास अब छाती ठोंकने को बहुत कुछ है। प्रदेश के इतिहास में पहली बार हरियाणा का औसत लिंग अनुपात एक हजार लड़कों पर 950 लड़कियों तक पहुंच गया है। दक्षिण हरियाणा के दो जिलों नारनौल और पलवल ने प्रदेश के लोगों का

पिछले माह लिंग अनुपात एक हजार लड़कों पर 930 लड़कियों का था, जिसे बढ़ाकर मार्च 2017 में 950 पर ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। नारनौल-महेंद्रगढ़ जिले में लिंग अनुपात 1279 पर पहुंच गया है, जो एक रिकॉर्ड है। यानी यहां मार्च माह में एक हजार लड़कों के मुकाबले 1279 लड़कियां पैदा हुई

हैं। पलवल जिले में लिंग अनुपात

1217 हो गया है। पानीपत में एक

हजार लडकों पर 993 लडकियों का

सिर गर्व से ऊंचा कर दिया।

गर्व की बात, प्रदेश में मार्च 2017 में लिंग अनुपात

नारनौल में 1279, पलवल में 1217 पानीपत

जन्म हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेर्ट बचाओं-बेटी पढ़ाओ अभियान की शुरुआत के बाद मार्च 2017 में पहली बार इतने सुखद नतीजे सामने आए हैं।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस उपलब्धि के लिए सभी जिला उपायुक्तों, पुलिस अधिकारियों, महिला एवं बाल विकास, पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की पीठ थपथपाई है। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने भी अधिकारियों की दिल खोलकर तारीफ की। राज्य में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान की शुरुआत के बाद लिंग परीक्षण एवं कन्या प्रूण हत्या करने वालों पर 430 फ़आइआर दर्ज की गई हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में बेटियों की घटती संख्या पर चिंता जताते

हरियाणा का मार्च २०१७ का लिंग अनुपात						
जिला	लड़के	लड़िकयां	कुल जन्म	औसत लिंग अनुपात		
1. नारनौल	448	573	1021	1279		
2.पलवल	824	1003	1827	1217		
3.पानीपत	902	896	1798	993		
4. कुरुक्षेत्र	707	693	1400	980		
5.सिरसा	752	734	1486	976		
6.यमुनानगर	768	748	1516	974		
7.हिसार	1207	1173	2380	972		
८.करनाल	854	814	1668	953		
9.फरीदाबाद	2005	1899	3904	947		
10. सोनीपत	1069	1004	2073	939		
11. नूंह	1144	1059	2203	926		
१२.अंबाला	759	699	1458	921		
१३. रेवाड़ी	653	596	1249	913		
१४. पंचकूला	534	487	1021	912		
१५. फतेहाबाद	568	510	1078	898		
16. जींद	823	737	1560	896		
17.भिवानी	942	841	1783	893		
18. गुरुग्राम	1437	1283	2720	893		
19. झज्जर	458	409	867	893		
20. कैथल	772	667	1439	864		
21. रोहतक	929	802	1731	863		
कुल	18555	17627	36182	950		

पब-बार संचालकों के लिए रास्ता बना रही हरियाणा सरकार

हरियाणा के पब और बार संचालकों को राहत देने के लिए राज्य सरकार बीच का रास्ता निकालने की तैयारी में हैं। प्रदेश सरकार दूसरे राज्यों की तरफ अपने यहां नेशनल और स्टेट हाईवे को हाल-फिलहाल डी-नोटिफाई तो नहीं कर रही, लेकिन पब व बार संचालकों की आपत्तियों का समाधान करने को लेकर खासी गंभीर हो गई है। राज्य सरकार की ओर से एनसीआर के उपायुक्तों को हिदायतें जारी की गई हैं कि बार व पब संचालकों की आपत्तियों का जल्द समाधान निकालकर उन्हें राहत दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल और स्टेट हाईवे से

500 मीटर की दूरी वाले ठेके बंद करने के आदेश दिए हैं। आदेश में राज्य के 450 ठेके आते हैं। एनसीआर के 185 पब और बार भी सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के चलते बंद हो गए हैं। उन पर फिलहाल दोहरी मार पड़ रही है। नई आबकारी नीति की घोषणा करते हुए सरकार पहले ही लाइसेंस फीस बढ़ा दी है। अब पब व बार बंद हो जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना

एनसीआर के लोगों का लाइफ स्टाइल ही अलग तरह का है। वहां पब व बार में एक बड़ा समूह इंज्वाय करता है। इनके बंद होने से जहां लोगों की लाइफ स्टाइल पर भी असर पड़ रहा है, वहीं पब व बार संचालकों को भी नुकसान हो रहा। सरकार की जानकारी में जब यह मामला आया तो आबकारी एवं कराधान मंत्री कैप्टन



हम हाईवे को डी-नोटिफाई तो नहीं कर रहे, लेकिन सरकार के संज्ञान में कुछ ऐसे मामले आए हैं, जिनमें हाईवे से शराब ठेंके तक मोटरेबल दूरी को लेकर विवाद है। इनके समाधान के लिए हमने जिला स्तरीय कमेटियां बना दी हैं। कारोबारियों को हर संभव राहत दी जाएगी । कानून का भी अनुपालन होगा ।

– कैप्टन अभिमन्यु, आबकारी एवं कराधान मंत्री, हरियाणा।

अभिमन्यु ने हर जिले में डीसी की अध्यक्षता में कमेटियां बनाने के निर्देश दिए। इन कमेटियों में हाईवे, पुलिस, पीडब्ल्यूडी और आबकारी विभाग के अधिकारी भी होंगे।

दर्जनों शराब ठेकों में तोड़फोड़, आगजनी

जेएनएन, लखनऊ : शराब की दुकानों के खिलाफ शुरू हुई महिलाओं की जंग ने रफ्तार पकड़ ली है।शनिवार को भी सुबे में दर्जनों शराब की दुकानों में भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी की। विरोध और तोड़फोड़ करने वालों पर मुकदमा दर्ज करने का कोई असर नजर नहीं आ रहा और भीड़ लगातार हंगामा और प्रदर्शन कर सड़कें जाम कर रही है। कानपुर में ठेके पर तोड़फोड़ व आगजनी करने के आरोप में 18 महिलाओं समेत 21 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं सीतापुर, बाराबंकी, रायबरेली, बलरामपुर में महिलाओं ने जाम लगाया। लाठी लेकर सड़क पर उतर आईं और घंटे भर जाम लगाया। वाराणसी में बड़ागांव और चोलापुर में भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा। जौनपुर के जंघई बाजार पिसयान टोला में बीयर की दुकान में महिलाओं ने जमकर तोड़फोड़ की।आजमगढ़, गाजीपुर, गोरखपुर, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, इलाहाबाद, शिकोहाबाद, बदायूं, गाजियाबाद आदि जिलों में भी शराब की दुकानों के विरोध में आंदोलन जारी रहा।

न्युज गैलरी

आधार कार्ड के फिंगर प्रिंट्स से हुई शव की पहचान

जागरण संवाददाता, लुधियाना : लुधियाना के मेहरबान स्थित गांव ख्वाजके पेट्रोल पंप के नजदीक शुक्रवार को झाड़ियों में मिले महिला के शव की पहचान आधार कार्ड के फिंगर से हो गई है। पंजाब में यह पहला मामला है, जब आधार कार्ड के फिंगर प्रिंट से किसी अज्ञात शव की पहचान हुई है। शव को पेट्रोल पंप के पास झाड़ियों में एएसआइ भूपिंदर सिंह ने देखा था, जोकि वाहन में पेट्रोल डलवाने जा रहे थे। शुक्रवार को शव मिलने के बाद पहचान के लिए सिविल अस्पताल में रखा गया था। शुक्रवार देर रात साढ़े 11 बजे फोरेंसिक विभाग की टीम ने मृतका के फिंगर प्रिंट्स लिये। उक्त प्रिंट्स को जब आधार कार्ड के सॉफ्टवेयर में डालकर स्कैन किया गया तो महिला से संबंधित सारी जानकारी कंप्यूटर स्क्रीन में

सरोज खान ने दरगाह के खादिमों पर लगाए आरोप

जयपुर: फिल्म निर्माता एवं अभिनेता सरोज खान ने कहा है कि अजमेर ख्वाजा साहब की दरगाह से जुड़े खादिमों ने दरगाह में जायरीन के साथ लूट-खसोट मचा रखी है। यह खादिम इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। और हर तरह के अपराधों में लिप्त हैं।इनके पास खूब पैसा आता है, लेकिन जायरीन की सर्विधा के नाम पर एक पैसा नहीं खर्च करते। खादिमों ने दरगाह की दुकानदारी बना रखी है। जायरीन से जबरदस्ती जगह-जगह पैसे डलवाए जाते हैं, नहीं डालने पर जायरीन के साथ बदतमीजी की जाती है। सरोज खान ने 805वें उर्स के मौके पर दरगाह जियारत के बाद पत्रकारों से यह बातें कहीं। जियारत के दौरान खान और उनके साथियों के साथ हुए अभद्र व्यवहार और धक्का-मुक्की से खफा नजर आए।।

चारधाम यात्रा के किराये में बढोतरी

ऋषिकेश : संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति ने इस वर्ष चारधाम यात्रा के किराये में आठ से दस फीसद वृद्धि की है। अब चारों धामों के दर्शन यात्री न्यूनतम 2690 रुपये में कर सकेंगे, जबकि आरामदायक पुशबैक बस सेवा के लिए 4480 रुपये खर्च करने होंगे। उत्तराखंड के प्रसिद्ध चार धाम गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ व केदारनाथ की यात्रा का जिम्मा मुख्य रूप से संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति के पास है। 2013 में उत्तराखंड में आई आपदा के बाद चारधाम यात्रा ठप हो गई थी। इसके दो वर्ष बाद तक चारधाम यात्रा पटरी पर नहीं लौट पाई। यात्रा ठप होने से यात्रा से जुड़े हजारों लोगों के समक्ष आजीविका का संकट खड़ा हो गया था।

नेपाल के कचरे से मैली हो गई नारायणी नदी

हए बेटी बचाओ बेटी

पढ़ाओं का नारा दिया था।

इसके तहत देश के सभी

राज्यों ने प्रयास शुरु किए थे।

सुनील आनंद, बगहा (पश्चिमी चंपारण

नेपाल व भारत के लोगों की आस्था का केंद्र नारायणी नदी प्रदूषित हो गई है। नेपाल के शालीग्राम से निकल कर नारायणी नदी पश्चिम चंपारण स्थित वाल्मीकिनगर के समीप तमसा और सोनभद्र में मिलती है। इस संगम को लोग तीर्थ मानते हैं। मान्यता है कि इसमें स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।

शालीग्राम से निकलने वाली यह नदी जब नेपाल की औद्योगिक नगरी नारायण घाट पहुंचती है तो इसका निर्मल जल पूरी तरह से प्रदूषित हो जाता है। शहर में संचालित करीब एक दर्जन फैक्ट्रियों से निकलने वाला औद्योगिक कचरा सीधे नारायणी में गिरता है। रही सही कसर वाल्मीकिनगर के समीप त्रिवेणी संगम व लवकुश घाट पर आकर पूरी हो जाती है।

यहां रोजाना दर्जनों की संख्या में शव का अंतिम संस्कार होता है। लोग शव के अवशेष व अधजले शव को नदी में प्रवाहित कर देते हैं। इससे प्रदूषण का स्तर और बढ़ जाता है। माघ मौनी अमावस्या व मकर संऋाति के पावन अवसर पर वाल्मीकिनगर में विशाल मेला लगता है। हजारों की संख्या में श्रद्धालु स्नान करते हैं।



नारायणी नदी को स्वच्छ रखने के लिए दोनों देश के लोगों को जागरूक होना होगा ।वैसे, नमामि गंगे योजना में नारायणी को शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया है।यह प्रोजेक्ट लंबा है । इसे पूरा होने में वक्त लगेगा । – सतीश चंद्र दूबे, सांसद (वाल्मीकिनगर)

इस दौरान ये लोग अपने साथ लाई मूर्तियां, पूजन सामग्री, पॉलीथीन, अगरबत्ती के पैकेट व अन्य चीजों को नदी में प्रवाहित कर देते हैं। इससे भी बड़े पैमाने पर जल प्रदूषण होता है। वाल्मीकिनगर पर्यटन स्थल होने के कारण यहां पर्यटक पिकनिक मनाने आते हैं। वे भी प्लास्टिक के ग्लास, प्लेट, पॉलीथीन आदि नदी में डाल देते हैं।

गोवाफेस्ट में जागरण समूह की धूम

ऐबीज अवार्ड्स-2017 में समूह को मिले सर्वाधिक नौ पुरस्कार

जेएनएन, नई दिल्ली

सामाजिक सरोकारों से जुड़ी सार्थक पत्रकारिता करने वाले जागरण समूह को ऐबीज अवार्ड्स-2017 में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल हुई है। सामाजिक सरोकारों पर चलाए गए समूह के अभियानों के बूते एडवरटाइजिंग और ब्रांड के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त ऐबीज अवार्ड्स में समूह ने नौ पुरस्कार झटके। गोवा में आयोजित गोवाफेस्ट के ऐबीज अवार्ड्स की पब्लिशर श्रेणी के कुल 21 पुरस्कारों में इस साल किसी भी प्रकाशन समूह को मिले ये सर्वाधिक पुरस्कार हैं।

एडवरटाइजिंग एजेंसीज एसोसिएशन ऑफ इंडिया और द एडवरटाइजिंग क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय गोवाफेस्ट में मीडिया और पब्लिशर ऐबीज श्रेणी में समूह को ये पुरस्कार मिले। समूह को कुल 74 श्रेणियों में से 43 श्रेणियों में नामांकन मिला था। इस साल किसी भी मीडिया समूह के चयनित कार्यक्रमों की संख्या में यह सबसे



विभिन्न श्रेणियों में समूह को मिले पुरस्कार।

ज्यादा है। पिछले वर्षों में गोवाफेस्ट में जागरण समूह को अब तक कुल 14 पुरस्कारों से

नवाजा जा चुका है। इन श्रेणियों के अंतर्गत 'खुले में शौच से

मुक्ति अभियान- बरेली', 'युवा संपादक' सरोवर हमारी धरोहर', 'हजार टन- पटना' और 'जागरण संस्कारशाला' जैसे सरोकार से जुड़े बड़े अभियानों की बेजोड़ सफलता के दम पर समूह को यह उपलब्धि हासिल हुई। 'युवा संपादक' और 'सरोवर हमारी धरोहर' अभियानों को स्वर्ण पुरस्कार, 'हजार टन पटना', 'जनहित जागरण', 'खुले में शौच से मुक्ति अभियान- बरेली' को रजत पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

देश के सबसे बड़े अखबार समूह में से एक जागरण समूह के सात आधार स्तंभ हैं। ये आधार स्तंभ जागरण के सात सरोकार हैं-सुशिक्षित समाज, जनसंख्या नियोजन, जल संरक्षण, गरीबी उन्मूलन, नारी सशक्तीकरण, पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ समाज। समूह के लिए इन सरोकारों को पूरा करने का उद्देश्य सर्वोपरि रहता है। अपने सार्थेक प्रयासों के लिए पिछले वर्ष समूह को पचास से भी अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है।



मप्र में जवारा विसर्जन

मप्र के मंडला जिला मुख्यालय से करीब 20 किमी दूर प्रसिद्ध चौगान मढिया से नर्मदा तट रामनगर तक जवारा विसर्जन जुलुस निकाला गया। इसमें हजारों भक्त जवारे सिर पर रखे हुए थे। करीब एक किमी की कतार थी। नवरात्र में इनकी स्थापना की गई थी और रामनवमी के दूसरे दिन लगभग तीन किमी पैदल चलकर नर्मदा तट रामनगर में जवारे का विसर्जन किया गया।यहां इस बार 3274 जवारों की स्थापना की गई थी। जवारा विसर्जन शोभायात्रा की विशेषता है कि जवारे रखने वाले सभी स्त्री–पुरूष सफेद रंग के वस्त्र पहनते हैं। आदिवासी समाज में सफेद रंग को शुभ माना जाता है। यह परंपरा सैकड़ों साल से चली आ रही है।

मुस्लिम धर्मगुरु गोवध के खिलाफ दें फतवा

जागरण सर्वाददाता, लखनऊ : कुछ लोग गविध के मुद्दे को उठाकर समाज को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए मुस्लिम धर्मगुरु गोवध रोकने के लिए फतवा जारी करें। यह बातें शिया धर्मगुरु मौलाना आगा रूही ने कही। मौलाना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से धर्मगुरुओं द्वारा फतवा जारी कराने की अपील भी की।

शनिवार को बयान जारी कर मौलाना आगा रूही ने कहा कि गोवध को लेकर हमारा नजरिया पहले से ही साफ है। वर्ष 1960 में गोवध को लेकर आए फतवा के बाद भारत में गाय का मांस खाना हराम कर दिया गया था। मौलाना ने कहा कि पहले ही आयतुल्ला सैयद मोहसिनुल हकील और मौलाना सईदुल्ल मिल्लत गोवध को लेकर फतवा दे चुके हैं। फतवे के बाद भारत में गोहत्या तथा गोमांस खाना पूरी तरह से हराम करार दे दिया गया। गोहत्या रोकने के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार से कड़ा कानून बनाने के साथ मौलाना ने राष्ट्रहित के लिए प्रधानमंत्री से मुस्लिम धर्मगुरुओं द्वारा फतवा जारी कराने की अपील की। उधर, वरिष्ठ शिया धर्मगुरु मौलाना हमीदुल हसन ने अपने जारी बयान में मुसलमानी से हिंदू भाइयों की आस्था का ध्यान रखने की अपील की। मौलाना ने कहा कि सरकार गोरक्षा के लिए कोई कदम उठाती हैं तो हम सब उसके साथ हैं। मौलाना ने सरकार से अपील की कि इस बात का भी ख्याल रखा जाना चाहिए कि केवल शक के बिना पर किसी के साथ जुल्म न हो।

गोवध आरोपी को छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमला

चौकी पुलिस ने घर में छापा मारकर गोवंशीय पशु काट रहे दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनको छुड़ाने के लिए महिलाओं ने हमला कर दिया, जिसमें चौकी प्रभारी समेत दो पुलिस कर्मी घायल हो गए। महिलाओं ने एक दारोगा की बाइक भी तोड़ दी। बाद में पहुंची अतिरिक्त फोर्स ने मौके से 80 किलो मांस, खाल, कुल्हाड़ी आदि बरामद कीं।

घटना शनिवार सुबह सात बजे की है। चौकी पुलिस को सूचना मिली कि काशीपुर मार्ग पर सुगरा मस्जिद के पास अय्यूब के घर गोवंशीय पशु काटे जा रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो मकान में छह लोग गोवंशीय पशुओं को काट रहे थे। पुलिस ने अय्युब और मतलुब को तो पकड़ लिया और बाकी चार भाग गए।

दोनों को चौकी ले जाते वक्त महिलाओं ने लाठी डंडों और धारदार हथियार से पुलिस पर हमला कर दिया। चौकी प्रभारी तेजवीर सिंह के पैर में चोट लगी तो सिपाही योगेंद्र की अंगुली छुरी लगने से कट गई। मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने बताया कि अय्यूब पर छह और मतलूब पर दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

सडक पर गाय दिखते ही बजेगा गाडी का अलार्म

अहमदाबाद, आइएएनएस : लावारिस पशओं के कारण सडक दुर्घटनाएं आम हैं।अब भारतीय इंजीनियरों ने ऐसा अलार्म सिस्टम विकसित किया है, जो सडक पर गाय या किसी अन्य जानवर को देखते ही चालक को सतर्क कर देगा। इसे 'रीयल टाइम ऑटोमेटिक ऑब्सटेकल डिटेक्शन एंड अलर्ट सिस्टम' का नाम दिया गया है। यह सिस्टम कैमरे की मदद से काम करता है। इस इसकी गणना भी करता है कि उसकी गतिविधि खतरनाक हो सकती है या नहीं। इंडोनेशियन जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग एंड कंप्यूटर साइंस में प्रकाशित शोध में कहा गया है इस सिस्टम को परीक्षण में 80 फीसद तक सफल पाया गया है। गुजरात टेक्नोलॉजिकल विवि में शोध कर रहे सचिन शर्मा व धर्मेश शाह ने बताया कि

यह सिस्टम काफी विश्वसनीय है।

उपेक्षा

महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बिहार में काफी समय बिताया।बापूकी यादों से जुड़ी इमारतों में से एक आज खस्ताहाल है।



गांधीजी आट दिन रहे थे बेतिया में

बिहार के बेतिया में बापू की याद से जुड़ी एक इमारत खराब दौर में है। बेतिया आने पर बापू जिस हजारीमल धर्मशाला में ठहरे थे, वह आज लगभग ध्वस्त हो चुकी है। पुरानी हजारीमल धर्मशाला में बापू आठ दिन रहे थे। यहीं रहकर वे किसानों की समस्या सुनते थे। वे आसपास के गांवों का दौरा करते थे और किसानों की समस्याओं को सूचीबद्ध करते थे। पहली बार यहां आए गांधी बोलते कम थे, सुनते ज्यादा थे।

फिलहाल हजारीमल की यह पुरानी धर्मशाला संपत्ति विवाद की फेर में है और कोर्ट ने इसके पुनर्निर्माण पर रोक लगा रखी है। बेतिया में किसान सभा के संयुक्त सचिव प्रभु राज नारायण राव ने कहा कि मोतिहारी में अंग्रेजी हुकूमत को झटका देकर गांधी जी 22 अप्रैल, 1917 को शाम होने से थोड़ा पहले बेतिया पहुंचे। बेतिया में गांधीजी हजारीमल की धर्मशाला में ठहरे। गांधी जी जिस वक्त किसानों की समस्या सुन रहे होते उस वक्त डॉ. राजेंद्र प्रसाद और आचार्य कृपलानी उनके साथ साये की तरह रहते। गांधी जी ने राजेंद्र बाबू और कृपलानी को

चपारण सत्याग्रह शताब्दी

पुरानी हजारीमल धर्मशाला में टहरे थे गांधी घूम-घूमकर सुनते थे किसानों का दुख

अक्टूबर में समाप्त कर दी गई तीन कठिया प्रथा

महात्मा गांधी के प्रयासों को देखते हुए बिहार के तत्कालीन गर्वनर सर एडवर्ट गेट ने चंपारण की स्थिति की जांच के लिए एक आयोग का गठन किया। नारायण राव के मुताबिक, गांधी जी अग्रेंज सरकार के बनाए ग्इस आयोग के सदस्य थे। आयोग की सिफारिश का ही परिणाम है कि चार अक्टूबर, 1917 को चंपारण कृषि अधिनियम बनाकर तीन कठिया प्रथा को समाप्त कर दिया गया।

लिखित दस्तावेज तैयार करें जो किसान बता रहे हैं। नारायण राव बताते हैं कि बेतिया स्टेशन पर गांधी जी के स्वागत में हजारों किसान इकट्ठा हो चुके थे। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही थी। बापू यहां पहुंचे तो इलाके के लोगों ने गांधी की जय का नारा लगाया। गांधी जी ने तय किया यहां वे एक सभा करेंगे और इसके बाद आगे बढ़ेंगे। स्टेशन से बाहर मुनाब खां के खेत में एक जनसभा की। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि अहिंसात्मक तरीके से उन्हें अत्याचार से मुक्ति दिलाई जाएगी। यहां जनसभा करने के बाद गांधी जी हजारीमल की धर्मशाला पहुंचे और रात्रि विश्राम किया। नारायण राव के मुताबिक उनके दादा रामाश्रय राव के साथ 24 अप्रैल, 1917 को गांधी जी लौकरिया स्थित घर पहुंचे। उनके उनके आने की जानकारी मिलते ही इलाके के किसान अपनी-अपनी समस्या लेकर पहुंचने लगे। समस्याओं की पोथी मोटी होती जा रही थी। किसानों की बढ़ती संख्या से बापू ने अंदाज लगा लिया था कि इलाके में अंग्रेजों के आतंक की कहानी लंबी है और उन्हें आंदोलन भी लंबा चलाना होगा।

चमोली की गुफा में भी बाबा बर्फानी

क्या आप जानते हैं कि अमरनाथ गुफा के अलावा उत्तराखंड में सीमांत चमोली जिले के अंतिम गांव नीती के पास टिम्मरसैंण स्थित एक गफा में भी बाबा बर्फानी विराजते हैं। शायद नहीं। कारण, यह गुफा स्थानीय लोगों को छोड़ देश-दुनिया के नक्शे से ओझल है। प्रतिवर्ष मार्च से अप्रैल के द्वितीय सप्ताह तक गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन होते हैं। लेकिन, इस बार बर्फबारी का दौर जारी रहने के कारण अप्रैल आखिर तक बाबा बर्फानी के दर्शन हो सकते हैं।

जोशीमठ-नीती हाईवे पर नीती से एक किलोमीटर पहले टिम्मरसैंण में पहाड़ी पर स्थित गुफा के अंदर एक शिवलिंग विराजमान है। इस पर पहाड़ी से टपकने वाले जल से हमेशा अभिषेक होता रहता है। इसी शिवलिंग के पास शीतकाल के बाद बर्फ पिघलने के दौरान बर्फ का एक शिवलिंग आकार लेता है। अमरनाथ गुफा में बनने वाले शिवलिंग की तरह इस शिवलिंग की ऊंचाई ढाई से तीन फीट के बीच होती है। शीतकाल के दौरान यह गुफा पूरी तरह



चमोली जिले के टिम्मरसैंण स्थित एक गुफा में बर्फ से बना प्राकृतिक शिवलिंग।

बर्फ से ढकी रहती है। लेकिन, मार्च में जब बर्फ पिघलनी शुरू होती है तो यहां शिवलिंग आकार लेने लगता है। स्थानीय लोग इसे बाबा बर्फानी के नाम से जानते हैं। चीन सीमा पर तैनात आइटीबीपी (भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल) के जवान तो प्रतिवर्ष बाबा बर्फानी के दर्शनों का पुण्य लाभ अर्जित करते हैं। शीतकाल के दौरान नीती क्षेत्र में रहने वाले लोग हालांकि

निचले स्थानों पर आ जाते हैं, लेकिन इस दौरान बाबा बर्फानी के दर्शनों को जाते रहते हैं। सीमांत गांव गमशाली के चंद्रमोहन फोनिया ने कहा कि सरकारों की बेरुखी के चलते आज तक बाबा बर्फानी की यात्रा शुरू नहीं हो पाई है, जबकि कई बार स्थानीय लोग सरकार के सामने टिम्मरसैंण गुफा में विराजमान बाबा बर्फानी की महत्ता रेखांकित कर चुके हैं।

सफलता ▶ सऊदी अरब ने भारत की मांग पर किया था प्रत्यर्पित

कॉल सेंटर रैकेट का सरगना हवाई अड़डे से गिरफ्तार

रैकेट उजागर होने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए भाग गया था दुबई

ठाणे, प्रेट्र/रायटरः करोड़ों रुपये के कॉल सेंटर घोटाले के मास्टरमाइंड सागर ठक्कर उर्फ शैगी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात दुबई से प्रत्यर्पण के बाद सागर जब मुंबई हवाई अड्डा पहुंचा, तो उसे गिरफ्तार किया गया। पिछले साल यह मामला उजागर होने के बाद से ही वह फरार था।

पिछले साल चार अक्टूबर की रात पुलिस ने ठाणे जिले की मीरा रोड स्थित कॉल सेंटरों पर छापा मारा था। उसी समय यह मामला उजागर हुआ था। इसके बाद पुलिस ने अहमदाबाद में भी इस रैकेट के सिलसिले में छापेमारी की थी। उस समय 70 से अधिक लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। इनमें से ज्यादातर निदेशक स्तर के अधिकारी थे। 700 से अधिक कर्मचारियों को हिरासत में भी लिया गया था। गिरफ्तार निदेशकों ने पूछताछ के दौरान पुलिस को इस रैकेट के सरगना के तौर पर 24 वर्षीय सागर का नाम लिया था। इसके बाद पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए सात अक्टूबर को लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। लेकिन, उससे दो दिन पहले ही वह देश से बाहर भाग गया था। सागर को संरक्षण देने वाले मुंबई के कारोबारी जगदीश कनानी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने के बाद कॉल सेंटर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की निगाह में आया था। जांच पड़ताल शुरू होने के बाद मामले के तार खुलने लगे थे। सेंटरों पर छापा मारकर एजेंसियों ने अहम सुराग जुटाए थे। इसके अलावा कर्मचारियों से पूछताछ के बाद शैगी का सरगना होने की बात सामने आई थी। इसकी भनक लगते ही गिरफ्तारी से बचने के लिए वह सऊदी अरब भाग गया, जहां से उसे प्रत्यर्पित किया गया।



कॉल सेंटर घोटाले के सरगना सागर ठक्कर को सुरक्षाबलों ने एयरपोर्ट पर अपने कब्जे में ले लिया। प्रेट्र

हत्थे चढ़ा आइएस संदिग्ध

जागरण संवाददाता, जयपुर

आतंकी संगठन आइएस से संबंध रखने के आरोपी राजस्थान के चूरू जिला स्थित रतनगढ़ निवासी अमजद खान (37) को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) की विशेष टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अमजद को सऊदी अरब प्रशासन ने चार अप्रैल को प्रत्यर्पित किया था। दिल्ली पहुंचते ही टीम ने उसे हिरासत में ले लिया और पांच अप्रैल को गिरफ्तार दिखा कर विशेष न्यायालय में पेश किया। यहां से अमजद को 12 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है।

राज्य एटीएस के अनुसार, अमजद खान वर्ष 2014 से सऊदी अरब के रियाद में काम कर रहा था। आरोपी ने अयान खान सलाफी उर्फ मोहम्मदी अयान उर्फ अलवारा वालवारा के नाम से सोशल साइट पर फर्जी अकाउंट

बना रखा था। अमजद आतंकी संगठन 'जुनूद-उल-खिलाफ-फिल-हिंद' की गतिविधियों एवं उसके प्रचार-प्रसार तथा नए सदस्यों को जोड़ने में लिप्त बताया गया है। यह संगठन भारत में आइएस के मंसूबों को अंजाम देने में लगा है। अमजद बेंगलुरु के चर्च रोड ब्लास्ट मामले के आरोपित आलमजेब अफरीदी से भी संपर्क में था। अफरीदी अभी बेंगलुरु जेल में बंद है। जांच में सामने आया कि अमजद नफीस खान, सफी आरमर उर्फ यूसुफ अल हिंदी, रिजवान उर्फ खालिया उर्फ आजाद नामक एक अभियुक्त के संपर्क में था। एक अभियुक्त सरकारी गवाह बन गया। मेरा बेटा गलत नहीं : अमजद के पिता बुनियाद खान का कहना है कि उनका बेटा ऐसा नहीं कर सकता। उस पर लग रहे आरोप गलत हैं। रेलवे में कार्यरत बुनियाद खान अभी परिवार सहित बीकानेर में रह रहे हैं।

अवैध संबंध छुपाने को बेटी के साथ कराया सामूहिक दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, रोहतक : हरियाणा के सांपला क्षेत्र के एक गांव में महिला ने अवैध संबंध छुपाने को अपनी ही नाबालिग बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म करा डाला। पीड़ित छात्रा ने पुलिस को बताया कि ऐसा इसलिए किया गया, ताकि मां का भेद न खुल सके। करीब एक साल से उसके साथ हैवानियत की जा रही थी। नाबालिग की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने पीड़ित की मां समेत चार लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। इस मामले के सामने आने के बाद इलाके के लोग स्तब्ध हैं।

दसवीं की छात्रा ने पुलिस को बताया कि उसकी मां के पड़ोस में रहने वाले रामभगत दिनेश और कमल के साथ अवैध संबंध हैं। करीब एक साल पहले उसने अपनी मां को तीनों के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था। इस पर मां ने पहले तो उसे प्यार से समझाया कि वह किसी को न बताए। आरोप है कि जब वह नहीं मानी तो मां ने बेटी को उक्त तीनों युवकों के साथ एक कमरे में बंद कर दिया और कहा कि वह उसके साथ दुष्कर्म करे।

छात्रा का आरोप है कि तीनों ने उसके साथ दुष्कर्म किया। यहीं नहीं उन्होंने धमकी भी दी कि यदि अब उसने अपने पिता को इस बारे में बताया तो वह उसे बदनाम कर देंगे। छात्रा का आरोप है कि एक साल से आरोपी उनके घर पर आते और उसकी मां के कहने पर उसके साथ दुष्कर्म करते। तंग आकर पीडित छात्रा ने अपने पिता को आपबीती बताई। इसके बाद पिता उसे थाने लेकर पहुंचा। घृणित कृत्य में शामिल अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच में जुटी पुलिस ने जांच जारी होने का हवाला देकर विस्तृत जानकारी देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, मामले की जांच अधिकारी बिमला ने घटना की पृष्टि करते हुए बताया कि दसवीं की छात्रा की शिकायत पर तीन युवकों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया है। सभी आरोपी फरार हैं। आरोपियों के बारे में कोई सुराग मिला है या नहीं, इसके बारे में पुलिस चुप्पी साध रखी है। ऐसे में पीड़िता और उसके पिता सहमे हैं। उन्हें डर है कि आरोपी किसी अनहोनी वारदात को अंजाम न दे दे। हालांकि, पुलिस ने उन्हें सुरक्षा को लेकर आश्वस्त किया है। आरोपियों के फरार होने से पुलिस की सक्रियता पर भी सवाल उठ रहे हैं।



आइपीएस सर्विस मीट में बच्चे को पुरस्कार

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शनिवार को आइपीएस सर्विस मीट-2017 का आयोजन किया गया। इस मौके पर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता अभिनेता अक्षय कुमार ने पुलिस अफसर के विजेता बच्चे को पुरस्कृत किया। इस मौके पर कॉमेडियन शैलेष लोढ़ा भी मौजूद थे। प्रेट्र

नशीली दवा कारोबार का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

जागरण संवादाता, जयपुर

करोड़ों रुपये के नशीली दवा कारोबार के मास्टर माइंड गुंजन दुदानी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। देश के इस सबसे बड़े माने जाने वाले नशीली दवा के रैकेट का भंडाफोड़ केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड की राजस्व खुफिया शाखा (डीआरआइ) ने पिछले वर्ष नवंबर में किया था। इस मामले में गुंजन के पिता और कारोबार को देश-विदेश में फैलाने वाले सुभाष दुदानी सहित पांच लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। यह सभी अभी जेल में हैं।कोर्ट ने गुंजन को 13 अप्रैल तक न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

उल्लेखनीय है कि डीआरआइ ने अक्टूबर एवं नवंबर, 2016 में राजस्थान के उदयपर और राजसमंद जिलों के तीन औद्योगिक क्षेत्रों

की फैक्ट्रियों पर छापे मार कर प्रतिबंधित 'मेनड्रैक्स' एवं मैथाक्यूलिन' नाम की 24 मैट्रिक टन गोलियां बरामद की थीं। डीआरआइ ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में इनकी कीमत करीब 4800 करोड़ रुपये आंकी थी। भारत में पिछले 34 वर्ष से प्रतिबंधित इन दवाओं को देश से बाहर भी भेजे जाने की जानकारी डीआरआइ को मिली थी। फिलहाल मामले की जांच जारी है। पूरी पड़ताल के बाद ही इस बारे में और जानकारी मिल सकेगी।

सुभाष दुदानी का फिल्म इंडस्ट्री से भी जुड़ाव रहा है। उसने कई वर्ष पूर्व 'विकल्प' फिल्म का निर्माण किया था, हालांकि वह फ्लाप रही।इसके बाद वह दुबई में जाकर बस गया। वहां के एक चिकित्सक की मदद से उसने 10 करोड़ रुपये से अपने भतीजे रवि के साथ मिलकर उदयपुर में नशीली दवाओं का कारोबार शुरू किया।

पाकिस्तान ने झंगड सेक्टर में पांच चौकियों पर की गोलाबारी

जागरण संवाददाता. राजौरी : पाकिस्तानी सेना ने शनिवार शाम फिर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए राजौरी (जम्मू कश्मीर) के झंगड़ सेक्टर की पांच चौकियों पर जमकर गोलाबारी की। इस गोलाबारी की आड़ में पाकिस्तानी सेना आतंकियों के दल को घसपैठ करवाने का प्रयास कर रही थी। गोलाबारी में सीमा पर किसी प्रका का नुकसान नहीं हुआ है।

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार रात के बाव शनिवार शाम साढ़े चार बजे फिर अकारण भारतीय क्षेत्र को निशाना बनाना शुरू कर दिया भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना को मृंहतोड जवाब दिया। पाकिस्तानी गोलाबारी से सीमांत क्षेत्रों में दहशत का माहौल है। पाकिस्तानी सेना पिछले दो सप्ताह से राजौरी और पुंछ जिलों मे नियंत्रण रेखा पर नापाक हरकतें जारी रखे हुए है। वहीं सेना के उच्चाधिकारी सीमा पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

न्यूज गैलरी

आरपीएफ ने सरहदी जिलों की पोस्टों को किया अलर्ट

फिरोजपुर: आतंकी संगठन आइएस (इस्लामिक स्टेट) की ओर से कुछ दिन पहले आरपीएफ पोस्टों को उड़ाने का धमकी भरा पत्र मिलने के बाद रेल डिवीजन फिरोजपुर ने सीमावर्ती जिलों के रेलवे स्टेशनों की आरपीएफ पोस्टों पर सुरक्षा बढा दी है। आरपीएफ अधिकारियों ने शनिवार को फाजिल्का, फिरोजपुर अमृतसर, पठानकोट, गुरदासपुर व जम्मू कश्मीर के रेलवे स्टेशनों पर पोस्टों का निरीक्षण किया। डिवीजन के आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि डिवीजन के सीमांत रेलवे स्टेशनों की आरपीएफ पोस्टों का निरीक्षण कर उन्हें अलर्ट रहने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि यह पहली बार हुआ है कि किसी आंतकी संगठन ने आरपीएफ को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी है। फिरोजपुर कैंट, फिरोजपुर सिटी, फाजिल्का, अटारी, गुरदासपुर, पठानकोट, चक्की बैंक, सांभा, कठुआ, पट्टी, हुसैनीवाला, डेरा बाबा नानक।

'अफसरों–मंत्रियों से ज्यादा काम कर रहे जज

जयपुर: राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीश केएस झवेरी ने कहा है कि अधिकारियों और मंत्रियों की तुलना में जज ज्यादा काम कर रहे हैं, जबकि देखा जाए तो उनकी संख्या जरूरत से आधी ही है। जस्टिस झवेरी ने यह बात शनिवार को यहां लोक अदालत के उद्घाटन के दौरान मीडिया से बातचीत में कही। पत्रकारों ने उनसे अदालतों में लंबित प्रकरणों को लेकर सवाल किया था। उनका कहना है कि पिछले कुछ अर्से से मीडिया में न्यायपालिका के खिलाफ माहौल बना है, जिसकी वजह लंबित प्रकरण है। उन्होंने कहा कि जज लंबित मामलों को निपटाने के लिए कई घंटे ज्यादा काम कर रहे हैं। देखा जाए तो वर्तमान में जजों की संख्या उनकी जरूरत से आधी ही है। इसके बावजूद वह अधिकारियों और मंत्रियों से अधिक काम कर रहे हैं।इससे पहले राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष झवेरी ने आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत का दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया।

जाम्बिया के छात्र ने गुजरात में की खुदकुशी **वडोदरा**ः एक निजी विश्वविद्यालय

के हॉस्टल में जाम्बिया के एक छात्र ने खुदकुशी कर ली है। पुलिस के मुताबिक पारुल यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग के द्वितीय वर्ष के छात्र 22 वर्षीय जाइट्स काला का शव शनिवार को पंखे से लटका पाया गया। वडोदरा के एसपी सौरभ डोलुम्बिया के अनुसार पुलिस की एक टीम मामले की जांच कर रही है। वह अफ्रीकी देश जाम्बिया के उच्चायोग को भी इस घटना की जानकारी देंगे। सब इंस्पेक्टर यशवंत चौहान बताया कि काला के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि काला अवसाद से पीड़ित था। उसके माता-पिता को भी इस घटना की जानकारी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के अध्यक्ष देवांशु पटेल ने बताया है कि उनका विवि पुलिस की जांच में पूरी मदद करेगा।

मेरिट घोटाले में नौ पर चार्जशीट

जागरण संवाददाता, पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बिहार बोर्ड) में 2016 में हुए इंटर टॉपर घोटाले में एसआइटी (विशेष जांच टीम) ने शनिवार को निगरानी कोर्ट में नौ और लोगों के खिलाफ पुरक चार्जशीट दाखिल की है। शनिवार को दायर इस पूरक चार्जशीट में बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष लालकेश्वर प्रसाद के दामाद और घोटाले के किंगपिन व वैशाली के विशुन राय कॉलेज के संचालक बच्चा राय के कई रिश्तेदारों के नाम शामिल हैं।

विदित हो कि इसके पूर्व पटना के बेउर जेल में बंद लालकेश्वर प्रसाद और बच्चा राय सहित 32 लोगों के खिलाफ एसआइटी 5 सितंबर, 2016 को आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। बता दें कि एसआइटी ने टॉपर घोटाले के मास्टरमाइंड बच्चा राय, बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष लालकेश्वर प्रसाद, उनकी पत्नी व पूर्व विधायक उपा सिन्हा तथा पूर्व सचिव हरिहर नाथ सहित 32 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

कमल हासन के घर में

आग, बाल-बाल बचे

चेन्नई, प्रेट्ट : फिल्म अभिनेता और निर्माता कमल

हासन के घर पर आग लग गई, लेकिन वह इस

हादसे में बाल-बाल बच गए। वह पूरी तरह से

सुरक्षित हैं। शनिवार की सुबह 62 वर्षीय कमल

हुए कहा कि वह शुक्रवार की रात अपने घर में

लगी आग से सुरक्षित बाहर निकल आए। उन्होंने

ट्वीट किया, 'मेरा फेफड़ा धुएं से भर गया है। मैं

तीसरी मंजिल से नीचे आने में सफल रहा। मैं

सुरक्षित हूं और कोई भी हताहत नहीं हुआ है।'

हालांकि उन्होंने आग लगने की वजह नहीं बताई।

उन्होंने ट्वीट करके अपने प्रशंसकों को भी प्यार

और चिंता जताने के लिए धन्यवाद किया। ज्ञात

हो,पिछले महीने मार्च में ही कमल हासन के बड़े

भाई चंद्र हासन का निधन हो गया था। कमल

पिछले साल पैर में लगी चोट से हाल ही में उबरे

हैं। अब वह अपनी अगली फिल्म 'शबाश

नायडु' पर काम शुरू करने वाले हैं। एक्शन-

कॉमेडी फिल्म कई भाषाओं में बनाई जाएगी।

अभिनेता ने अपने स्टाफ का धन्यवाद देते

हासन ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी।

हालांकि घोटाले की जांच जारी है। एसआइटी ने जिन नौ लोगों के खिलाफ पूरक चार्टशीट दाखिल की है, उसमें बच्चा राय की बेटी 2015 की साइंस टॉपर शालिनी राय, बच्चा राय के पिता विश्वन राय, रिश्तेदार राजदेव राय, राम नगीना राय, राजवंशी राय, संगीता राय, अवधेश प्रसाद और संजय कुमार शामिल हैं। लालकेश्वर के दामाद विवेक रंजन के खिलाफ भी पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया है।

इसमें कई लोग जमानत पर बाहर आ गए हैं।

मालम हो कि मेरिट घोटाला सामने आने के बाद बिहार की शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे। मीडिया में खबरें आने के बाद इसकी देश भर में आलोचना शुरू हो गई थी। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को खुद हस्तक्षेप कर मामले की उच्चस्तरीय जांच के आदेश देने पड़े थे। शुरुआती जांच में कई उच्च पदस्थ अधिकारियों के नाम सामने आए थे। इसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू की गई थी। हालांकि, कानूनी प्रक्रिया जारी है, लेका इस बीच बिहार कर्मचारी चयन आयोग भी घोटाले की बात सामने आ गई। शिक्षा व्यवस्था के बाद भर्ती घोटाला सामने आने पर सरकार के लिए असहज स्थिति उत्पन्न हो गई थी। मेरिट घोटाला में जहां लचर शिक्षा व्यवस्था की पोल खली थी, वहीं भर्ती घोटाला सामने आने के बाद प्रशासनिक स्तार पर भ्रष्टाचार का असली चेहरा सामने आया। दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। लेकिन, प्रशासन पर आमलोगों के मन में सवाल जरूर उठने लगे।

दोनों मामले सामने आने के बाद राज्य सरकार ने विभागीय स्तर पर कई बदलाव किए हैं। इसका क्या असर पड़ेगा यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन बिहार की शिक्षा व्यवस्था और भर्ती प्रक्रिया की बदहाली एक बार फिर से सामने आ गई है। सरकार इस अविश्वास को तोड़ने का दावा तो कर रही है, लेकिन वह इसमें किस हद तक कामयाब हुई है यह भविष्य के गर्भ में है। इस दौरान कई छात्रों का भविष्य भी दांव पर लग गया। फिलहाल मेरिट और भर्ती घोटाले की

खनन माफिया ने सिपाही को रौंदा

जागरण संवाददाता, फीरोजाबाद : खनन माफिया ने शनिवार सुबह सिपाही को ट्रैक्टर से नीचे गिराकर कुचल दिया और भाग निकला। गंभीर रूप से घायल सिपाही ने आगरा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। थाना प्रभारी को निलंबित

नारखी थाने की यूपी 100 गाड़ी के चालक वेदराम, सिपाही रूप बंसत तथा रवि कुमार रावत सुबह साढ़े चार बजे बैंदी पुलिया से नगला बीच मार्ग पर स्थित गढ़ी पुरानी गांव के पास खड़े थे। इस दौरान बालू से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक ने स्पीड बढ़ा दी। इस पर हाथरस निवासी सिपाही रवि रावत ने दौड़कर ट्रैक्टर चालक को दबोचने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने धक्का देकर सिपाही को गिराकर और ट्रैक्टर चढ़ा दिया। रवि के पेट पर ट्रैक्टर का पहिया उतर गया। इसके बाद ट्रैक्टर छोड़ चालक भाग निकला। रवि को आगरा स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। रवि हाथरस के गांव नगला ओझा के रहने वाले थे।

नेपाल में वाट्सएप पर समन

हरियाणा के वरिष्ठ आइएएस अशोक खेमका ने एक मामले में पक्षकार को वाट्सएप से समन भिजवा दिया। संभवतः यह देश का पहला

तीन भाइयों में चल रहे जमीन बंटवारे के विवाद में कई बार समन भेजने के बाद भी एक पक्ष पेशी पर नहीं आ रहा था। उक्त पक्ष के युवक को अब अदालत में हाजिर होना ही पड़ेगा। हिसार के तीन भाइयों रामदयाल, सतबीर सिंह और कृष्ण कुमार में भूमि विवाद चल रहा है। इस मामले में दो भाई लगातार पेशी भुगत रहे हैं, जबकि कृष्ण कुमार काठमांडू चला गया और वहां से लौट नहीं रहा है। हाल ही में उसने नेपाल से पटवारी से फोन पर बात की थी और ऐसा कर वह फंस गया। समन भेजने के लिए जब उसने अपना पता देने से भी इन्कार कर दिया तो वित्तायुक्त डॉ. अशोक खेमका ने कृष्ण कुमार



पेशी से कतरा रहे पक्षकार को

अशोक खेमका के आदेश पर हुई के वाट्स एप पर समन भेजने के आदेश दे दिए

समन डिलीवरी की रिपोर्ट को प्रमाणित करते हुए उसका प्रिंट कोर्ट में अगली तारीख पर पेश किए जाएगा। इसके साथ समन की एक कॉर्प कृष्ण कुमार के पैतुक मकान के बाहर चस्पा की जाएगी। मामले की अगली सुनवाई 13 जुला को होगी। यह अपने तरह का अनूठाा मामला है, जिसमें वाट्सएप के जरिये समन भेजने का मामला सामने आया है। आधुनिक तकनीक के कारण प्रशासन में होने वाली सहूलियतें भी सामने आने लगी हैं। भविष्य में इसे अपनाया

आरके नगर विस क्षेत्र में एक वोट की कीमत चार हजार रुपये

चेन्नई, आइएएनएस/प्रेट्र : तमिलनाडु के आरके नगर विधानसभा क्षेत्र में आयकर विभाग के छापे में जब्त दस्तावेज और मीडिया की खबरों के मुताबिक वहां एक वोट की कीमत करीब 4,000 रुपये है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने भी इस बात की पुष्टि की है। आयकर विभाग कहना है कि इस विधानसभा क्षेत्र में वीके शशिकला गुट वाले अन्नाद्रमुक ने करीब 100 करोड़ रुपये मतदाताओं में बांटे हैं। ऐसे में चुनाव आयोग द्वारा आरके नगर विधानसभा क्षेत्र का उप चुनाव रद किए जाने की संभावना है। यहां 12 अप्रैल को मतदान होना है। इससे पहले ही यह मामला सामने आया है।

आयकर अधिकारी ने कहा कि हमने इस संबंध में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) को रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में जब्त दस्तावेज मतदाताओं को बांटे गए नकद और अन्य बातें कहीं गई हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या दस्तावेज में उल्लेखित मंत्रियों पर विभाग कार्रवाई करेगा अधिकारी ने कहा कि अभी हम इस बारे में नहीं बता सकते। मीडिया में लीक हुए दस्तावेज के मुताबिक, शशिकला के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक गुट ने मतदाताओं में बांटने के लिए सात मंत्रियों को करीब 89.5 करोड़ रुपये दिए थे। उन्हें 85 फीसद यानी 2,24,145 मतदाताओं के बीच नकद राशि बांटने का लक्ष्य दिया गया था। द्रमुक के कार्यवाहक अध्यक्ष एमके स्टालिन ने मांग की है कि जब्त दस्तावेज में जिन मंत्रियों के नाम हैं, उनके खिलाफ सीबीआइ जांच कराई जाए। उल्लेखनीय है कि आयकर विभाग ने शुक्रवार को तमिलनाडु के स्वास्थ्य मंत्री सी विजयभास्कर के यहां छापे में 5.5 करोड़ रुपये और दस्तावेज बरामद किए थे।

आयोग को सूचना देंगे सीईओ तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) राज्य के स्वास्थ्य मंत्री सी. विजयभास्कर के आवास पर आयकर छापे की सूचना चुनाव आयोग को देंगे। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु के सीईओ से कोई जानकारी नहीं मांगी गई है। चूंकि नियमानुसार वह आरके नगर विधानसभा उपचुनाव पर नियमित रिपोर्ट भेजते हैं इसलिए आयकर छापे की भी जानकारी देंगे।



टीयू—142एम विमान शनिवार को विशाखापत्तनम पहुंचा। नौसेना ने 29 साल की सेवा के बाद 29 मार्च को उसे हटा लिया था। आइएनएस डेगा पर अंतिम बार लैंडिंग के अवसर पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विमान का स्वागत किया। नागरिक उड्डयन मंत्री पी . अशोक गजपति राजु, पूर्वी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चार्ज वाइस एडिमरल एचसीएस बिन्ट और अन्य मौजूद थे । 🕏 प्रेटू

पुडुचेरी में उपराज्यपाल और सरकार में तकरार बढी

पुडुचेरी, प्रेट्र : संघ प्रशासित पुडुचेरी में उपराज्यपाल किरण बेदी और कांग्रेस सरकार के बीच तकरार बढ़ गई है। लोककल्याण मंत्री एम कंडासामी ने बेदी की कार्यशैली को कांग्रेस सरकार को बदनाम करने वाला बताया है। उन्होंने उपराज्यपाल पर विभिन्न मुद्दों पर नकारात्मक रवैया अपनाने का भी आरोप लगाया है।

कंडासामी ने शनिवार को किरण बेदी के खिलाफ मोर्चा खोला। उन्होंने कहा, 'बेदी ट्विटर के जरिये लगातार सरकार की आलोचना कर रही हैं। इससे लगता है कि वह सरकार और प्रशासनिक कार्य में जुटे अधिकारियों को अपमानित करने में जुटी हैं।' उपराज्यपाल ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और सहकारी समितियों द्वारा कर्मचारियों और कामगारों का पीएफ जमा नहीं कराने की आलोचना की थी। संसदीय सचिव लक्ष्मीनारायणन ने बेदी के आरोपों का खंडन

करते हुए कहा कि पीएफ डिफॉल्ट का मामला पिछली सरकार के समय का है। उन्होंने बताया कि पुडुचेरी की तकरीबन सभी पीएसयू और सहकारी समितियां घाटे में चल रही हैं। उन्होंने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि पीएफ जमा कराने का मामला संबंधित कंपनियों के प्रबंधन और ईपीएफओ के बीच का है। सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं होती है।

इससे पहले पुडुचेरी विधानसभा ने निगमायुक्त को स्थानांतरित करने का आदेश दिया था, जिसे उपराज्यपाल ने रोक दिया। कांग्रेस और अन्य दलों की संयुक्त बैठक में केंद्र प्रशासित क्षेत्र की स्थिति से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को अवगत कराने का फैसला किया गया है। हालांकि, नई दिल्ली जाने को लेकर फिलहाल कोई तिथि तय नहीं की गई है। लेकिन, राज्य सरकार के रवैये से टकराव बढ़ने की आशंका है।

बेटी की कब्र पर तख्त बिछा सोता रहा दंपती

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : हरियाणा के सराय ख्वाजा क्षेत्र की संतोष कॉलोनी में 16 वर्षीय बेटी की लाश को घर में ही दफन कर माता-पिता दो साल से उसके ऊपर तख्त बिछाकर सोते रहे। पुलिस को मिली एक गुमनाम चिट्ठी ने मामले का पर्दाफाश कर दिया। इसके बाद पुलिस ने घर में फर्श तोड़ खोदाई करवा कंकाल बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए पीजीआइ रोहतक भिजवा दिया है।

पान का खोखा लगाने वाले रामबाबू सराय ख्वाजा क्षेत्र के संतोष नगर में परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में तीन बेटों के अलावा एक बेटी (16) थी। वह डीएलएफ स्थित एक फैक्ट्री में नौकरी करती थी। वहां उसका एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग हो गया था। जब यह बात परिवार वालों को पता चली तो उन्होंने उसका रिश्ता तय कर दिया। उससे नौकरी छोड़ने के लिए कहा।इससे वह तनाव में आ गई। रामबाबू के अनुसार 14 जुलाई 2015 को दिन में पिंकी ने पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।

महाराष्ट्र में पत्रकारों की सुरक्षा के लिए बना कानून

राज्य ब्यूरो, मुंबई

महाराष्ट विधानसभा ने पत्रकारों की सरक्षा संबंधी विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। कानून का रूप लेने के बाद राज्य में पत्रकारों या मीडिया कार्यालयों पर हमला करने के दोषी को तीन साल कैद और 50,000 रुपये जुर्माना किया जाएगा।

देवेंद्र फडनवीस मंत्रिमंडल ने गत दिवस पत्रकारों की सुरक्षा संबंधी विधेयक पेश किया। यह कानून लागू होने के बाद राज्य में पत्रकारों या मीडिया कार्यालयों पर हमला करने वाले को तीन साल कैद या 50,000 रुपये जुर्माना या कैद के साथ ही जुर्माना किया जा सकता है। पत्रकारों और मीडिया कार्यालयों पर हमले को संज्ञेय, गैर जमानती एवं प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वारा ही सुने जाने लायक अपराध माना जाएगा। इस श्रेणी

के अपराधों की जांच डिप्टी एसपी या सहायक पुलिस आयुक्त से नीचे के अधिकारी नहीं कर सकेंगे। इस कानून का दुरुपयोग रोकने के लिए भी कड़े प्रावधान किए गए हैं। किसी पत्रकार या मीडिया कार्यालय द्वारा अपने ऊपर हमले की झुठी शिकायत दर्ज कराने पर उसे भी तीन साल कैद या 50,000 रुपये जुर्माना, अथवा दोनों सजाएं एक साथ दी जा सकती हैं। महाराष्ट्र के पत्रकार संगठन लंबे अर्से से अपने लिए सुरक्षा कानून की मांग करते आ रहे थे। पिछले चार वर्षों के दौरान राज्य में पत्रकारों पर 337 एवं मीडिया कार्यालयों पर 52 हमले हो चुके हैं। नए कानून के अमल में आने से पत्रकारों को विशेष तौर पर किसी भी तरह के हमले या धमकी मिलने की स्थिति में विशेष सुरक्षा मिल सकेगी। इस कानून के जरिये पत्रकारों को किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचाया जा सकेगा।

वादा हुआ पूरा काम रहा अधूरा



अनिल सिंह संपादक, अर्थकाम कॉम

कर्ज देना या माफ करना समस्या का समाधान नहीं है। अपने यहां कृषि में लगे 25.12 करोड़ लोग फालतू हैं। इनके रोजगार का इंतजाम घर के पास कृषि आधारित उद्योगों में करके समस्या का कारगर हल संभव है।

अगिर्थिक विवेक कहता है कि किसानों की कर्ज माफी गलत है। रिजर्व बैंक के गवर्नर कृषि ऋण का बजट लक्ष्य हर साल बढ़ता है। वित्त वर्ष 2007-08 में कृषि ऋण का लक्ष्य उर्जित पटेल से लेकर देश के सबसे बड़े बैंक, 2.50 लाख करोड़ रुपए था, जबिक वास्तव 2.55 लाख करोड़ रुपए बांटे गए। 2016-17 मे एसबीआइ की चेयरमैन अरुंधती भट्टाचार्य तक इसका विरोध कर चुकी हैं। लेकिन राजनीतिक कृषि ऋण का लक्ष्य 9 लाख करोड़ रुपए का था, विवेक कहता है कि चुनावी वादा फटाफट पूरा जबिक 7.56 लाख करोड़ रुपए अप्रैल-सितंबर 2016 की पहली छमाही में ही बांटे जा चुके थे। कर दिया जाए। इसलिए अगर योगी सरकार ने भाजपा के लोक संकल्प पत्र के वादे को पूरा चालू वित्त वर्ष 2017-18 के लिए बजट में कृषि करते हुए पहली कैबिनेट बैठक में ही पांच एकड़ ऋण का लक्ष्य 10 लाख करोड़ रुपए रखा गया तक की जोतवाले लघ व सीमांत किसानों के है। संदर्भ के लिए बता दें कि इस 36.359 करोड़ रुपए के ऋण माफ कर दिए तो साल खुद भारत सरकार कुल

इसे विवेकसम्मत ही माना जाएगा। प्रदेश सरकार 5.8 लाख करोड़ रुपए का बैंकों का सारा ऋण अपने खाते से चकाएगी और कर्ज लेने जा रही है। सवाल उठता है कि जो कषि घाटे का केंद्र से एक धेले की भी मदद नहीं लेगी। सौदा बन चुकी है, उसे सरकार इस तरह चुनाव जीतने वाली पार्टी का वादा पूरा इतना कर्जखोर बनाने पर क्यों हआ और बैंकों का फंसा हआ ऋण भी निकालने तुली हुई है। कमाल तो यह है कि का इंतजाम हो गया। फिर आर्थिक विवेक और इतना भारी-भरकम कर्ज हर साल राजनीतिक विवेक में काहे का टकराव ! महाराष्ट भी किसानों के 1.14 लाख करोड़ रुपए के कर्ज लक्ष्य से ज्यादा बंटता रहा है। पता किया माफ करने की तैयारी में है। उधर, मद्रास हाईकोर्ट जाए कि कषि के नाम पर इतना कर्ज लेता ने तमिलनाड सरकार को निर्देश दिया है कि वो लघु कौन है? ध्यान दें कि अधिकांश फसल ऋण तब बंटते हैं. जब किसानों के खेत में व सीमांत किसानों की कर्ज माफी स्कीम राज्य के सभी किसानों पर लागू करे। कर्ज माफी की इस कोई फसल होती ही नहीं। बात साफ है कि कर्ज देना या माफ लहर का अगला पडाव पंजाब होगा क्योंकि कैप्टन

सीधा सवाल, क्या कर्ज माफी किसानों की समस्या का समाधान है? कतई नहीं। अगर होता तो यह समस्या तभी सुलझ गई होती, जब तब की संप्रग सरकार ने वित्त वर्ष 2008-09 में राष्ट्रीय स्तर पर किसानों के 67800 करोड़ रुपए के कर्ज माफ कर दिए थे। दरअसल, हमारे किसानों की हालत छिद्रयुक्त बाल्टी जैसी हो गई है जिसमें कितना भी पानी डालो, वो घर पहुंचते-पहुंचते खाली हो जाती है। नोट करें कि किसानों को तीन पहले वित्त वर्ष 2009-10 से। आखिर किसान 4 प्रतिशत सालाना ब्याज भी क्यों नहीं दे पाता जबिक शहरों में सब्जी व ठेले-खोमचे वाले तक हर दिन 2-3 प्रतिशत (सालाना 730 से 1095 प्रतिशत) ब्याज देकर भी धंधा व घर-

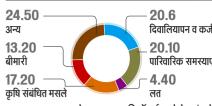
मजे की बात यह है कि एक तरफ किसान कर्ज उतार पाने की स्थिति में नहीं है। दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश सरकार ने वायदे के मुताबिक अपनी पहली कैबिनेट बैटक में किसानों के एक लाख तक के फसली कर्ज को माफ कर दिया। इस कदम से प्रदेश के दो करोड़ से ज्यादा छोटे व मझोले किसानों को राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है। इस फैसले ने प्रदेश के खजाने पर 36 हजार करोड़ रुपये से अधिक का भार भी डाल दिया है। किसानों के हित में उत्तर प्रदेश के इस निर्णय के बाद महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे आधा दर्जन राज्यों में किसानों के कर्जों को माफ करने का मसला तूल पकड़ने लगा है। चूंकि केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पहले ही स्पष्ट कर रखा है कि अपने खर्चे पर कोई भी राज्य किसानों का कर्ज माफ कर सकता है। शायद इसीलिए उत्तर प्रदेश ने किसान राहत बांड के जरिए कर्ज माफी का रास्ता निकाला है। इसके बावजूद तमाम विशेषज्ञ इस बात पर एक मत हैं कि किसानों के कर्ज माफ किए जाने

की एक सुविचारित नीति बनाई जानी चाहिए। इस तरह के कदमों से राजनीतिक पार्टियों में जिस तरीके से चुनावी लाभ लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उससे किसानों में कहीं न कहीं यह संदेश जा रहा है कि बैंकों से लिए कर्ज को चुकाने की जरूरत नहीं। इस सोच के चक्कर में कई बार किसान बिना जरूरत के भी कर्ज के चंगुल में फंस जाते हैं। इस सिलसिले से किसानों का कोई भला नहीं हो रहा है. उलटे बैंकों का वित्तीय अनुशासन गड़बड़ा रहा है। कर्ज चुकाने में सक्षम किसान भी इससे बचते हैं।ऐसे में हमारे नीति-नियंताओं को कुछ ऐसा करना चाहिए जिससे देश का अन्नदाता आत्मनिर्भर हो सके और उसे किसी भी तरीके के फसली कर्ज लेने की नौबत ही न आए। खेती को घाटे के सौदे से निकालकर फायदे का सौदा बनाना होगा, इससे ही किसान देश के विकास की मुख्यधारा में ज्यादा प्रभावी तरीके से अपनी भागीदारी जता सकेगा।

घाटे का सौदा

ऐसे किसान जिनकी **)%** फसलें वेमौसम बारिश, सूखा, बाढ़ और कीटों की भेंट चढ़ जाती हैं (सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डेवलिंग सोसायटीज का अध्ययन)

क्यों करते हैं किसान आत्महत्या



(नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के आंकड़े)



संकट को अवसर में बदलने की दरकार



राजीव कुमार सीनियर फेलो, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च

कर्ज माफी से पड़े वित्तीय भार को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्र का आधुनिकीकरण बेहद जरूरी है। इस अहम कार्य को पूरा करने के लिए राज्य को एशियन डेवलपमेंट बैंक(एडीबी) जैसे वित्तीय संस्थानों से मदद लेनी चाहिए।

में है ऐसे समाधान का दम?

उत्तर प्रदेश में किसानों की कर्ज माफी के अपने वादे को प्रदेश सरकार ने पूरा किया। इससे प्रदेश के दो करोड़ से अधिक परिवारों को फायदा होगा। यह पहला मौका नहीं कि उत्तर प्रदेश में किसानों का कर्ज माफ किया गया है। न ही ये देश में आखिरी कर्ज माफी हो रही है। इससे पहले 2008 में पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के कार्यकाल में बैंकों ने किसानों का 67,800 करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया था। हालांकि यह राजनीति से प्रेरित कदम था क्योंकि

कर्ज माफी जैसे फैसले किसानों के लिए क्षणिक खशी

कर्ज माफी का प्रतिकुल असर राजकोषीय और राजस्व

लेकर ही आते हैं।अगर उन्हें आत्मनिर्भर बना दिया

जाए तो उनकी खुशहाली पूरे जीवन के लिए होगी।

घाटे में वृद्धि के रूप में देखने को मिल सकता है।

कर्ज माफी से किसानों का आत्मबल बढ़ेगा। वे इससे

आत्मनिर्भर भी बनेंगे । इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होगी ।

प्रेम सागर शुक्ला

आशुतोष सिन्हा

पीयूष रंजन श्रीवास्तव

तत्कालीन संप्रग सरकार 2009 के आम चुनाव में जीत हासिल करना चाहती थी। उत्तर प्रदेश में हुई कर्ज माफी के बाद महाराष्ट्र सरकार भी इस पर विचार कर रही है। वहीं तमिलनाडु हाई कोर्ट ने कहा कि पिछले वर्षों की तरह ही इस बार भी छोटे

और सीमांत किसानों का कर्ज माफ किया जाए। यह सिलसिला दूर तलक जाने वाला है। दरअसल देश में एक विकृत मनोवृत्ति घर कर गई है कि बैंकों से लिया हुआ कर्ज वापस नहीं करना है। जब तक इसे खत्म नहीं किया जाता, देश में किसान कर्ज माफी का सिलसिला चलता रहेगा। किसानों के प्रतिनिधि कर्ज माफी के इस कदम का बचाव यह कह कर करते हैं कि सरकार को इसके लिए पैसे का इंतजाम 10 लाख करोड़ रुपये के उस कर्ज से करना चाहिए जो उद्योगपितयों ने बैंकों को नहीं चुकाए। उनका मत है कि किसानों की कर्ज माफी की रकम उद्योगपतियों द्वारा नहीं

चुकाई गई राशि की तुलना में कुछ भी नहीं। निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में कर्ज माफी से राज्य की वित्तीय स्थिति प्रभावित होगी। प्रदेश सरकार पहले ही राजकोषीय घाटे की चपेट में है, यह और बदतर हो जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक यह राजकोषीय घाटा प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद का 4.45 फीसद है। जाहिर है कि विभिन्न राज्यों के लिए तय किए गए 2.5 फीसद के मानक से यह कहीं अधिक है। किसानों की कर्ज माफी की रकम वित्त वर्ष 2016-17 के राजस्व खर्च की 13 फीसद है। यह कुल बजटीय खर्च में राजस्व खर्च को 75 फीसद तक बढ़ा देगी। ऐसे में पूंजीगत खर्च का दायरा बेहद सीमित हो जाएगा। कर्ज माफी से आए वित्तीय भार का प्रबंधन करने के लिए मुख्यमंत्री

बैंकिंग व्यवस्था गरीबों के साथ अन्याय

करती है। कॉरपोरेट को ऋण छूट खुशी-

खुशी मिल जाती है, लेकिन जब किसान

कॉरपोरेट की तरह ऋण चुकाने में छूट

मांगता है तो उसे तेवर दिखाए जाते हैं।

योगी आदित्यनाथ को रास्ते निकालने होंगे। ऊर्च राजकोषीय घाटे और राज्य के सकल घरेलू उत्पाद के 30 फीसद के बराबर कर्जे से निपटना आसान नहीं होगा। हालांकि इसके लिए उन्होंने सरकारी बांड जारी करने का फैसला किया है पर केवल इतने से काम नहीं चलेगा। उत्तर प्रदेश की मदद के लिए एलआइसी और जीआइसी जैसे उपक्रमों को आगे आना चाहिए। हालांकि इसमें एक जोखिम यह भी है कि फिर अन्य राज्य सरकारें भी ऐसी मांग करेंगी।हालांकि इस समस्या का समाधान भी है। योगी भली भांति वाकिफ होंगे कि उनके राज्य में कृषि उत्पादकता बेहद कम है। गंगा-यमुना का मैदान देश में सबसे अधिक उपजाऊ है इसके बावजूद किसान इसका फायदा नहीं उठा पा रहे। ऐसे में उनकी आय बढ़ाने पर जोर होना चाहिए। उत्पादकता बढ़ाने और कर्ज माफी से पड़े वित्तीय भार को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश के कषि क्षेत्र का आधनिकीकरण बेहद जरूरी है। इसके लिए राज्य को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) जैसे वित्तीय संस्थानों से मदद लेनी चाहिए। इससे मिले हुए कर्ज का

आवंटन चरणवार तरीके से विभिन्न सुधारों के

लिए किया जाना चाहिए। ऐसे कर्ज पर काफी छूट मिलती हैं। साथ ही यह दस साल तक के दीर्घकालिक अवधि के लिए मिलते हैं।

सबसे अहम बात कि इस तरह के सेक्टोरल लोन लेने पर क्षेत्र के सुधार के लिए एक समयबद्ध रणनीति बनानी पड़ती है जिससे उत्पादकता में सतत सुधार हो। विकास होने से इन क्षेत्रों से सरकार को पर्याप्त राजस्व मिलने लगता है। इससे कर्ज चुकाने में आसानी होती है। एक बार इस तरह की योजना शुरू हो जाए तो ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा। सिंचाई की एक सार्वजनिक प्रणाली विकसित की जा सकेगी। उत्पादकता बढ़ेगी और कर्ज चुकाना आसान होगा।

यह कर्ज न सिर्फ उत्तर प्रदेश पर आए वित्तीय दबाव को कम करेगा बल्कि राज्य को तकनीक आधारित अर्थव्यवस्था बनाने में भी मदद करेगा। मुझे इस बात का भरोसा है उत्तर प्रदेश के आर्थिक कायाकल्प के साहसिक प्रयास में योगी आदित्यनाथ को केंद्र सरकार की हर वाजिब मदद मिलेगी। इससे उत्तर प्रदेश के कृषि क्षेत्र की

मुश्किलें हैं तो मंजिलें भी देश की कृषि के लिए समग्र, समेकित



सोमपाल शास्त्री पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री

और दीर्घकालिक नीति एवं लक्ष्यपरक ग्रामीण विकास कार्यक्रम से खेती-किसानी जैसे पेशे को भी फायदे का सौदा बनाया जा सकता है।

किसानों की कर्जमाफी को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा किया जाता है कि क्या यह कदम उनकी समस्या का स्थायी समाधान है ? उत्तर बिलकुल स्पष्ट है कि कदापि नहीं । और साधारण किसान से लेकर अर्थशास्त्रियों तक सब ऐसा ही मानते व समझते हैं।

दूसरा प्रश्न है कि क्या सरकारी वित्तीय प्रबंधन की दृष्टि से ऐसा करना विवेकपूर्ण है। रिजर्व बैंक गवर्नर का ताजा बयान कहता है कि नहीं, क्योंकि करों के माध्यम से विकास कार्यों हेतु संकलित धन राशियां इस अनुत्पादक मद में लग जाती हैं और विकास की धारा अवरुद्ध हो जाती है। बार-बार ऋण माफी करने से जान-बूझकर संस्थागत ऋण को वापस न करने की प्रवृत्ति पनपती है और वित्तीय अनुशासन बिगड़ता है।

एक नैतिक संवाल यह भी उठता है कि जो किसान अपना कर्ज नियत समय पर ईमानदारी से लौटा चुके हैं, वे अपने आपको ठगा सा महसूस करते हैं। राज्य की नीति तो ईमानदार और नियम पालन करने वाले को ईनाम व सम्मान देने की होनी चाहिए। परंतु यहां तो प्रतिकूल होता है। नियम पालन करने वाला घाटे में रहता है और उल्लंघन करने वाला फायदे में। इससे पूरे समाज का नैतिक ताना-बाना खतरे में पड़ता है।

दूसरा नैतिक सवाल यह भी उठता है कि यदि उत्तर प्रदेश के किसानों का कर्ज माफ तो बाकी प्रदेशों का क्यों नहीं। और यदि सबका हुआ तो क्या इतना बड़ा भार देश की वित्तीय व्यवस्था सहन कर पाएगी और फिर विकास की गति पर क्या प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा? इस संबंध में एक बात यह भी उठाई जा सकती है कि जब विजय माल्या जैसे धनाढ्य के लाखों करोड़ रुपये माफ कर दिए जाते हैं तो बहु संख्यक गरीब किसान के कुछ हजार करोड़ क्यों नहीं। इस तर्क में दम तो है, परंतु ईमानदारी की बात यह है कि हैं तो दोनों गलत। फिर भी बड़े धनपतियों को अंधाधुंध कर्ज देना और उगाही न कर पाना

अधिक जघन्य और अक्षम्य अपराध है। असली मुद्दा है कि किसान की दशा सुधरे कैसे? इसके लिए एक समग्र, समेकित और दीर्घकालिक नीति और लक्ष्यपरक-समयबद्ध कृषि एवं ग्रामीण विकास कार्यक्रम की अविलंब आवश्यकता है, जिसके मुख्य अंग

निम्न प्रकार हो सकते हैं-

 अखिल भारतीय जल विकास योजना जिसमें प्रत्येक खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध

 ग्रामीण आधारभूत संरचना जिसमें विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति, ग्रामीण सड्कें, चिकित्सा शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा और कानून

व्यवस्था का नगरों जैसा समचित प्रबंध हो। ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक और पुरक रोजगारों के सृजन की व्यवस्था, क्योंकि 80 फीसद से अधिक खेती की जोतें इतनी छोटी हैं कि वे परिवार के पालन-पोषण के लिए पर्याप्त आय नहीं दे सकती, समृद्धि की बात तो दूर।

• सभी कृषि उत्पादों के लाभकारी मूल्य की पक्की व्यवस्था हो।

🛮 प्राकृतिक आपदाओं और कीड़ों तथा बीमारियों आदि से क्षतिपूर्ति के लिए बीमा की व्यवस्था। बागवानी, पशुपालन, डेयरी, पोल्ट्री और मत्स्य पालन के विकास हेतु एक समेकित

कृषि वानिकी और औषधीय पौधों की खेती

को प्रोत्साहन। • अल्पावधि ऋण के साथ दीर्घावधि पूंजी

उपलब्धता की पर्याप्त व्यवस्था। छोटे खेतों के लिए उपयुक्त मशीनों और

औजारों का विकास। कृषि आधारित उद्योगों और आयात-निर्यात

की एक किसान हित परक प्रगतिशील नीति। इन सबके माध्यम से कृषकों और ग्रामजनों का ऐसा सशक्तिकरण हो कि वे अपनी कमाई हुई आय में से अपना निर्वाह कर सकें और सम्मानपूर्ण जीवन जी सकें।

उपरोक्त सभी उपायों के लिए वैधानिक और नीतिगत परिवर्तन के अतिरिक्त सरकारी निवेश की अत्यंत अपेक्षा है। सिंचाई सहित कृषि के सभी आधारभृत ढांचे में निवेश राष्ट्र का उत्तरदायित्व है। दुखद यह है कि चार दशक से कृषि में सरकारी निवेश, विशेषकर केंद्र सरकार का निवेश नगण्य हो चुका है। इसका प्रमाण यह है कि कृषि क्षेत्र में पूंजी विनिर्माण की दर आश्चर्यजनक रूप से लगातार गिरती रही है। और सार्वजनिक क्षेत्र में तो लगभग पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। इस अभाव को दूर किए बिना कृषि की उत्पादकता और अर्थव्यवस्था ठीक नहीं हो सकती है और न ही खेती फायदे का सौदा बन सकती है।

कॉरपोरेट और किसानों के बीच न हो भेदभाव



क्या चुनावी फायदे के लिए किए जाने वाले कृषि मामलों के विशेषज्ञ कर्ज माफी जैसे लोकलुभावन फैसलों का देश के आर्थिक विकास पर प्रतिकूल असर पड़ेगा? खेती को उद्योग की तरह मानते हुए वही सविधाएं देनी चाहिए। न्यूनतम मजदूरी के समान सुनिश्चित आय खजाने से देनी चाहिए।

3िव इसे दोहरे मानक नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे। उत्तर प्रदेश में फसली ऋण माफी के ठीक दो दिन बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर उर्जित पटेल ने बयान दिया कि ऐसा कोई भी कदम ईमानदार ऋण संस्कृति को खोखला कर देता है और इसका सीधा असर राष्ट्रीय मुद्रा कोष पर पड़ता है, लेकिन जब कॉरपोरेट लोन की बात आती है तो, मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम का कहना है कि कॉरपोरेट क्षेत्र जो ऋण नहीं चुका सकता उसे खारिज कर देना आर्थिक समझ से ठीक है। उनके हिसाब से पूंजीवाद ऐसे ही काम करता है। अगर यह सच है।

तो यह समझना मुश्किल है कि पूंजीवाद किसानों के हित में भी ऐसे ही काम क्यों नहीं करता। संसद की लोक लेखा समिति (पब्लिक

अकाउंट कमेटी) के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के 6.7 लाख करोड़ रुपये घाटे में हैं। यह वह रुपया है जो विभिन्न उपक्रमों को ऋण के तौर पर दिया गया और वे उसे लौटा न सके। इसमें कॉरपोरेट की हिस्सेदारी 70 फीसद है जबकि किसानों के हिस्से में सिर्फ एक फीसद बकाया आता है। क्रेडिट एजेंसी इंडिया रेटिंग्स के मुताबिक चार लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा के घाटे में जा चुके कॉरपोरेट लोन माफ किए जाने की संभावना है। यह पहली बार नहीं है कि कॉरपोरेट लोन

को वसूलने से मना किया जाएगा। 2012 से 2015 के बीच घाटे में गया 1.14 लाख करोड़ का कॉरपोरेट लोन माफ कर दिया गया था। हैरत की बात तो यह है कि किसी भी राज्य सरकार को

ही कभी भारतीय स्टेट बैंक की प्रमुख अरुंधती भट्टाचार्य ने कहा कि लगातार कॉरपोरेट लोन को माफ करने से ऋण व्यवस्था में दरार पड़ेगी। इस तरह से बैंकिंग व्यवस्था गरीबों के साथ अन्याय करती है और जब किसान कॉरपोरेट की तरह ऋण चुकाने में छूट मांगता है तो उसे तेवर

अच्छा राजनीतिक कदम होगा बल्कि आर्थिक

निर्णय लिया है। इससे भी ज्यादा सुखद बात

हाई कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को निर्देश दिया है कि लगातार सूखा पड़ने से बड़े किसानों को भी हानि हुई है इसलिए उनका कर्जा भी माफ किया जाए। हालांकि इससे तमिलनाडु सरकार पर 1,980 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार आ जाएगा। उम्मीद है कि पंजाब 36,000 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र 30,500 करोड़ रुपये का कर्जा माफ करेगा। जिन लोगों को लगता है कि कृषि ऋण माफ करने से ऋण व्यवस्था कमजोर होगी, उन्हें यह जान लेना जरूरी है कि स्टील कारोबार की दिग्गज कंपनी भूषण स्टील 44,478 करोड़ रुपये के ऋण का घाटा कर चुकी है जो उत्तर प्रदेश की कर्ज माफी की राशि से ज्यादा है। एस्सार स्टील कंपनी 34,929 करोड़ रुपये का ऋण नहीं चुका सकी है और चाहती है कि आरबीआइ इसे माफ कर दे। महाराष्ट्र जितना ऋण माफ करने के बारे में सोच रहा है, यह राशि अकेले ही उससे कहीं ज्यादा है। 2013-16 के बीच कॉरपोरेट को कर में

कमजोर नहीं पडेगी?

पिछले कई वर्षों से कृषि क्षेत्र लगातार भीषण आपदा से जुझ रहा है। हर गुजरते साल के साथ किसानों पर कर्ज बढ़ता जा रहा है, जिससे बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं। 3.18 लाख से भी अधिक किसानों ने पिछले 21 वर्षों में आत्महत्या की है और ऐसा एक दिन नहीं जाता है जब देश के किसी कोने से किसी किसान की आत्महत्या की खबर नहीं आती है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री ने नवंबर 2016 में संसद में स्वीकारा था कि किसान हर साल 12.60 लाख करोड़ के कर्जे तले दबे जा रहे हैं, तो ऐसे में कृषि ऋण को माफ करना न सिर्फ एक

मोर्चे पर भी सही फैसला होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किसानों की कर्जमाफी का एकदम सही यह है कि पंजाब और महाराष्ट्र भी इस फैसले

17.15 लाख करोड़ रुपये की बड़ी छूट दी गई, इसलिए यह काफी हैरानी की बात है कि इसके बावजूद कॉरपोरेट द्वारा न चुकाए जाने वाले ऋण का अंबार लग गया। अब सोचने वाली बात है कि क्या इससे ऋण व्यवस्था



साधना आत्म–साक्षात्कार की कला है

घोषणा पत्रों की अहमियत

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जगदीश सिंह खेहर के इस कथन र एक सीमा तक ही सहमत हुआ जा सकता है कि राजनीतिक दल अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादे पूरे नहीं करते और वे महज कागजी टुकड़ा बनकर रह जाते हैं, क्योंकि कई दल सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा करने की कोशिश भी करते हैं। कई बार उन्हें अपने चुनावी वादों को पूरा करने में सफलता भी मिलती है और वे इसका प्रचार भी करते हैं। इस सबके बावजूद उनका यह कहना बिल्कुल सही है कि राजनीतिक दलों को अपने चुनाव घोषणा पत्रों के प्रति जवाबदेह बनाने की आवश्यकता है, क्योंकि इधर यह देखने में आ रहा है कि चुनाव जीतने के लिए कुछ राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में मुफ्तखोरी की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे लोक-लुभावन वादे भी कर देते हैं जिन्हें पूरा किया जाना संभव नहीं होता। एक समय था जब बिजली, पानी आदि मुफ्त देने के वादे किए जाते थे, लेकिन अब टीवी और घी तक देने के वादे किए जाने लगे हैं। ऐसे वादे करते समय राजनीतिक दल इस बात का हिसाब मुश्किल से ही लगाते हैं कि मुफ्त में चीजें अथवा सुविधाएं प्रदान करने के लिए जरूरी धन कहां से आएगा ? अब तो रेवडियां बांटने के वादे के साथ सत्ता में आने वाले दल अपने घोषणा पत्र पर अमल के लिए केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता देने की मांग भी करने लगे हैं। यह स्पष्ट ही है कि केंद्र सरकार के लिए ऐसा करना संभव नहीं होता, लेकिन यदि वह अतिरिक्त सहायता देने से इन्कार करती है तो उस पर यह तोहमत मढी जाने लगती है कि उसके द्वारा राज्य विशेष की अनदेखी की जा रही है। राजनीतिक दलों के रुख-रवैये को देखते हुए ऐसी कोई व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिससे वे चुनावी लाभ के लिए अनाप-शनाप घोषणाएं न कर सकें। हालांकि इससे संबंधित एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा था कि वह यह देखे कि राजनीतिक दल घोषणा पत्रों में मनमानी घोषणाएं न कर सकें, लेकिन इसमें संदेह है कि इस संदर्भ में किसी प्रभावी रीति-नीति का निर्माण हो सका है। अच्छा हो कि चुनाव संबंधी आदर्श आचार संहिता को और सशक्त बनाने पर विचार हो, क्योंकि शायद ही कोई राजनीतिक दल हो जिसे इस संहिता के उल्लंघन पर दंड की चिंता सताती हो। यह तय है कि राजनीतिक दलों पर कोई दबाव बनाकर ही उन्हें अपने चुनावी घोषणा पत्रों के प्रति जिम्मेदार बनाने के साथ ही उन्हें गंभीर मसलों के हल के प्रति सक्रिय किया जा सकता है। राजनीतिक दल शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सुधार से जुड़े मसलों को अपने घोषणा पत्रों में मुश्किल से ही प्राथमिकता देते हैं। चूंकि राजनीति समाज को दिशा देने वाली व्यवस्था है इसलिए यह आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य है कि राजनीतिक दल सामाजिक मूल्यों को बल देने से लेकर पर्यावरण की रक्षा के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले काम अपने हाथ में लें। अच्छा हो कि चुनाव आयोग राजनीतिक दलों को यह बताए कि वे आदर्श चुनाव घोषणा पत्र तैयार कर समाज के साथ-साथ अपना भला कैसे कर सकते हैं।

बदहाल सरकारी विद्यालय

उत्तराखंड में सरकारी शिक्षा को लेकर जनता के खोए विश्वास को लौटाने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है।शिक्षा महकमे और सरकार की ओर से तमाम प्रयासों के बावजूद प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक सरकारी विद्यालयों में साल-दर-साल छात्रसंख्या तेजी से गिरती जा रही है। यही हाल रहा तो भविष्य में बड़ी संख्या में सरकारी विद्यालयों पर बंदी की तलवार लटक सकती है। तकरीबन दो हजार प्राथमिक और अपर प्राथमिक विद्यालयों में छात्रसंख्या दस से कम रह गई है। यह समस्या अब माध्यमिक विद्यालयों को भी अपनी चपेट में ले रही है। पिछले शैक्षिक सत्र में सरकारी विद्यालयों में 51 हजार से ज्यादा छात्र घट गए। ये हाल तब हैं, जब सरकार की ओर से बीते शैक्षिक सत्र में भी विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने की व्यापक मुहिम छेड़ी गई थी। नए शैक्षिक सत्र में भी यह मुहिम चलाई गई। छात्रसंख्या में वृद्धि हुई या और कमी आ गई, कुछ महीनों बाद ये तस्वीर साफ हो जाएगी। सवाल ये है कि सरकारी शिक्षकों की संख्या बढ़ने के बावजूद इन विद्यालयों से छात्रों और अभिभावकों का मोहभंग थम क्यों नहीं पा रहा है। संसाधनों के मामले में भी सरकारी विद्यालयों की दशा में सुधार हो रहा है। इसके बाद भी हालात जस के तस या और बदतर हो रहे हैं तो ये गंभीर मनन का विषय है। शिक्षा को लेकर सरकार की नीति और नीयत दोनों में ही खामी है। चिंताजनक ये है कि खामियों को दुरुस्त कर शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने की इच्छाशक्ति कमजोर पड चुकी है। शिक्षा से जुडी विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं की सर्वे रिपोर्ट में कई बार ये जाहिर हो चुका है कि शिक्षा के केंद्र में छात्र या बच्चा नहीं है। शिक्षा की नीति बच्चे की जरूरत के इर्द-गिर्द होने के बजाए राज्य में रोजगार की जरूरतों को पुरा करने का जिस्या बन गई है। शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार की जरूरत पूरा करते वक्त ये ध्यान देने की कोशिश कतई नहीं की जा रही है कि इसका उद्देश्य प्रदेश के भावी कर्णधारों का भविष्य निर्माण है।शिक्षा की गुणवत्ता और उसमें बच्चे की जरूरत के मुताबिक निरंतर सुधार की चुनौती से जूझने की दृष्टि का नितांत अभाव नजर आता है। शिक्षा पर सालाना करीब पांच हजार करोड़ खर्च होने के बाद भी बदहाली बढ़ना तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करने को काफी है।

विदेश नीति का मजबूत होता मोर्चा

दलाई लामा जब तिब्बत पर चीन के अनिधकत

कब्जे के समय भागकर भारत आए तो भारत ने

उन्हें न केवल शरण दी, बल्कि तिब्बत पर चीन के

कब्जे का विरोध भी किया। दलाई लामा चीन को

फूटी आंख नहीं सुहाते। वह उनकी हर गतिविधि

का विरोध करता है। भारत जिस तरह चीन के बेजा

दबाव का प्रतिकार कर रहा है उसे देखते हुए बीजिंग

को यह अहसास हो जाए तो बेहतर कि अब भारत



अंतरराष्ट्रीय मामलों में मोदी सरकार ने अपनी कूटनीति को इस तरह धार दी है कि भारत के हितों पर कोई आंच न आने पाए

रिया के ताजा हालात दुनिया को और अधिक चिंता में डालने वाले हैं। अमेरिका ने सीरिया के खान शेखहुन में विद्रोहियों के प्रभाव वाले इलाके में रासायनिक हमले में करीब सौ लोगों की मौत के बाद वहां पर 59 टॉम हॉक क्रूज मिसाइलें दागीं। यह रूस को नागवार गुजरा और इसी के साथ सीरिया संकट के हल के मामले में अमेरिका और रूस में सहमति की संभावनाएं क्षीण हो गई। रूस सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के पीछे डटकर खड़ा है जबकि अमेरिका असद को समस्या की जड़ मानता है। सीरिया पर अमेरिका एवं रूस के बीच तनातनी बढ़ने के आसार ने विश्व शांति के लिए एक नया खतरा पैदा कर दिया है। यह परिदृश्य पिछले तीन सालों में दुनिया भर में अपनी छाप छोड़ने वाले भारत की भी चिंता बढाने वाला है। फिलहाल भारत सीरिया के संकट से सीधे-सीधे प्रभावित नहीं है, लेकिन आज यदि भारत सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य होता तो वह इस संकट को हल करने में मददगार हो सकता था। सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की भारत की दावेदारी पर लगभग सभी प्रमुख देश सहमत हैं, लेकिन चीन का खैया रोड़ा अटकाने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता संभालने के बाद अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में सक्रियता दिखाने के क्रम में चीन की ओर भी दोस्ती का हाथ बढाया था, लेकिन वह अपने वर्चस्ववादी खैये के कारण किसी अन्य देश के हितों का ध्यान रखने के लिए तैयार नहीं। चीन इस कोशिश में रहता है

सम्मान न मिल सके। चीन का खैया दक्षिण चीन सागर क्षेत्र समेत दक्षिण एशिया और कोरियाई प्रायद्वीप में अशांति का कारण बन रहा है। उसके अड़ियल रुख के कारण दक्षिण और पूर्वी एशिया के कई देश भारत की ओर देख रहे हैं। मोदी इस चुनौती से परिचित हैं और इसीलिए उन्होंने अपनी कूटनीति को इस तरह धार दी है कि भारत के हितों पर कोई आंच न आने पाए। इसी के तहत वह दक्षिणी, पूर्वी और मध्य एशिया के देशों के साथ निकटता कायम कर रहे हैं।

यह तय है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की मौजूदा भारत यात्रा कई देशों का ध्यान खींचेगी। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ती मैत्री दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता का आधार बन रही है। शेख हसीना के स्वागत के लिए प्रधानमंत्री मोदी जिस तरह प्रोटोकाल तोड़कर हवाई अड्डे पहुंचे उससे पता चलता है कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण समझ रहा है। मोदी की कूटनीति का एक महत्वपूर्ण आयाम भारत की लुक ईस्ट नीति है। इसके तहत भारत बांग्लादेश के साथ-साथ म्यांमार, थाईलैंड, इंडोनेशिया, वियतनाम आदि देशों के साथ निकटता बढ़ा रहा है। यह नीति एशिया में चीन के प्रभुत्व को कम करने में महत्वपूर्ण है। चीन दक्षिण चीन सागर में बेहद आक्रामक तरीके से अन्य देशों के समुद्री क्षेत्र पर जिस तरह अपना अधिकार जमाने में लगा हुआ है उससे फिलीपींस, जापान आदि के साथ अमेरिका एवं अन्य प्रमुख देश भी चिंतित हैं। चीन की मनमानी केवल दक्षिण चीन सागर तक ही सीमित नहीं है। वह अराजक



उत्तर कोरिया और आतंकवाद को बढ़ावा देने बांग्लादेश के साथ रिश्तों में मजबूती भारतीय हितों की रक्षा में सहायक बनने के साथ ही भाजपा वाले पाकिस्तान की भी ढाल बना हुआ है। अब तो वह भारत के आंतरिक मामलों में भी हस्तक्षेप को राजनीतिक तौर पर भी रास आने वाली है। करने पर आमादा है। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा जो कथित सेक्युलर बुद्धिजीवी और विपक्षी नेता भाजपा पर मुस्लिम विरोधी होने का ठप्पा लगाते की अरुणाचल की यात्रा पर चीन ने जैसा विरोध दिखाया वह उसके गैरजिम्मेदार खैये की एक रहते हैं उन्हें अपनी सोच बदलनी होगी। वे इसकी बानगी भर है। यह अच्छा हुआ कि भारत ने दो टूक अनदेखी नहीं कर सकते कि भारत बांग्लादेश के तरीके से चीन को यह अहसास करा दिया कि अपने साथ-साथ अरब देशों के साथ भी निकटता कायम आंतरिक मामले में वह किसी भी तरह का हस्तक्षेप कर रहा है। दक्षिण एशिया में भारत और पाकिस्तान बर्दाश्त नहीं करेगा। चीन अरुणाचल पर अपना के बाद बांग्लादेश ही सबसे बड़ा देश है। हक जमाने के साथ उसे विवादित क्षेत्र मान रहा है।

भारत ने पाकिस्तान को दक्षिण एशिया समेत पूरी दुनिया में जिस तरह अलग-थलग करने का अभियान छेड़ रखा है उसे देखते हुए यह आवश्यक है कि बांग्लादेश से करीबी और बढ़े। पाकिस्तान के लिए इससे अधिक शर्मिंदगी की बात और कोई नहीं कि वह अपने आसपास ही अलग-थलग पड़ रहा है। इसका श्रेय मोदी की प्रभावशाली कूटनीति को जाता है। पहले की सरकारों से उलट मोदी सरकार पाकिस्तान को अतिरिक्त महत्व देने को तैयार नहीं। पिछले दिनों आतंकी सरगना मसूद अजहर

पर सुरक्षा परिषद के प्रतिबंध की पहल को चीन द्वारा खारिज किए जाने और पाकिस्तान की ओर से कश्मीर राग अलापे जाने के बाद जब ट्रंप प्रशासन की ओर से ऐसे संकेत दिए गए कि अमेरिका भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता कर सकता है तो भारत ने बिना लाग लपेट यह स्पष्ट किया कि कश्मीर मामले में किसी मध्यस्थता की गुंजाइश नहीं। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संसद में दिए गए अपने बयान में अमेरिका को सीधा संकेत देते हुए पाकिस्तान के समक्ष भी यह स्पष्ट कर दिया कि गिलगिट-बाल्टिस्तान समेत पुरा कश्मीर भारत का है। स्पष्ट है कि मोदी ने इस रुख को और स्पष्ट किया कि कश्मीर मामले मे किसी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं हो सकती यह विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को मिल रही सफलता का ही परिणाम है कि लगभग छह दशव तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस की बोलती बंद है। इतना ही नहीं ममता बनर्जी को छोडकर क्षेत्रीय दलों के वे नेता भी शांत हैं जो अपने संकीण राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए विदेश नीति को भी प्रभावित करने की कोशिश करते थे।

यह निराशाजनक है कि ममता बनर्जी बांग्लादेश के साथ तीस्ता नदी के जल बंटवारे पर अभी भी अड़ियल खैया अपनाए हुए हैं। उन्हें राष्ट्रीय हितो को प्राथमिकता देनी चाहिए, क्योंकि विदेश नीति दल विशेष की नहीं, देश की होती है। यह समय की मांग है कि सभी राजनीतिक दल विदेश नीति पर एकजुट नजर आएं। इससे ही भारत का अंतरराष्ट्रीय कद बढेगा। यदि हमारे राजनीतिक दल आर्थिक नीतियों के साथ-साथ विदेश नीति के मामले में दलगत राजनीतिक स्वार्थों क परित्याग कर सकें तो आने वाले समय में भारत ऐसी अंतरराष्ट्रीय हैसियत अपने आप हासिल क सकता है कि कोई भी देश सुरक्षा परिषद में उसकी दावेदारी का विरोध करने की स्थिति में न रहे। सुरक्ष परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता दक्षिण एशिय के साथ-साथ विश्व शांति के हित में ही होगी।

response@jagran.com

गांधी को दोहराने की दरकार

'मैं कबूल करता हूं कि इससे पहले मैंने चंपारण का कभी नाम भी नहीं सुना था। नील की खेती का भी मुझे कोई अंदाजा नहीं था। मैंने नील के पैकेट जरूर देखें थे, लेकिन कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि हजारों किसानों की कड़ी मेहनत के बाद यह तैयार होता है।' सौ साल पहले गांधी के ये उदुगार चंपारण की गुमनाम पहचान के साथ नील किसानों की दुर्दशा की व्यथा सुनाते हैं। अप्रैल, 1917 में गांधी का चंपारण दौरा न केवल चंपारण के किसानों, बल्कि खुद गांधी के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ। गांधी के अनथक अभियान ने उन्हें दक्षिण अफ्रीकी सत्याग्रही से तुरंत ही चंपारण का चैंपियन बना दिया। गांधी को पटना से मुजफ्फरपुर के रास्ते मोतिहारी पहुंचना था। पटना में पहले पड़ाव के कटु अनुभव को उन्होंने कुछ यूं व्यक्त किया, 'जो सज्जन मुझे यहां लाए उन्हें कुछ अता-पता नहीं। उन्होंने किसी अनजान जगह पर लाकर पटक दिया है। मकान मालिक मौजूद नहीं हैं और सेवक भिखारियों जैसा बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने अपना शौचालय भी इस्तेमाल नहीं करने दिया। अगर ऐसे ही चलता रहा तो लगता नहीं कि मैं चंपारण देख पाऊंगा।' यहां गांधी को लाने वाले चंपारण के किसान राजकुमार शुक्ला थे और वह घर राजेंद्र प्रसाद का आवास

था जो उस समय पुरी गए हुए थे। गांधी मुजफ्फरपुर पहुंचे। वहां तिरहुत आयुक्त से मिले और पूछा कि क्या स्थानीय प्रशासन का सहयोग मिल सकता है ? वहां वकीलों और जेबी कृपलानी ने उन्हें चंपारण के बिगड़ते हालात से रूबरू कराया। 15 अप्रैल को चंपारण पहुंचते ही उन्हें अहसास हुआ कि उनका यह अभियान लंबा चलेगा। अगले ही दिन उन्होंने किसानों से मुलाकात का फैसला किया। हाथी पर सवार गांधी कुछ दूर ही चले होंगे कि उन्हें पुलिस अधीक्षक से वापस लौटने का फरमान मिला। जवाब में गांधी ने कहा कि वह जिला छोड़कर नहीं जाएंगे और इस आदेश की अवज्ञा के लिए सजा को तैयार हैं। उन्होंने वायसराय को पत्र लिखकर प्लांटर्स एसोसिएशन



चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने पर मौजूदा चुनौतियों का गांधी के सिद्धांतों से समाधान ही बापू को सच्ची श्रद्धांजलि होगी



और तिरहुत प्रभाग के आयुक्त की शिकायत की। वायसराय को उन्होंने यह डर भी दिखाया कि वह केसर-ए-हिंद का अपना स्वर्ण पदक लौटा देंगे। 17 अप्रैल को गांधी ने जिला मजिस्ट्रेट के यहां पता लगाया कि उन्हें अभी तक समन क्यों नहीं जारी किया गया। 18 अप्रैल को गांधी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश हुए और अपने लिए सजा मांगी। मजिस्ट्रेट ने हर्जाना लगाने से बचते हुए फैसला तीन बजे तक के लिए टाल दिया। फिर मामला 21 अप्रैल तक मुल्तवी कर दिया गया। गांधी ने कहा कि वह मुश्किल में फंसे नील किसानों की मदद के लिए आए हैं और अंतरात्मा की आवाज पर ही सरकारी आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। 21 अप्रैल को गांधी ने बिहार और उड़ीसा के लेफ्टिनेंट गवर्नर का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनके खिलाफ कार्यवाही रोकने का आदेश देते हुए स्थानीय अधिकारियों को जांच में सहयोग

का निर्देश दिया था। अगले तीन हफ्तों के दौरान किसानों के बयान दर्ज करने का सिलसिला जारी रहा। करीब चार हजार बयान दर्ज किए गए। गांधी को लगा कि बगान मालिक विनम्र तो हैं, लेकिन किसी समझौते के लिए तैयार नहीं। दूसरी ओर बगान मालिक गांधी को बदनाम करने की कोशिशों में जुटे थे। उनकी शिकायत थी कि उनकी आजीविका खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने किसानों और बगान मालिकों के संबंधों की पड़ताल के लिए आयोग बनाने की मांग की। चंपारण में गांधी की मौजूदगी से वहां बन रहे तूफान को भांपने में ब्रिटिश सरकार को देर नहीं लगी। उसने चंपारण जांच समिति गठित कर गांधी को उसमें शामिल होने का न्योता दिया। इन कोशिशों के चलते कुछ ही महीनों में चंपारण कृषि विधेयक, 1917 पारित हुआ। इसने नील किसानों को भारी राहत दिलाई। चंपारण सत्याग्रह ने भारतीय राजनीति की दशा-दिशा ही बदल दी और गांधी को स्वतंत्रता संग्राम के केंद्र में स्थापित कर दिया। भारतीयों ने पहली बार अहिंसा और सहनशील प्रतिरोध की शक्ति का अहसास किया। चंपारण के बाद खेड़ा और अहमदाबाद में भी गांधी ने इसे सफलतापूर्वक सिरे चढ़ाया।

वर्ष 2019 में गांधी की 150वीं जयंती मनाने की तैयारियों के बीच भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार चंपारण सत्याग्रह के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नई दिल्ली में 11 अप्रैल से डिजिटल प्रदर्शनी आयोजित करने जा रहा है। इसमें गांधी के सत्याग्रह जैसे मूल सिद्धांतों को स्वच्छाग्रह जैसे समकालीन , मुद्दों से जोड़ा जाएगा। युवा पीढ़ी को इसकी अहमियत समझने की दरकार है। प्रदर्शनी का मूल मकसद युवाओं को गांधी के 'स्वच्छ भारत' के सपने को पूरा करने में साथ जुटने के लिए प्रेरित करना है, जिसकी अलख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू कर जगाई थी।

(लेखक भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार में महानिदेशक हैं) response@jagran.com



निराशा से बचें

स्वप्न देखना मनुष्य की जन्मजात प्रकृति है। प्रायः वह अपनी क्षमता और स्थिति का भली-भांति आकलन किए बगैर चंचल मन के वशीभूत होकर विविध आकांक्षाओं अथवा कपोल-कल्पित योजनाओं को पूरा करने का स्वप्न देखता रहता है। जब किसी व्यक्ति के मन में कुछ पाने की तीव्र उत्कंठा हो, परंतु उसे प्राप्त करने की शक्ति अथवा परिस्थिति न हो अथवा प्रारब्ध आदि कारणों से उसकी इच्छा अपूर्ण रह जाए, तब मन के भीतर जिस घुटन, बेचैनी या झुँझलाहट का आगाज होता है, वही कुंठा कहलाती है। यह विफलता के कारण मन में उत्पन्न होने वाली घोर निराशा ही है। आर्थिक प्रतिस्पर्धा, मान-सम्मान पाने की अत्यधिक लालसा, परीक्षा में असफलता, यवाओ में प्रेम-प्रसंगों की विफलता आदि असह्य परिस्थितियां हमे कुंठित जीवन जीने के लिए विवश कर देती हैं। शरीर की एड्रीनल ग्रंथियों द्वारा स्नावित एड्रीनलीन हॉर्मोन से तमाम असामान्य लक्षण प्रकट होते हैं। एकांतप्रियता, गुमसुम रहन और नकारात्मक विचार व्यक्तित्व को बंधक बना लेते हैं अनिद्रा के साथ ही मधुमेह, उच्च रक्त चाप जैसी खतरनाक बीमारियों के सिक्रय होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कुंठा की चरमावस्था में आत्महत्या जैसे कुत्सित विचार भी मन को उद्वेलित कर सकते हैं। जीवन प्रकृति की अनुपम भेंट है। 'गीता' में श्रीकृष्ण ने कहा है, तेरा कर्म करने पर ही अधिकार है, उसके फलों पर कभी नहीं। इसलिए लक्ष्य-पूर्ति के लिए किए गए संघर्ष को जीवन की सहज प्रक्रिया मानकर अंगीकार करें और सदैव समझौतावादी दृष्टिकोण अपनाएं। सपनों से नाता न तोड़ें, अन्यथा जीवन नीरस हो जाएगा, परंतु अपनी आकांक्षाओं को सीमित कर क्षमताओं की सीमा का अतिक्रमण न होने दें। कुंठा जीवन की प्रबल शत्रु है। कुंठा से व्यक्ति की उपलब्धियां, गुण और प्रतिभा कमजोर होती है। इसलिए हमेशा सकारात्मक सोच रखें व्यायाम, संतुलित आहार,संयमित दिनचर्या और योगाभ्यास को अपनाकर कुंठा से काफी हद तक बचा जा सकता है प्रकृति के साथ समय बिताएं। पारस्परिक ईर्ष्या और द्वेष से सर्वथा बचते हुए 'हानि-लाभ, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ' की उक्ति पर भरोसा रखें और 'हारिए न हिम्मत् बिसारिए न राम' की सार-गर्भित सूक्ति को हृदयंगम करते हुए कुंठा को परास्त करने के लिए सतत प्रयासशील रहें।















डॉ. मुमुक्षु दीक्षित

मुकुल व्यास

मंगल ग्रह का वायुमंडल कभी पृथ्वी जैसा घना था लेकिन सौर पवन और अल्ट्रा वॉयलेट किरणों की वजह से इसका अधिकांश भाग अंतरिक्ष की भेंट चढ़ गया। मंगल इस समय एक ठंडा रेगिस्तान है। तरल जल जीवन के लिए अनिवार्य है, लेकिन आज वह मंगल की सतह पर स्थिर नहीं है, क्योंकि उसका वायुमंडल बहुत पतला और ठंडा है। पिछले शोध में इस बात के ठोस प्रमाण मिल चुके हैं कि मंगल पर किसी समय लबालब पानी था। उसकी सतह पर मौजूद सूखी नदियों जैसी संरचनाएं और खनिज सिर्फ पानी की उपस्थिति में ही निर्मित हो सकते थे। इससे पता चलता है कि मंगल का वायुमंडल अतीत में बहुत घना था और वहां बड़े-बड़े समुद्र थे जिन्होंने अरबों वर्ष पहले जीवन को पोषित किया होगा। यह संभव है कि मंगल के इतिहास के आरंभ में वहां जीवाणुओं के रूप में जीवन पनपा हो। मंगल के ठंडा और शुष्क होने के बाद यदि कोई जीवरूप बचा होगा तो उसने भूमिगत ठिकानों या सतह के नखलिस्तानों में शरण ले ली होगी। किसी ग्रह के वायुमंडल में कई तरह से कमी आ सकती है। उदाहरण के तौर पर

मंगल का वायुमंडल बहुत घना था और वहां समुद्र था जिसने अरबों वर्ष पहले जीवन को पोषित किया होगा। संभव है कि शुरुआत में वहां जीवाणुओं के रूप में जीवन पनपा हो

वक्त के साथ बदला मंगल का रूप

रासायनिक क्रियाओं के कारण कोई गैस सतह की चट्टानों में गिरफ्त हो सकती है या किसी ग्रह के मूल तारे से आने वाला रेडिएशन और सौर पवन ग्रह को उसके वायुमंडल से वंचित कर सकता है। नए नतीजों से पता चलता है कि सौर पवन और रेडिएशन की वजह से मंगल को वायुमंडलीय क्षति झेलनी पड़ी। इसी क्षति ने कालांतर में मंगल की जलवायु को परिवर्तित कर दिया।

यह जानने के लिए कि मंगल के वायुमंडल में कितना बदलाव हुआ है, वैज्ञानिकों ने नासा के मावेन मिशन द्वारा भेजे गए आंकड़ों का विश्लेषण किया। उन्होंने खास तौर पर आर्गोन गैस पर अपना ध्यान केंद्रित किया जो किसी अन्य तत्व के साथ रासायनिक क्रिया नहीं करती। ताजा विश्लेषण में आज के वायुमंडल के आंकड़ों के आधार पर पहली बार यह अनुमान लगाया गया है कि कालांतर में कितनी गैस बाहर निकली।

आर्गोन गैस की क्षति के आंकड़ों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मंगल से लुप्त होने वाली उन दूसरी गैसों की मात्रा का भी हिसाब लगाया जो आर्गोन गैस की ही भांति वायुमंडल से गायब हुई थी। उनके अध्ययन से पता चलता है कि कार्बन डाइऑक्साइड की मौजूदगी से मंगल का वायुमंडल काफी घना था। मंगल पर इस गैस का वायुमंडलीय दबाव लगभग पृथ्वी पर हवा के वायुमंडलीय दबाव के बराबर ही था। कार्बन डाइऑक्साइड एक 'ग्रीनहाउस' गैस है। दूसरे शब्दों में यह गैस ऊष्मा को बाहर जाने से रोक कर ग्रह को गर्म रखने में मदद करती है। वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड का ओझल होना दर्शाता है कि अतीत में आवास योग्य रही मंगल की सतह आज रहने के लिए अयोग्य क्यों हो गई। मंगल के वायुमंडल के पतला होने के कारणों को जानने के अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसी अनेक प्रक्रियाओं की पहचान की है जो दूसरे तारों के इर्द-गिर्द मौजूद ग्रहों की आवास योग्यता को समझने में मददगार होंगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

सदमे का लंबा दौर

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारी सदमा लगने के बाद कांग्रेस में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा। पार्टी की भावी दशा-दिशा पर नेतृत्व के अनिर्णय की स्थिति के बीच कुछ पुराने दिग्गज विपक्षी खेमे में कांग्रेस की भूमिका में जान फूंकने को लेकर बेचैन हैं। खासकर राज्यसभा में जहां

कांग्रेस दूसरे विपक्षी दलों के साथ सरकार के मुकाबले बहुमत में हैं। मगर दिक्कत यह है कि जब भी अहम मुद्दों पर चर्चा में बोलने की बारी आती है तो अधिकांश मौकों पर माइक आनंद शर्मा ही थाम लेते है। इस

हफ्ते जब जीएसटी विधेयकों पर हुई चर्चा में यही मंजर नजर आया तो इस पर पी चिदंबरम और कपिल सिब्बल जैसे कुछ दिग्गज बिफर पड़े। सवाल उठाए गए कि सदन में वही नेता आगे रहते हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा। राज्यसभा में नेता विपक्ष गुलाम नबी आजाद से भी इसकी शिकायत की गई, मगर उन्होंने भी शर्मा को बोलने से रोक पाने में अपनी असमर्थता जाहिर की। तभी पार्टी के नेता रणनीतिक प्रबंधन की इस हालत को कांग्रेस के सदमे से बाहर नहीं आने को लेकर गुपचुप बातें कर रहे हैं।

बेबस डाक विभाग

मौजूदा सरकार के शुरुआती दौर में सुर्खियों में आया डाक विभाग फिर से गुमनामी का शिकार हो गया है। यहां तक कि

राजरंग

डाक विभाग के अधिकारी खुद इस बात को महसूस कर रहे हैं कि बीते एक साल में देश में हुई गतिविधियों में विभाग की भूमिका को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। डाक विभाग और डाकघरों के आधुनिकीकरण से लेकर उसके बैंक बनने और लोगों के घरों तक गंगाजल पहुंचाने जैसी उसकी सभी परियोजनाओं की रफ्तार सुस्त पड़ गई है। सरकार के तीन साल के कामकाज को बताने की अब जब बारी आई है और विभाग को भी अपने काम का ब्योरा देना है। इसकी तैयारी में ही विभाग के अधिकारी परेशान हैं, क्योंकि मामला कुछ-कुछ 'नौ दिन चले अढाई कोस' वाला बन गया है। अब उनकी पेशानी पर इसी बात को लेकर बल पड़े हैं कि प्रधानमंत्री के समक्ष किन उपलब्धियों का बखान करेंगे?

बोर्ड की बेचारगी

रेलवे विकास प्राधिकरण की मंजुरी के साथ ही रेलवे बोर्ड की रही सही हैसियत भी खत्म होने के कयास लगाए जाने लगे हैं। यह प्राधिकरण किराये-भाड़े से लेकर सेवाओं के स्तर और गणवत्ता तथा शिकायतों की निगरानी जैसे बोर्ड के तमाम कार्य करेगा। ऐसे में रेलवे बोर्ड के पास नीतियां बनाने और निर्णयों को लागू करने के अलावा कोई काम नहीं बचेगा। प्राधिकरण के चेयरमैन और सदस्यों के आगे रेलवे बोर्ड चेयरमैन और सदस्यों की कोई हैसियत नहीं रहेगी। कामचलाऊ चेयरमैन की नियुक्ति से रेलवे बोर्ड की हालत पहले ही खस्ता है। जीएम तो छोड़िए, डीआरएम तक बोर्ड की नहीं सुनते। पहले रेलवे बोर्ड में चेयरमैन, सदस्य की नियुक्ति को बेहद अहम माना जाता था। मगर अब नए सदस्य कब आते और विदा ले जाते हैं, यह

मालुम ही नहीं पड़ता। रेल बजट के विलय के बाद रेल मंत्रालय का महत्व भी पहले जैसा नहीं है।रेल भवन के गलियारों में ये चर्चाएं आम हैं कि भविष्य में शायद ही कोई रेल मंत्री या रेलवे बोर्ड का चेयरमैन बनना चाहेगा।

मोदी–शैली का विस्तार

जब से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने हैं तबसे केंद्र के मंत्रियों की दशकों से चली आ रही कार्यशैली भी बदल सी गई है। दिल्ली में हुए इस नाटकीय बदलाव का असर

उत्तर प्रदेश में बनी भाजपा सरकार तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंत्रिपरिषद में मंत्री बने कई नेताओं को यह अहसास नहीं था कि उन्हें भी ऐसी ही सख्ती झेलनी पड़ेगी। जिन मंत्रियों के घर दिल्ली एनसी आर में हैं या फिर जो लंबे समय से यहां रहते आए हैं, उन्हें तो और ज्यादा

समस्या हो गई है। खुद मुख्यमंत्री अगर काम के लिए 18-19 घंटे लगा रहे हों तो ऐसे में मंत्रियों के लिए समय निकाल पाना काफी मुश्किल काम है। मंत्रियों के लिए अपने पुराने मित्रों से दिल्ली में मिलने आना तो दूर अपने परिवार के लिए भी समय निकालने में भी मशक्कत करनी पड़ रही है। ऐसे में मंत्री बने नेता जरूर अपने पुराने दिनों को याद कर रहे होंगे और साथ ही यह भी सोच रहे होंगे कि इतनी मशक्कत करने के लिए ही क्या उन्होंने मंत्री बनने की कामना की थी।

फल

9 अप्रैल 2017

दंनिक जागरण

अनंत विजय

दो हजार सोलह में प्रकाशित कृतियों पर



पर यतीन्द्र मिश्र की किताब, लता सुर-गाथा को मैंने हिंदी में प्रकाशित साल की सबसे बड़ी किताब बताई थी तो कई

था। लोकसभा टीवी के उस कार्यक्रम में मैंने यह कहा था कि जिस तरह से हर साल कोई एक बडी फिल्म आती है और परिदृश्य पर छा जाती है उसी तरह से वर्ष दो हजार सोलह में प्रकाशित ये बड़ी किताब लता सुर-गाथा है जो हिट भी रही है। इस किताब को मैंने पढ़ा था और मेरी पाठक बुद्धि कह रही थी कि इस कृति को व्यापक स्वीकार्यता मिलेगी और इसके लेखक को पर्याप्त यश। इस सोच के पीछे हिंदी में इस तरह की फिल्म में गंभीर किताब की कमी का होना थी। हिंदी में फिल्मों पर ज्यादातर किताबें लेखों का संग्रह आदि है। अब लता सुर-गाथा को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में किताबों की श्रेणी के लिए स्वर्ण कमल के लिए चुना गया है तब यह बात साबित होती है कि यतीन्द्र मिश्र की किताब दो हजार सोलह की सबसे बड़ी हिट रही।

फिल्मों से संबंधित किताबों पर दिए जाने वाले राष्ट्रीय पुरस्कार की चयन समिति की अध्यक्ष वरिष्ठ फिल्म पत्रकार भावना सोमैया थीं। उनके अलावा प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार और एक और शख्स मोहन रमन जूरी के सदस्य थे। इनके सामने अंग्रेजी के अलावा भारतीय भाषाओं में लिखी गई करीब तीन दर्जन किताबें थीं जिनके बीच से चयन समिति ने यतीन्द्र मिश्र की किताब लता सुर-गाथा को सर्वसम्मति से पुरस्कार के लिए चुना। इस पुरस्कार के तहत लेखक और प्रकाशक दोनों को पचहत्तर हजार रुपये और स्वर्ण कमल दिया जाएगा। लता सुर-गाथा को वाणी प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। जुरी ने लता सुर-गाथा के बारे मे कहा कि यह किताब लगा मंगेशकर की सत्तर साल की संगीत यात्रा का भारतीय सिनेमा पर प्रभाव को चित्रित करता है और लेखक यतीन्द्र मिश्र उसको पकड़ने में कामयाब रहे हैं। लता की इस लंबी सुर यात्रा का फिल्मों पर पडे प्रभाव को भी इस किताब में शिद्दत से रेखांकित किया गया है। इस बार जूरी के सदस्यों के बीच इस पर भी एक राय बनी कि किताबों के चयन के लिए कोई प्रणाली बनाई जानी चाहिए जिसमें कृतियों की गहन पड़ताल की जा सके।

तय ये हुआ कि इस बारे में ये तीनों मिलकर सूचना और प्रसारण मंत्रालय को अपना सुझाव भेजेंगे। अब जरा लता सुर-गाथा की बात कर ली जाए। यह किताब यतीन्द्र मिश्र के लगभग आजकल

वर्षों की मेहनत को मिला सम्मान

दुनिया को अब हिंदी का विशाल बाजार नजर आ रहा है, लिहाजा इस भाषा में निवेश की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं।अभी हाल ही में वाणी प्रकाशन के निदेशक अरुण माहेश्वरी को लंदन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज ने बिजनेस एक्सीलेंस पुरस्कार प्रदान किया । यह पहली बार है किसी हिंदी के प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड में सम्मानित किया गया हो । यह गौरव की बात है कि हिंदी के किसी श्रेष्ठ प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड सम्मानित कर रहा है



प्रसंग है यह। इस तरह के कई प्रसंग इस किताब 🖊 में हैं। इस किताब में यतीन्द्र की लता मंगेशकर से दिया जा रहा है। क्यों ? इसपर भी विचार किया बातचीत जितनी महत्वपूर्ण है उतनी ही महत्वपूर्ण जाना चाहिए। है यतीन्द्र द्वारा सिखी गई करीब पौने दो सौ पृष्ठों में लता की सुर यात्रा। इस खंड में लेखक ने लता मंगेशकर के विकास को, उनकी सुर साधना को रेखांकित किया है। इस खंड को पढ़ने के बाद

विषयों पर लिखते हैं। राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में दो हजार पांच के बाद यानी बारह साल बाद किसी हिंदी की कृति का चयन किया गया है। दो हजार पांच में शरद दत्त की कूंदन लाल सहगल पर लिखी किताब 'कुंदन' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था। इसके पहले दो हजार तीन में उनकी ही किताब 'ऋतु आए, ऋतु जाए' को नेशनल अवॉर्ड मिला था। यह किताब संगीतकार अनिल विश्वास की

लेखक की संगीत की समझ का भी अहसास

होता है। हिंदी में बहुत कम लेखक ऐसे हैं जो इन

जिंदगी पर लिखी गई है। चौंसठ फिल्म पुरस्कारों में से सिर्फ तीन हिंदी की कृतियों को फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया है और दो हिंदी फिल्म समीक्षकों को ये प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला है, ब्रजेश्वर मदान और विनोद अनुपम को। विनोद अनुपम को दो हजार दो में फिल्म समीक्षा का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था और उसके बाद से पंद्रह साल हो गए लेकिन किसी हिंदीं के लेखक को फिल्म समीक्षा का नेशनल अवॉर्ड नहीं मिल पाया है। क्यों? इस बात पर विचार किया जाना चाहिए। फिल्मों से जुड़ी हिंदी में लिखी

गई किताब पर भी एक युग के बाद पुरस्कार

हिंदी के लिए हालांकि यह बेहद अच्छी स्थिति है। पिछले दो तीन सालों मे हिंदी में काम भी अच्छा हुआ है और उत्साह का माहौल भी बना है। राष्ट्रीय स्तर पर भी और अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी। पूरी दुनिया को अब हिंदी का बडा बाजार नजर आ रहा है, लिहाजा हिंदी में निवेश की संभावनाएं भी तलाशी जा इस रही हैं। पिछले दिनों वाणी प्रकाशन के निदेशक अरुण माहेश्वरी को लंदन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज ने बिजनेस एक्सीलेंस अवॉर्ड से नवाजा।ऐसा पहली बार हुआ कि किसी हिंदी के प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड में सम्मानित किया गया हो। इस मौके पर ऑक्सफोर्ड बिजनेस कॉलेज के चेयरमैन प्रोफेसर स्टीव ब्रिस्टो ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और भारतीय भाषाएं इस विविधता को आगे बढ़ाती हैं। उनके लिए यह गौरव का विषय है कि भारतीय भाषाओं में प्रमुख भाषा हिंदी के श्रेष्ठ प्रकाशक को ऑक्सफोर्ड सम्मानित कर रहा है। प्रोफेसर स्टीव ब्रिस्टो ने भारत में भाषा के बड़े बाजार को भी रेखांकित किया और कहा कि भारत भाषायी रूप से सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था का सोपान है।

यह हिंदी के लिए भी गौरव की बात है कि उस भाषा के प्रकाशक को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल रही है। पूरी दुनिया की नजर इस वक्त भारत के भाषाई बाजार पर लगी है और उनको लगता है कि हिंदी और अन्य बारतीय

रचनाकर्म

भाषाओं के माध्यम से इस बाजार पर पकड़ बनाई जा सकती है। आपको याद होगा कि जब उन्नीस सौ इक्यानवे में भारत में आर्थिक उदारीकरण की शुरुआत हुई थी तब भारत में पूरी दुनिया की बहुराष्ट्रीय कंपनियों को संभावनाएं नजर आने लगी थीं। सौंदर्य प्रशाधन उत्पाद से लेकर अन्य तमाम तरह की चीजों के लिए जब बाजार ख़ुले तो उन्नीस सौ चौरानवे में भारत की सुष्मिता सेन के मिस युनिवर्स और ऐश्वर्या राय को विश्व सुंदरी चुना गया था। उसके छह साल बाद भारत से ही लारा दत्ता और प्रियंका चोपड़ा मिस यूनिवर्स और विश्व सुंदरी चुनी गई थीं।यह

सब बाजार तय कर रहा था। राष्ट्रीय पुरस्कार बारह साल बाद हिंदी की किताब और ऑक्सफोर्ड में हिंदी के प्रकाशक को सम्मानित किए जाने की घटना को जोड़कर देखते हैं तो यह बाजार में हिंदी की धमक के तौर पर नजर आती है। कुछ लोगों को यह दलील या यह आकलन दूर की कौड़ी लग सकती है लेकिन बाजार के अपने कायदे कानून होते हैं जिसको समझने की जरूरत होती है। बाजार उसपर ही अपना दांव लगाता है जिसमें उसको संभावना नजर आती है। और इस वक्त हिंदी से ज्यादा संभावना किसी और दूसरी भाषा में पूरी दुनिया में नहीं है। यह बाजार का ही दबाव है कि ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस भी अब हिंदी में पस्तकें प्रकाशित करने लगा है। जरूरत इस बात की है कि हिंदी बाजार का इस्तेमाल

(लेखक स्तंभकार हैं)

फिर से / बिपिन बिहारी दुबे

गुम हो गई उस मेले की रौनक

नातन धर्म में कार्तिक का महीना पावन और सबसे ज्यादा त्योहारों का होता है। हमारे बिहार में यह और खास इसलिए बन जाता है क्योंकि इस महीने में ही वहां का सबसे लोकप्रिय पर्व छठ आता है। हमारे गांव जवार के मनई लोगों के लिए यह महीना और भी खास होता था। जब कार्तिक पूर्णिमा के बाद मेरे गांव से चार किलोमीटर दूर अर्जुनपुर में चटनिया मेला लगता था, जो आश्वन मास के अमावस (पीड़िया) तक चलता था। (पीड़िया बिहार और यूपी के पूर्वांचल में बहनों का त्योहार है। एक महीना तक चलने वाले इस पर्व में बहनें अपने भाई की सुरक्षा के लिए व्रत करती हैं।)

चटनिया मेला के शुरू होने से पहले पास

के ही सहियार में पशुओं का मेला भी लगता था, जिसका इंतजार सभी लोग बहुत बेसब्री से करते थे। अपनी पुरानी गाय-भैंस को बेचकर नया लाना हो या नया खरीदना हो। हम बच्चों को इस मेले से बहुत ज्यादा लगाव नहीं होता था। बस हम यह पता लगाने में रहते थे कि इस बार मेले की सबसे महंगा गाय, भैंस और घोड़ा कितने का बिका? और ये रिकॉर्ड अगले साल तक टूटेगा या नहीं ? पशुओं का मेला तीन दिन तक चलता था। उसके तुरंत बाद 'चटनिया मेला' शुरू होता था। यह मेला अपने जलेबी के लिए बहुत मशहूर था। इस मेले की गुड़हिया जलेबी का स्वाद कहीं और की जलेबी में नहीं था। दादी कहती थी कि 'पहले जलेबी सिर्फ इस मेले में ही मिलती थी। क्योंकि तब हमारे गांव के आसपास में कोई बाजार नहीं था।' मेले के दिनों में आने वाले रिश्तेदार भी जलेबी ही लाते थे। जलेबी के अलावा छोला और फूचका यानी गोल गप्पा इस मेले के आकर्षण थे। हम बच्चों के लिए चरखी वाला, नाव वाला, हेलिकॉप्टर वाला आदि झूलों के साथ नाग-नागिन का खेल, जादू, मौत का कुआं आदि रिझाने की सामग्री मौजूद हुआ करती थीं। कुछ साल बाद वीसीआर के माध्यम से सिनेमा दिखाया जाने लगा। तंबू में जो सिनेमा चलता था उसकी एक रंगीन (मार-धाड़ से भरपूर) तस्वीर दरवाजे पर लगी रहती थीं। मैं भी वह सिनेमा देखने जाता था लेकिन मार-धाड़ वाली फिल्में मुझे कुछ खास पसंद नहीं थीं। मेले में कुछ फोटो स्टूडियो की दुकानें

में आने वाली लड़िकयों का सबसे जरूरी काम था। इसके अलावा 'मीना बाजार' जिसमें लड़िकयों के सौंदर्य सामग्री मिलती थी। ये दोनों ही जगह मुझे मेले की सबसे थकाऊ हिस्सा लगती थीं। क्योंकि जब मैं बहुत छोटा था तो दादी और दीदी के साथ मेला जाया करता था। दीदी ज्यादातर अपनी सहेलियों के साथ मीना बाजार और फोटो स्टूडियो के आसपास ही घुमती थी। मैं कहीं गुम न हो जाऊं इसलिए वह मेरा हाथ पकड़े घुमाती रहती थी। मेले में एक लंबे से बांस पर ढेर सारी बांसुरी लिए बेचने वाले घुमते रहते थे। वह चलते चलते बांसुरी बजाते भी रहते थे। मुझे भी उनको सुनकर बांसुरी बजाने का मन होता था पर ज्यादा महंगी होने के कारण कभी ले नहीं पाया। तब हम भाई-बहन घर से 20-30 रुपये लेकर मेला जाते थे। उसमें चाट खाना, झूला झुलना और घर के लिए जलेबी लेकर आना सब होता था। जलेबी खाने का सबसे बढ़िया अवसर तब आता था जब मेला अपने उचाट(समाप्ती) पर होता था। मम्मी खास कर दुकानदारों से डील करने के लिए उपाय बता कर भेजती थीं। दुकानदार से बोलना कि 'भइया अब त मेला खतम होता अब तहार जलेबी के खाई देव त दे द बारह रुपया किलो (तब जलेबी 16 रुपये किलो हुआ करती थी। अक्सर मम्मी का दिया शस्त्र सफल हो

भी लगती थीं। इसमें फोटो खिंचाना मेले

धीरे-धीरे अर्जुनपुर, नियाजीपुर, दुल्लहपुर में एक स्थायी बाजार बन गया जो कुछ समय बाद मेले से भी बड़ा हो गया। अब वहां जलेबी साल भर मिलने लगी। हर जरूरत के सामान उस बाजार में मिलने लगे हैं। मेले की प्रासंगिकता समाप्त हो गई। इस तरह एक ऐसा मेला जो साल में एक बार आता था और पूरे क्षेत्र के लोगों के जीवन में उत्साह और खुशियों के रंग भर कर जाता था। लेकिन वक्त ने उस मेले को किस्सों-कहानियों लपेट कर हमारी जेहन के किसी कोने में उसे तन्हा छोड़ दिया है। अब वहां बहुत बड़ी-बड़ी दुकानें खुल गई हैं। भीड़ हर रोज मेले से भी ज्यादा होने लगी है। लेकिन वह मेले वाली रौनक और उत्साह अब कहीं

नजर नहीं आता। (लोकजन स्वर ब्लॉग से साभार)

ट्वीट-ट्वीट

देश में ऐसे कितने फकीर हैं जो चार करोड़ रुपये वाला वकील रखें, बेंगलुरु के सात सितारा अस्पताल में इलाज कराएं और पीएम से ज्यादा सैलरी लें।ढूंढ़ो!

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री हसीना तीसरी ऐसी नेता हैं जिनकी पीएम ने हवाई अड्डे पर आगवानी की।ओबामा और सऊदी अरब के

व्यापार असंतुलन को दुरुस्त करने के लिए



योजना की दरकार है।

ब्रह्मा चेलानी@Chellaney

जब से दिल्ली में हमने हाउस टैक्स खत्म करने का ऐलान किया है तब से एक के बाद एक झूटे बेबुनियाद आरोप लगाकर बदनाम करने की साजिश चल रही है। मनीष सिसोदिया@msisodia

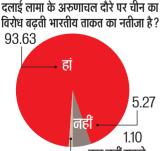
खुशी के लिए काम करोगे तो खुशी नहीं मिलेगी, लेकिन खश होकर काम करोगे तो खुशी और सफलता दोनों ही मिलेंगी।

बबीता फोगाट@BabitaPhogat युं असर डाला है मतलबपरस्ती ने दुनिया पर कि हाल भी पूछो तो लोग समझते हैं कोई

प्रभु चावला @PrabhuChawla

पुष्पा का एक अलग स्थान है। उन्होंने ड्रॉइंग रूम में बैठकर नहीं, बल्कि जंगलों-बीहड़ों की खाक

जागरण जनमत कल का परिणाम



सभी आंकड़े प्रतिशत में। — कह नहीं सकते

सीरिया पर अमेरिकी हमले ने रूस और अमेरिका में युद्ध सरीखे हालात पैदा कर दिए हैं ?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर Y, N या C लिखकर 57272 पर भेजें Y -हां, N-नहीं, C-कह नहीं सकते

परिणाम एसएमएस से प्राप्त नतीजों के साथ जागरण इंटरनेट संस्करण के पाढकों का मत है।

जनपथ

जलवा दिल्ली में जमा घर-घर पहुंचे 'आप', दिन गर्दिश के आ गए बे–घर हुए जनाब। बेघर हुए जनाब करो कार्यालय खाली, जमा करो अब जल्द मियां बंगले की ताली । हैं इक ओर चुनाव घिस रहे भाई तलवा, दूजे गिरता जाय दिनोंदिन उनका जलवा । – ओमप्रकाश तिवारी

यादों के गलियारे में बसे राजेंद्र यादव सुरेंद्र पूनिया@MajorPoonia गों के बीच राजेंद्र यादव की छवि सर्वाधिक विवादित लेखक-संपादक युवराज के लिए भी वह ऐसा कर चुके हैं। दीपांजन आर चौधरी@DipanjanET की थी, तो मैत्रेयी पुष्पा के लिए वे उनके लेखन को संवारने और धार देने वाले गुरु थे। 'वह सफ

टंप की सौ दिवसीय र था कि मुकाम था' में मैत्रेयी पुष्पा ने अपनी योजना पर वार्ता के यादों को टटोलकर जो बातें बताई हैं, उससे लिए शी चिनफिंग राजेंद्र यादव की संपादकीय नजर, 'हंस' पत्रिका सहमत हो गए हैं। के प्रति उनके समर्पण, उनकी जिंदादिली और भारत को भी चीन हाजिरजवाबी के साथ-साथ उनके व्यंजन प्रेम के साथ लगभग 60 के बारे में भी पता चलता है। लेखिका ने उनके

> कोई दो राय नहीं कि हिंदी साहित्य में राजेंद्र यादव की हस्ती कद्दावर संपादक की थी, क्योंकि अपने बलबूते उन्होंने 'हंस' को असीम प्रतिष्ठा दिलाई। उनके जाने के बाद अब तक कोई भी उनका स्थान नहीं ले पाया है। जहां एक ओर वरिष्ठ साहित्यकार अपने आभामंडल के आगे किसी युवा लेखक को रत्ती भर भी भाव नहीं देते, वहीं राजेंद्र यादव न सिर्फ नए लेखकों

को हंस के माध्यम से लिखने का अवसर देते,

बल्कि उनके लेखन को सजाने-संवारने में

अहम योगदान भी देते। कथा लेखन में मैत्रेयी

छानकर 'अल्मा कबतरी' जैसा उपन्यास पाठकों

को दिया। इसके पीछे राजेंद्र यादव का बहुत बड़ा

सान्निध्य में न सिर्फलेखनशैली विकसित की.

बल्कि उन्हें बहत करीब से जान भी पाईं।

कथा-लेखन की शुरुआत की। उन्होंने माना है कि शुरुआत में उनकी कच्ची-पक्की कहानियों को राजेंद्र यादव सही रूप देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ते थे। जब भी उनका उपन्यास प्रकाशित होता, वे उनके लिखे के लिए प्रशंसा के दो शब्द जरूर कहते। राजेंद्र यादव जैसे संपादक का किसी लेखक की तारीफ करना खुद में बड़ी बात थी, वह भी किसी स्त्री की, यह बात कुछ साहित्यकारों के गले नहीं उतरी। उन लोगों ने न सिर्फ मैत्रेयी के लेखन के बारे में, बल्कि उन दोनों को लेकर भी तरह-तरह की बातें बनाईं। कुछ ने कहा, मैत्रेयी सिर्फ रॉ मटीरियल उनके सामने रख देती हैं और राजेंद्र यादव उसे सजा-संवार कर पठनीय बना देते हैं। आज उन्हें गए हए तीन वर्ष से भी अधिक समय बीत चुका है और मैत्रेयी पुष्पा का लेखन भी निरंतर जारी है। उनके उपन्यास वैसे ही पसंद किए जा रहे हैं, जैसे

पहले किए जाते थे। लेखिका बताती हैं कि राजेंद्र यादव उनके लिए गुरु समान थे, पर वे मैत्रेयी को अपनी सखी-सहेली मानते थे। वे अपनी निजी जिंदगी के कई किस्से भी समय-समय पर उनसे साझा करते। कई खट्टे-मीठे संस्मरणों को उन्होंने 'वह सफर था कि मुकाम था' किताब में संजोया है। मैत्रेयी अपने संस्मरण में बताती हैं कि राजेंद्र यादव अपाहिज थे। अपनी आंखों की कमजोरी को उन्होंने काले चश्मे के भीतर छुपा लिया था। शारीरिक सौष्ठव भी कुछ

मैत्रेयी पुष्पा की संस्मरणात्मक कृति 'वह सफर था कि मुकाम था' हिंदी साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले संपादक और लेखक राजेंद्र यादव के जीवन और व्यक्तित्व के कई अनदेखे पहलुओं को उजागर करता है। लेखिका ने निष्पक्ष होकर उनके बारे में लिखा है . . .

पुस्तक: वह सफर था कि मुकाम था लेखक: मैत्रेयी पुष्पा **मूल्य :** 395 रुपये

प्रकाशन: राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

खास नहीं था, लेकिन उनके पास करिश्माई व्यक्तित्व जरूर था। तभी तो लेखन सीखने वाली यवा लेखिकाएं मधुमिकखयों की तरह उनके आस-पास मंडराया करतीं। राजेंद्र जी भी दूध के धुले नहीं थे। स्त्री-विमर्श की शुरुआत करने वाले राजेंद्र यादव इस स्थिति का खूब फायदाउठाते! उनकी इश्कमिजाजी की कहानियां खूब गूंजा करतीं। जब लोग उन्हें और राजेंद्र जी को लेकर बातें बनाते, तो लेखिका चिंतित हो जातीं। उस समय उनका स्त्री-स्वभाव जाग्रत हो जाता और उन्हें लगता कि इन किस्सों से उनका घर-परिवार भी प्रभावित होगा। ऐसा नहीं है कि उनके घरवाले या पति प्रभावित न

हुए हों। कई बार राजेंद्र जी और उनके किस्सों को लेकर उनके पति डॉक्टर साहब क्रोधित भी हए और उन्हें 'हंस' कार्यालय या राजेंद्र यादव के साथ गोष्ठियों में नहीं जाने की सलाह भी दी, पर धुन की पक्की लेखिका को राजेंद्र जी के झुठे-सच्चे किस्सों या व्यवहार से कुछ लेना-देना नहीं था। वे उनके पास तो लेखन के गुर सीखने जाती थीं। 'गोमा हंसती है' उपन्यास में जब लेखिका को कहानी का अंत समझ में नहीं आ रहा था, तो राजेंद्र जी की सलाह पर ही कहानी का अंत खोजने अपने गांव चली गईं। वे मानती हैं कि राजेंद्र जी के चरित्र पर चाहे जितने कीचड़ उछाले जाते हों, लेकिन लेखिका को

तह रापत था कि मुकाम था

और उनके परिवार ने उनकी बीमारी का जिम्मा उठाया हुआ था। पति सहित पूरा परिवार डॉक्टरी पेशे में होने के कारण वक्त-बेवक्त उनकी मदद किया करता। राजेंद्र जी खुले दिलवाले थे। हंसी-मजाक और हाजिरजवाबी उनके व्यक्तित्व को जिंदादिल बना देती। लेखिका यह बताने से जरा भी परहेज नहीं करती हैं कि स्त्री स्वतंत्रता के सबसे बड़े हिमायती के रूप में खुद को पेश करने वाले राजेंद्र यादव को वे खुद स्त्री-शोषक के रूप में ही देखती थीं। राजेंद्र जी को लेकर सिर्फअच्छी बातें ही नहीं, कडवी यादें भी में हैं। एक बार विभति नारायण

सिखाने का काम वे बडे मनोयोग से करते।

भावनात्मक लगाव होने के कारण लेखिका

राय ने एक पत्रिका में लेखिकाओं पर अभद्र टिप्पणी की, तो अन्य लेखिकाओं सहित उन्हें भी यह बात बेहद नागवार लगी। जब अपना विरोध प्रकट करने के लिए वे सड़क पर उतर गईं, तो राजेंद्र यादव विद्रोह खत्म करने का दबाव बनाने लगे। उनकी सलाह नहीं मानने पर उन्होंने उनसे कई महीनों तक बोलचाल बंद करने के साथ-साथ उनके खिलाफ 'हंस' में संपादकीय तक लिख दिया। अंतिम अध्याय 'वह सफर था कि मुकाम था' में राजेंद्र यादव से मनमुटाव का खत्म होना, उनकी आंखों का इलाज और अंत में उनकी मृत्यु का समाचार निश्चित ही पाठकों की आंखों को भी गीला कर देगा। राजेंद्र यादव और मैत्रेयी पुष्पा के कथामय संसार से वे खुद को बमुश्किल बाहर ला पाएंगे।

एक मनीषी के संपूर्ण मूल्यांकन की कोशिश

आगरा स्थित भारत सरकार का केंद्रीय हिंदी संस्थान त्रैमासिक पत्रिका 'गवेषणा प्रकाशित करता है। 'गवेषणा' का ताजा अंक महापंडित राहुल सांकृत्यायन जैसी प्रतिभा वाले समकालीन मनीषी और अप्रतिम निबंधका

गवेषणा संपादक नंदिकशोर पांडेय प्रकाशक केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा-5

250 रुपये

रचनात्मकता के विभिन्न पक्षों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया है 'पं. विद्यानिवास मिश्र विशेषांक

पंडित विद्यानिवास

मिश्र पर केंद्रित

उनकी बहुमुखी

जिसमे

का आरंभ प्रख्यात संपादक और आलोचक शिवनारायण के आलेख 'लोक संस्कृति का सौंदर्य' से हुआ है, जिसमें उन्होंने पं. विद्यानिवास मिश्र के सन 1953 में प्रकाशित ललित निबंधों के संग्रह 'छितवन की छांह' पर आत्मीयता से डूबकर लिखा है। 'गवेषणा' के इस विशेषांक का आरंभ ही जब इतना शानदार है तो पूरे अंक की महत्ता का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है, जिसमें आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, शिवप्रसाद सिंह, गिरिराज किशोर, रामदरश मिश्र, रामनारायण उपाध्याय, कृष्णबिहारी मिश्र, कैलाश वाजपेयी आदि करीब

सौ लोगों का अध्ययन-मनन शामिल है।

प्रसगवश

राजिकशोर

विवाह के किसी भी कानून में यह नहीं बताया जाता कि पति और पत्नी के अधिकार और



कर्तव्य क्या होंगे। मुस्लिम विवाह में जरूर एक निकाहनामा तैयार किया जाता है जिस पर वर, कन्या और विवाह कराने वाले धर्माधिकारी के हस्ताक्षर

होते हैं. लेकिन निकाहनामे में यह नहीं लिखा जाता कि दैनंदिन जीवन के कार्य-व्यवहार किस तरह संपन्न होंगे और दोनों के बीच समानता रहेगी या पुरुष का काम अधिकार जताना और स्त्री का काम आज्ञा पालन करना होगा। इसका अर्थ यह हुआ कि दांपत्य संबंध को कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। यह एक शर्तमुक्त संबंध होता है, जिसमें पति-पत्नी आपस में जो समीकरण बनाना चाहें, निर्बंध हो कर बना सकते हैं।

लेकिन एक कानून और होता है, जो अकसर सरकारी कानूनों पर भी भारी पड़ता है। यह कानून है समाज का, परंपरा का, मान्यताओं का, बाहुबल का और पैसे का। किसी भी देश में पति-पत्नी संबंध इन्हीं तत्वों के द्वारा निर्धारित होता है। इसलिए एक ही समाज में इस संबंध के कई रूप हो जाते हैं। पति उदार

एक ऐतिहासिक उदाहरण

स्टुअर्ट मिल और उनकी पत्नी हैरियट टेलर का प्रेम अद्भुत था । दोनों में जब प्रेम पनपा, तब हैरिएट विवाहित थीं। हैरिएट के पति के जीवित रहने तक स्टुअर्ट ने उनका इंतजार किया

हैं तो पत्नी के अधिकारों का दमन नहीं होगा, पुरुष सामंती वृत्ति का है तो पत्नी को उसके अनुशासन में रहना होगा। पत्नियां भी सब एक जैसी नहीं होतीं। कुछ अपने पति को अपना मालिक समझती हैं तो कुछ उसके कंधे से कंधा मिला कर चलना चाहती हैं। लेकिन कुल मिला कर वैवाहिक जीवन में पुरुष का पलड़ा भारी ही रहता है, तब भी जब पत्नी भी कमाती हो या पित से भी ज्यादा कमाती हो। बांग्ला में तो पति को स्वामी कहा ही जाता है। ऐसा लगता है कि स्त्री ने मनोवैज्ञानिक रूप से अधीनता की भूमिका को स्वीकार कर लिया है। अधीनता न भी हो, तो स्त्री अपने अनुभवों से जानती है कि पुरुष को नाराज करना दाम्पत्य शांति के लिए खतरा आमंत्रित करना है। रघुवीर सहाय लिखते हैं, नारी बिचारी है, पुरुष की मारी है, तन से क्षुधित है, मन से मुदित है, लपक कर

झपक कर, अंत में चित है। कह सकते हैं कि चूंकि स्त्री में पुरुष की अपेक्षा ज्यादा धैर्य, ज्यादा सहिष्णुता, ज्यादा भावनाशीलता, ज्यादा सेवा का भाव होता है, इसलिए वह पुरुष से अधिक श्रेष्ठ है। लेकिन स्त्री की यही विशेषताएं उसे कमजोर भी करती हैं। इतिहास का नियम है कि असभ्य या बर्बर जातियों ने सभ्य जातियों पर विजय पाई है। अंग्रेज सभ्य होते तो वे भारत पर आक्रमण नहीं करते। यह आक्रामकता ही स्त्री-पुरुष संबंध को विकृत करती है। इससे बचने के लिए और संबंधों में समानता ले आने के लिए संघर्ष तो स्त्री को ही करना पड़ेगा, लेकिन पुरुष वर्ग चाहे तो वह भी इस संघर्ष में सहयोग कर सकता है। मुझे लगता है कि समानता ही सब से बड़ा उपहार है जो कोई पुरुष किसी स्त्री को दे सकता है। प्रसिद्ध स्वतंत्रतावादी दार्शनिक जॉन स्टुअर्ट

मिल ने यही उपहार अपनी पत्नी हैरियट टेलर को दिया था। दोनों के प्रेम की अद्भुत कहानी सर्वविदित है। दोनों के बीच जब प्रेम पनपा, तब हैरिएट टेलर विवाहित थीं। जब तक जॉन मर नहीं गया तब तक दोनों ने विवाह नहीं किया। विवाह के लिए उन्हें इक्कीस साल तक इंतजार करना पड़ा। उन दिनों विवाह का कानून

संपूर्णतः स्त्री-विरोधी था।स्त्री को पति का अंग माना जाता था अर्थात स्त्री को कोई अधिकार नहीं थे। सारे अधिकार पुरुष के हाथ में थे। यहां तक कि अपनी संपत्ति और स्त्री धन पर भी स्त्री का अधिकार था। वही परिवार की ओर से संपत्ति खरीद और बेच सकता था।

जॉन स्टुअर्ट मिल स्त्री स्वतंत्रताओं के पक्षधर थे। उन्होंने स्त्रियों की हीन स्थिति पर एक किताब भी लिखी थी। हैरियट भी बौद्धिक स्तर पर जॉन मिल से नीचे नहीं थीं। मिल ने अपने लेखन में हैरिएट के योगदान का कृतज्ञतापूर्वक उल्लेख किया है। कुछ जगहों पर माना जाता है कि लिखा मिल ने है, पर विचार हैरिएट के हैं। प्रेम में दोनों एक-दूसरे के बराबर थे, लेकिन विवाह के बाद दोनों की कानूनी हैसियत में बहुत बड़ा फर्क आ जाता। मिल स्वामी बन जाता, पर हैरियट स्वामिनी नहीं बन पाती। इससे बचने के लिए मिल ने एक कानूनी दस्तावेज बनाया, जो दोनों के आदर्शों से मेल खाता था। इस दस्तावेज में मिल ने लिखा, मैं प्रसन्न हूं कि हैरियट टेलर



महान प्रेम पत्रों में अन्यतम है। इस घोषणापत्र

के द्वारा मिल अपने समाज और अपने समय

का अतिक्रमण कर जाते हैं और भविष्य के किसी समाज में पहुंच जाते हैं जहां स्त्री और पुरुष के अधिकारों में कोई अंतर नहीं होगा। यह घोषणापत्र 6 मार्च 1851 का है। उस दिकयानूस समय में भी एक शख्स ऐसा था जो धारा के विरुद्ध तैरने की हिम्मत रखता था। मिल का यह उदाहरण बतलाता है कि एक व्यक्ति की पहल से भी परिवर्तन की धारा फुट सकती है। आज स्त्रियों की स्थिति में जो सुधार आया है. उसके पीछे जॉन स्टुअर्ट जैसे पता नहीं कितने भलेमानसों का हाथ है। आज ऐसे हजारों-लाखों भलेमानस चाहिए जो अपनी पत्नी को प्रेम के साथ-साथ स्वतंत्रता और समानता का अधिकार दे कर प्रसन्न हों।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)



आम सहमति > इरडा के 27 फीसद प्रीमियम वृद्धि के प्रस्ताव पर बनी सहमति

थर्ड पार्टी प्रीमियम में होगी कम वृद्धि

दक्षिणी राज्यों के ट्रांसपोर्टरों ने हडताल खत्म करने का फैसला किया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वाहन स्वामियों को थर्ड पार्टी मोटर इंश्योरेंस प्रीमियम की दर में राहत मिल सकती है। बीमा नियामक इरडा प्रीमियम बढोतरी को कम करके 27 फीसद करने पर राजी हो गया है। इस पर ट्रांसपोर्टर भी राजी हो गये हैं। बेंगलुरु से पीटीआइ की रिपोर्ट के अनुसार प्रीमियम के मसले पर ट्रक एसोसिएशनों ने हड़ताल खत्म करने का फैसला

इरडा ने बीमा कंपनियों को पहली अप्रैल, 2017 से थर्ड पार्टी प्रीमियम (टीपीपी) में 41 फीसद तक की बढ़ोतरी की इजाजत दे दी है। इससे ट्रांसपोर्टर बेहद नाराज हैं। दक्षिण भारत के कुछ ट्रांसपोर्ट संगठनों तथा ट्रकों के संगठन अकोगोवा ने इसे लेकर पहली अप्रैल से कुछ

अखिल भारतीय संगठन आल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआइएमटीसी) तथा अटवा ने पहले 20 अप्रैल और फिर आठ अप्रैल से हडताल का प्रस्ताव किया था। पीटीआइ के अनुसार ऑल इंडिया कन्फेडरेशन ऑफ गृड्स व्हीकल ओनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चन्ना रेड्डी ने हैदराबाद से फोन पर बताया कि इरडा से शनिवार को हमारी बैठक हुई। उन्होंने प्रीमियम वृद्धि घटाकर 27 फीसद तक कर दी है। इसके बाद हड़ताल खत्म करने का फैसला किया गया। जल्दी ही दक्षिणी राज्यों में हालात सामान्य हो

टांसपोर्टरों के रुख को देखते हुए इरडा ने 27 मार्च को हैदराबाद में ट्रांसपोर्टरों और बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें इरडा ने प्रीमियम को जायज ठहराते हुए संबंधित रिकॉर्ड देखने के लिए 15 दिन का समय दिया था। इरडा का कहना था कि जब तक रिकॉर्ड की जांच नहीं हो जाती तब तक



जीएसटी, कैरिज एक्ट व टीडीएस पर हड़ताल को लेकर संशय बरकरार

लेकिन ट्रांसपोर्टरों का कहना था कि जब तक उनकी पड़ताल पूरी नहीं हो जाती तब तक प्रीमियम बढ़ोतरी को ही स्थगित रखा जाए। इरडा के इस पर राजी न होने पर वार्ता विफल हो गई थी। इसके बाद ट्रांसपोर्टर प्रतिनिधियों ने दिल्ली में वित्त राज्यमंत्री संतोष गंगवार से मुलाकात कर मामले में दखल देने का अनुरोध किया। अगले दिन उन्होंने सड़क मंत्रालय के अफसरों के साथ भी बैठक की। सरकार के ने प्रीमियम बढ़ोतरी को 27 प्रतिशत पर सीमित करने का प्रस्ताव रखा। लेकिन जीएसटी, कैरिज बाय रोड एक्ट और टीडीएस समेत अन्य मांगों को लेकर एआइएमटीसी की 20 अप्रैल से प्रस्तावित हड़ताल को लेकर संशय बरकरार है। इस पूरे प्रकरण से यह बात स्पष्ट है कि सरकार ट्रांसपोर्टरों के बीच मतभेद पैदा करने में कामयाब रही है। टीपीपी को लेकर सरकार का नजरिया स्पष्ट था। वह हर हाल में थर्ड पार्टी मोटर बीमा मुआवजे की राशि को पांच लाख रुपये पर सीमित करने पर आमादा थी। जिसका प्रावधान मोटर वाहन संशोधन विधेयक, 2016 में किया गया है और जिसे शुक्रवार को ही लोकसभा में पेश किया गया है और जिसके शीघ्र पारित होने की संभावना है। मुआवजे की रकम कम होने के कारण ही इरडा के लिए टीपीपी प्रीमियम में कमी करना आसान हो गया है। यह अलग बात है कि बीमा कंपनियों के वास्तविक खर्च को देखते हुए 27 फीसद की प्रस्तावित दर भी अधिक है और

वीजा मसले पर अमेरिका से बात कर रहा है भारत

हैदराबाद, प्रेट्ट : सरकार एच1-बी वीजा के मसले पर अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत कर रही है और इसके लिए उद्योग के साथ मिलकर काम कर रही है। यह जानकारी वाणिज्य व उद्योग मंत्री सीतारमण ने दी।

यहां एक कार्यक्रम में सीतारमण ने कहा कि सरकार वीजा के मसले पर उद्योग के साथ मिलकर काम कर रही है। बदलाव के दौर से गुजर रहे आइटी उद्योग को सरकार की मदद की जरूरत है। हम इसके लिए उद्योग के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि वाणिज्य व विदेश सचिव ने इस मसले पर अमेरिका जाकर प्रशासन के साथ बातचीत की थी।

सीतारमण ने कहा कि उद्योग समझता है कि हम अमेरिका जाते हैं, वहीं अमेरिकी कंपनियां भारत आती हैं और पिछले कई वर्षों से वे यहां निवेश कर रही हैं। वे भारत में विस्तार भी कर रही हैं। वीजा के मसले पर जहां हम अपने लोगों के लिए चिंतित हैं, वहीं भारत में ये कंपनियां अपने निवेश को लेकर चिंतित हैं। हम यहां सिर्फ एच1-बी वीजा की बात कर रहे हैं। लेकिन अमेरिकी कंपनियों के लिए भी यह सवाल है कि भारत में

नोटबंदी का मकसद काफी हद तक पूरा : सीतारमण

हैदराबाद, प्रेट्र : वाणिज्य व उद्योग मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि नोटबंदी का मकसद काफी हद तक पूरा हो गया है क्योंकि कभी बाहर न आने वाली नकदी अब बैंक खातों में पहुंच

यंग फिक्की लेडीज के साथ एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए सीतारमण ने कहा कि उनका पूरा विश्वास है कि नोटबंदी का उद्देश्य काफी हुँद तक प्राप्त किया जा चुका है। आंकड़ों के बारे में विस्तृत जानकारी देने में ज्यादा समय लग सकता है। अघोषित नकदी बैंक खातों में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि यह देखना भारतीय रिजर्व बैंक का काम है कि जो नकदी जमा हुई है, उस पर कितने जमाकर्ताओं ने टैक्स भरा है और कितनों ने नहीं भरा है। इसका विवरण तैयार होने के बाद

सीतारमण ने कहा कि पिछले साल 30 सितंबर तक आय घोषणा स्कीम चलाई गई थी। इसके तहत बडी संख्या में लोगों ने अपनी अघोषित आय की घोषणा की। इसके बाद नवंबर में नोटबंदी की घोषणा की गई। बैंकों में



चलते बैंक खातों में जमा हो गई

कुछ ऐसे लोग होंगे जिन्होंने पिछली स्कीम मे घोषणा की थी। हो सकता है, अभी हमें उसर्क जानकारी न हो। अगर किसी व्यक्ति ने उस समय नकदी होने का दावा किया। इसके बाद सरकार कहती है कि यह नकदी जमा हुई। लेकिन यह नकदी क्या काला धन है, नहीं। पहले घोषणा होने के कारण यह नकदी पिछली स्कीम शामिल हो गई। ऐसे मामले बड़ी संख्या में लंबित हैं और उनकी जांच की जानी है। इसी वजह से देरी हो रही है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि वह आरबीआइ के आंकड़े आने की प्रतीक्षा करेंगी कि बैंक खातो में जमा कितनी राशि सफेद है और कितनी राशि

न्यूज गैलरी

इंटिग्रल कोच फैक्ट्री की मेट्रो ट्रेन मार्केट पर नजर

चेन्नई: प्रमुख कोच मैन्यूफैक्चरर इंटिग्रल कोच फैक्ट्री (आइसीएफ) की देश में बढ़ते मेट्रो ट्रेन मार्केट पर नजर है। वह केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय और राज्यों के साथ संपर्क में है। आइसीएफ के महाप्रबंधक एस मणि ने कहा कि वर्तमान में कोच विनिर्माता कोलकाता मेट्रो के लिए कोच बना रही है। आइसीएफ अन्य राज्यों के लिए भी कोच बनाने की इच्छुक है। उत्तर प्रदेश सहित कई भारतीय राज्य नए मेट्रो ट्रेन रूट पर विचार कर रहे हैं।

निर्यात चेतावनी से और डेविस उत्पादों को बाहर किया गया

नई दिल्ली: दवा बनाने वाली कंपनी डिविस लेबोरेटरीज को राहत मिली है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने कंपनी के विशाखापट्नम संयंत्र में बने कुछ और उत्पादों को आयात चेतावनी से मुक्त किया है। यह चेतावनी पूर्व में जारी की गई थी। इससे पहले दस उत्पादों को मुक्त किया गया था। इस साल 22 मार्च को स्वास्थ्य व दवा नियामक यूएसएफडीए ने विशाखापट्नम में कंपनी की यूनिटों में से एक में बने उत्पादों के लिए आयात चेतावनी जारी की थी। इसके लिए नियामक ने मैन्यूफैक्चरिंग नियमों के उल्लंघन का हवाला दिया था।

इंडिगो ने एक दिन में 900 उडानों को ऑपरेट किया

नर्ड दिल्ली: नो-फ्रिल एयरलाइन इंडिगो ने सात अप्रैल को 900 उडानों को संचालित किया। एक दिन में किसी भारतीय एयरलाइन की ओर से उड़ानों की यह सर्वाधिक संख्या है।इंडिगों के प्रेसीडेंट और पूर्णकालिक डायरेक्टर आदित्य घोष ने कहा कि ऐसा करके हम रोमांचित महसूस कर रहे हैं। अगला लक्ष्य 1000 फ्लाइट संचालित करने का है। 131 एयरबस विमानों के बेड़े के साथ इंडिगो 44 गंतव्यों के लिए उड़ानों का संचालन करती है।

एंटी–डिप्रेसेंट दवा के लिए ल्यूपिन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली: प्रमुख दवा कंपनी ल्यूपिन को ब्यूप्रोपियॉन हाइड्रोक्लोराइड टैब्लेट के लिए अमेरिकी दवा नियामक यूएसएफडीए की मंजूरी मिली है। इस दवा का इस्तेमाल अवसाद के विकार को दूर करने में होता है। कंपनी का उत्पाद वैलेंट फार्मास्यटिकल्स नॉर्थ अमेरिका एलएलसी की एबी रेटेड वेलबुट्रिन गोलियों के समान है।

डीआरआइ ने दो आयातकों से जब्त किए 5.62 करोड

नई दिल्ली : डीआरआइ ने दो आयातकों से 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए हैं।आयात शुल्क चोरी के मामले की जांच के दौरान ली गई तलाशी में यह राशि पकड़ी गई है।

राजस्व गुप्तचर निदेशालय (डीआरआइ)

आयातित सामान के बिल में कथित गड़बड़ी की जांच में जुटा था।बिल में चीन और ताइवान से आयातित सामान के बदले किए गए भुगतान से कीमत कम दर्शाया गया था । आयातकों ने दोनों देशों से सेल्फ ड्रिलिंग स्क्रू आयात किए गए थे।

डीआरआइ ने शनिवार को जारी बयान में बताया है कि आयातकों के आवासीय परिसर से 500 और 2000 रुपये के नए नोट मिले। कुल 5.62 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। आयात किए गए सेल्फ ड्रिलिंग स्क्रू की पूरी खेप तुगलकाबाद कंटेनर डिपो और आयातकों के वेयरहाउस में पड़े हैं। डीआरआइ ने कहा है कि आयातकों ने कुल 20 करोड़ रुपये की सीमा शुल्क की चोरी की है।

फेसबुक जल्द शुरू करेगा फ्री 'वर्कप्लेस' सर्विस

न्यूयॉर्कः सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक ने अपने व्यावसायिक प्लेटफॉर्म 'वर्कप्लेस' का फ्री वर्जन शुरू करने की घोषणा की है। वर्कप्लेस, फेसबुक की व्यावसायिक मैसेजिंग सेवा है।कारोबार जगत में वर्कप्लेस का उपयोग एक तय समूह के भीतर चैट करने और फाइल शेयर करने के लिए होता है।

अभिनेता सचिन जोशी का हुआ किंगफिशर विला

मुंबई, प्रेट्र : नीलामी के तीन विफल प्रयासों के बाद आखिरकार बैंकों को किंगफिशर विला को बेचने में सफलता मिली है। उद्योगपति विजय माल्या की गोवा में बनी इस आलीशान प्रॉपर्टी पर अब अभिनेता सचिन जोशी के नाम की प्लेट चमकेगी। एक निजी समझौते के जरिये 73 करोड़ रुपये में इस संपत्ति का सौदा हुआ है। जोशी कई तेलुगु और हिंदी फिल्मों में काम कर चुके हैं। 'मुंबई मिरर', 'अजान', 'जैकपॉट' और 'वीरप्पन' जैसी बॉलीवुड फिल्मों में वह

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ) की अगुआई में 17 बैंकों के कंसोर्टियम का किंगफिशर एयरलाइंस पर 9000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एयरलाइन की संपत्तियां बैंकों की कस्टडी में हैं।इन्हें बेचकर बैंक अपना कर्ज वसूलने की कोशिश में जुटे हैं। उन्होंने किंगफिशर विला को बेचकर ही दम लिया। इस विला में कभी माल्या भव्य पार्टियां दिया करते थे।

इस हफ्ते के शुरू में किंगफिशर विला को बेचने के प्रयास परवान चढ़े। यह नीलामी की तीन विफल कोशिशों के बाद हो सका। इस प्रॉपर्टी को नीलाम करने का अंतिम प्रयास 16 मार्च को किया गया था। अब उधारदाताओं के पास सिर्फ किंगफिशर हाउस बचा है। शुरुआत में इस प्रॉपर्टी की कीमत 150 करोड़ रुपये आंकी

वैंकों ने 73 करोड रुपये में किया इस प्रॉपर्टी का सौटा

गई थी। लेकिन चौथे दौर में भी इसकी नीलामी नहीं हो सकी थी।

17 बैंकों के कंसोर्टियम और वाइकिंग मीडिया के मालिक अभिनेता-निर्माता सचिन जोशी दोनों पक्षों ने सौदे की पुष्टि करने से इन्कार कर दिया है। लेकिन सूत्रों की मानें तो उत्तरी गोवा में बने विला को 73.01 करोड़ रुपये में अंततः जोशी को बेच दिया गया है। यह बैंकों की ओर से रखे गए आरक्षित मूल्य 90 करोड़ रुपये से

यह विला 12,350 वर्ग फीट या तीन एकड़ में फैला है। एयरलाइन की पैरेंट कंपनी यूनाइटेड ब्रुवरीज होल्डिंग का कानूनी रूप से इस पर अधिकार हुआ करता था। मई, 2016 में बैंकों ने इसका कब्जा अपने हाथ में ले लिया था। उधारदाताओं ने किंगफिशर लोगो के ब्रांड वैल्यू सहित ट्रेडमार्कों को भी अगस्त, 2016 में नीलाम करने की कोशिश की थी। लेकिन इसमें

बृजेश दुबे, कानपुर

अमेरिका में ट्रंप सरकार आने और ब्रेक्जिट के बाद यूरोपीय अर्थव्यवस्था में बदलाव के बीच काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट (सीएलई) की नजर नए कारोबारी भागीदार बनाने पर है। यूरोप के बाजारों में धाक जमाने और अमेरिका को नए बाजार में ढालने वाली सीएलई ने अब लैटिन अमेरिकी देशों और रूस की तरफ रुख किया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में बदलाव को भारतीय लेदर उद्योग के लिए मुफीद मान रही सीएलई ने अपने लिए नए निर्यात साथियों को खोजना शुरू कर दिया है। अफ्रीकी देशों के बाद स्पेन को मुरीद बनाने वाले भारतीय उद्यमी अब 19 अप्रैल को सीएलई के बैनर तले रूस के कारोबारियों के साथ निर्यात संबंध बढ़ाने के लिए बैठक करेंगे। सीएलई के चेयरमैन मुख्तारुल अमीन ने विशेष बातचीत में बताया कि वियतनाम और ब्राजील की तेजी से बदल रही स्थितियां भारत के लिए मुफीद है। वहीं सीएलई रूस, पेरू, चिली, चेक रपब्लिक, तटीय अफ्रीकी देशों, उजबेकिस्तान व ऑस्ट्रेलिया की कंपनियों से भारतीय उद्यमियों की बायर-सेलर मीट करा रही है। इससे भारतीय उद्यमियों के पास अधिक मौके होंगे। नई जरूरतों के अनुसार सीएलई ने अमेरिकी सलाहकार कंपनी की सेवाएं भी ली हैं।

इसलिए स्थितियां मुफीद : अमेरिका आयात शुल्क लगाने की तैयारी में है। इससे वियतनाम को मिली छूट खत्म हो जाएगी और

अमेरिका, ब्राजील व इंग्लैंड में निर्यात बढ़ाने पर जोर

- चिली, पेरू के साथ पूर्वी यूरोप को भी बढ़ेगा लेदर गुड्स निर्यात
- ब्राजील से चमड़े की आपूर्ति घटने से भारतीय निर्यातकों को
- रूस के खरीदारों से सीएलई 19 अप्रैल को करवायेगा बातचीत

बड़ी सफलताएँ

दिसंबर में अरब देशों और फरवरी में दक्षिण अफ्रीकी देशों के साथ बायर-सेलर मीट आयोजित होने से नये कारोबारी संबंध विकसित हुए हैं। मार्च में स्पेन के मैड्डि में हुई बायर-सेलर मीट में 222 कंपनियों की भागीदारी रही और आर्डर बुकिंग हुई। 19 अप्रैल को रूस में बायर-सेलर मीट आयोजित होने जा रही है। इससे भी भारतीय निर्यात को मदद मिलेगी। गौरतलब है कि 1991 तक भारत से सर्वाधिक फुटवियर

लेदर गुड्स के लिए लैटिन अमेरिका होगा नया बाजार

निर्यात रूस को होता था।

भारत नौवें स्थान पर

लेदर फुटवियर की ही बात करें तो विश्व निर्यात में 15 देश 84 फीसद से अधिक हिस्सेदारी कर रहे हैं। इसमें भारत नौवें स्थान पर है। इस साल भारत से निर्यात बढ़ा लेकिन मामूली। वहीं पूर्वी एशियाई देशों ने निर्यात बढ़ाया। 258.7 फीसद की वृद्धि दर के साथ कंबोडिया बड़ा निर्यातक

भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे। यरोप में ब्राजील के मीट पर प्रतिबंध लगने से वहां चमड़े का उत्पादन कम हो रहा है। इससे भी भारतीय

निर्यातकों को फायदा मिलेगा क्योंकि उन्हें ब्राजील से कड़ी टक्कर मिलती रही है। लेकिन अब भारतीय लेदर की मांग बढ़ रही। महंगे श्रम

के कारण यूरोपीय देशों के उत्पादन लागत ज्याद होने के कारण वहां के निर्मित उत्पाद महंगे हुए हैं इससे भी भारत के सस्ते उत्पादों की मांग बढ़ेगी

एक्सचेंज स्कीम वालों के लिए नियम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने के बाद एक्सचेंज स्कीम में सामान बेचने वाले दुकानदारों और कंपनियों को खास ध्यान रखना होगा। दरअसल सरकार ने 'जीएसटी मूल्यांकन (वस्तु और सेवाओं की आपूर्ति का निर्धारण) नियम' का जो मसौदा तैयार किया है, उसमें कई खास बातें हैं। मसलन अगर कोई दुकानदार या कंपनी पुरानी वस्तु लेकर बदले में कुछ पैसे लेकर नया सामान बेचती है तो नए सामान की कीमत में इन दोनों मूल्यों को जोड़कर निकाली जाएगी। ऐसा करने पर जो राशि आएगी, उस पर व्यापारी को जीएसटी की गणना करके भुगतान

ऐसा प्रावधान इसलिए किया गया है कि जिन वस्तुओं या सेवाओं का बाजार मूल्य ज्ञात है, उनकी आपूर्ति पर तो जीएसटी का भुगतान आसान है लेकिन जहां वस्तओं और सेवाओं का वास्तविक मूल्य पता नहीं है, वहां कर निर्धारण में दिक्कत हो सकती है। इसी समस्या से बचने के लिए सरकार ने जीएसटी के नियमों में ही उदाहरण देकर ऐसी स्थिति को स्पष्ट किया है।ये

जीएसटी की 🗪 પાઉશાભા

एक्सचेंज स्कीम में वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यांकन के लिए स्पष्ट प्रावधान

खास बार्ते

- जीएसटी में कुल 9 प्रकार के हैं नियम
- मल्यांकन के नियमों पर तय होगी सेवा और वस्तु बिक्री की कीमत
- बीमा और हवाई सेवा के मूल्य निर्धारण के

उदाहरण उन दुकानदारों के बड़े काम आ सकते हैं जो एक्सचेंज स्कीम में मोबाइल, कंप्यटर, लैपटॉप, मोटरसाइकिल, टीवी और फ्रिज जैसे कंज्युमर ड्युरेबल्स सामान या वाहन बेचने का काम करते हैं।

उदाहरण के लिए अगर कोई कंपनी या विक्रेता एक पुराने फोन के बदले नया फोन 20 हजार रुपये में बेचता है और एक्सचेंज के बगैर नए फोन की कीमत 24,000 रुपये है तो पुराने फोन के बदले में मिलने वाले उस फोन की कीमत 24000 हजार रुपये ही मानी जाएगी। इस तरह दुकानदार को 20 हजार रुपये की जगह 24000 रुपये पर जीएसटी भरना होगा। पूरी रकम पर टैक्स का आकलन होगा।

ऐसे ही अगर कोई कंपनी पुराना प्रिंटर लेकर 40,000 रुपये में लैपटॉप बेच रही है और बिक्री के समय प्रिंटर की कीमत चार हजार रुपये है लेकिन लैपटॉप की कीमत मालूम नहीं है। ऐसी स्थिति में लैपटॉप की कीमत 44,000 मानी जाएगी और विक्रेता को 44000 रुपये पर ही जीएसटी का भुगतान करना होगा।

इन नियमों में बीमा और हवाई सेवाओं की आपूर्ति के संबंध में विशेष प्रावधान किए गए हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार ने एक जुलाई 2017 से जीएसटी लागु करने का लक्ष्य रखा है। जीएसटी लागु होने के बाद केंद्रीय उत्पाद शुल्क. सेवा कर और वैट सहित केंद्र और राज्यों के कई परोक्ष कर समाप्त हो जाएंगे। पूरे देश में जीएसटी की समान दरें होंगी। पूरे देश में वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार आसान होगा।

इंडियन ऑयल का केरल में 5400 करोड़ रुपये का निवेश होगा

कोच्चि, आइएएनएस : इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. ने कहा है कि केरल में वह अपनी विभिन्न बुनियादी परियोजनाओं के लिए 5400 करोड रुपये निवेश करेगी। इस निवेश से राज्य की अर्थव्यवस्था और काफी फायदा मिलेगा।

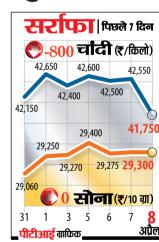
केरल में कंपनी की योजनाओं के बारे में आइओसी के केरल प्रमुख पी. एस. मोनी ने कहा कि कोचीन पोर्ट ट्रस्ट के सेज में कंपनी एलपीजी आयात टर्मिनल बना रही है। इसकी सालाना क्षमता छह लाख टन होगी। इस परियोजना में जेट्टी से कोच्चि में एलपीजी प्लांट होते हुए कोच्चि रिफाइनरी तक पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी। यह पाइपलाइन कोच्चि-सलेम पाइपलाइन के साथ जोड़ी जाएगी। कोच्चि-सलेम पाइपलाइन भी निर्माणाधीन है। एलपीजी टर्मिनल समेत पूरी परियोजना का निर्माण बीपीसीएल द्वारा पलक्कड़ में किया जा रहा है। इस परियोजना की कुल लागत 2200 करोड़ रुपये है। मोनी ने कहा कि यह टर्मिनल काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश में उपलब्ध एलपीजी मांग के मुकाबले मुश्किल से पचास फीसद है। चांदी ८०० रुपये लुढ़की,

सोना सपाट बंद हुआ नई दिल्ली, प्रेट्ट : विदेश में कमजोरी के बीच

औद्योगिक यूनिटों की मांग के अभाव में शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में चांदी 800 रुपये लुढ़ककर 42 हजार के स्तर से नीचे पहुंच गई। यह सफेद धातु इस दिन 41 हजार 750 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई। इसके उलट सोना पूर्वस्तर 29 हजार 300 रुपये प्रति दस ग्राम पर यथावत बंद हुआ।

न्यूयॉर्क के अंतरराष्ट्रीय सराफा बाजार में बीते रोज चांदी 1.54 फीसद टुटकर 17.96 डॉलर प्रति औंस बोली गई। सोना भी 0.18 फीसद फिसलकर 1253.80 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसका असर घरेलू बाजार की धारणा पर भी पड़ा।

स्थानीय सराफा बाजार में साप्ताहिक डिलीवरी वाली चांदी 1,010 रुपये के नकसान में 41 हजार 380 रुपये प्रति किलो बोली गई। चांदी सिक्का अपने पिछले स्तर 71000-72000 रुपये प्रति सैकड़ा पर जस का तस बंद हुआ। सोना आभूषण के भाव पूर्वस्तर 29 हजार



150 रुपये प्रति दस ग्राम पर यथावत रहे। आट ग्राम वाली गिन्नी में भी कोई बदलाव नहीं हुआ और यह पिछले स्तर 24 हजार 400 रुपये पर

एसआइपी निवेश व अच्छा रिटर्न प्राप्त करने का सर्वोत्तम तरीका

कुछ सप्ताह पहले म्यूचुअल फंड के विश्लेषण पर एक लेख प्रकाशित हुआ। अंग्रेजी में छपे इस लेख का शीर्षक था 'इन इक्विटी इंवेस्टमेंट, हाउ लांग इज लांग टर्म?' यानी इक्विटी निवेश में कितने लंबे समय को दीर्घावधि माना जाना चाहिए। इस अध्ययन में अलग-अलग अवधि के भिन्न प्रकार के इक्विटी फंडों में कुछ काल्पनिक निवेशों की तुलना की गई। ऐसा यह पता करने के लिए किया गया कि नुकसान की सभी तरह की संभावनाओं को खत्म करने के लिए निवेश की न्यूनतम अवधि क्या हो। इसके जरिये शीर्षक में उठाए गए सवाल का उत्तर दिया गया। विश्लेषण में यह भी पता लगाया गया कि अलग-अलग समय पर रिटर्न के उच्च स्तर पर कितनी बार पहुंचने की संभावना थी।

वैसे यह दिलचस्प है। लेकिन म्यूचुअल फंडों में कैसे निवेश करना चाहिए यह दृष्टिकोण उसके कतई अनुरूप नहीं है। घाटे को कम करने और इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंडों में रिटर्न बढ़ाने के लिए हमारे पास जो प्रमुख जरिया उपलब्ध है, वह है सिस्टेमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान यानी एसआइपी। निवेश पर से नुकसान का खतरा कब खत्म हो जाएगा, इस सवाल का वास्तव में जवाब देने के लिए एसआइपी निवेश पर भी ऐसा



ही (लेकिन बड़ा) अध्ययन करना चाहिए। इसकी खातिर पहले एक से दस साल की सभी संभावित वार्षिक अवधियों के एक एसआइपी का अनुकरण करना होगा। यह प्रत्येक फंड की लांचिंग की शुरुआत के साथ हर महीने के लिए होना चाहिए। डाटा विश्लेषण के दृष्टिकोण से यह एक बड़ा काम है। प्रत्येक निवेश श्रृंखला के एसआइपी के साथ अर्थहीन है।

लिए रिटर्न की आंतरिक दर की गणना करनी होगी क्योंकि साधारण प्वॉइंट-टू-प्वॉइंट रिटर्न वैल्यू रिसर्च ने इस संबंध में अध्ययन किया। नुकसान की संभावना को कम करने

नियमित रूप से निवेश और अच्छा रिटर्न प्राप्त करने का एसआइपी सबसे बढ़िया तरीका है। इसमें यह चिंता करने की आवश्यकता नहीं रहती है कि कब निवेश करना है। आप किसी भी समय इसके तहत निवेश कर सकत हैं। अक्सर इस असमंजस में बेहतरीन अवसर निकल जाते हैं। जब बाजार में गिरावट आती है, तो कई लोगों की सामान्य धारणा होती है कि निवेश रोक दिया जाए। यह या तो डर की वजह से या स्मार्ट बनने के चक्कर में बाजार की तलहटी का आकलन करने में होता है।

के लिए एसआइपी कितने समय तक चलना चाहिए ? जब आप एसआइपी के जरिये निवेश करते हैं तो रिटर्न और नुकसान के पैटर्न कैसे होते हैं? हमें इन सवालों के जवाब मिले। एक बार के निवेश के साथ विशेष रूप से इसके नतीजे काफी दिलचस्प हैं। अपने अध्ययन में हमने 217 इक्विटी और इक्विटी उन्मुख हाइब्रिड फंड शामिल किए। ये 10 साल से ज्यादा पुराने थे। हमने सेक्टोरल या थीमैटिक फंडों की बजाय केवल डायवर्सिफाइड इक्विटी फंडों को ही शामिल किया।

हमने अध्ययन में पाया कि केवल तीन साल

के एसआइपी निवेश की अवधि का मतलब है। कि 90 फीसद से अधिक मामलों में निवेश में सकारात्मक लाभ होता है। चार वर्षों में यह 94 फीसद तक था। चूंकि इस अध्ययन में 2008-09 की मंदी को शामिल किया गया, ये चौंकाने वाले आंकड़े हैं। यह इस का भी सुबूत है कि यह सरल तकनीक है, जो हर किसी के लिए उपलब्ध है। प्रत्येक म्युचुअल फंड निवेश में एसआइपी निवेश करने का एकमात्र समझदारीभरा तरीका है। यहां तक कि दो साल के निवेश के लिए भी, जो निश्चित रूप से इक्विटी निवेश के लिए बहुत कम है, 84 फीसद मामलों में सकारात्मक रिटर्न मिलते हैं। अध्ययन का दूसरा रोचक परिणाम यह

था कि एसआइपी निवेश के सुगम प्रभाव के बावजूद फंडों के बीच में बड़ा अंतर कायम रहता है। फंड (और एएमसी) जिनके पास खराब निवेश प्रबंधन है, वे कोई लाभ नहीं उठा पाते हैं। इसके उलट सैंपल में शामिल करीब आधे फंड तीन साल की निवेश अवधि में ऋणात्मक रिटर्न से शून्य और एक फीसद के बीच आ जाते हैं। एसआइपी और दीर्घावधि जादू की छड़ी नहीं हैं। एक अच्छे फंड का चयन भी मायने रखता है।

हालांकि, सब कुछ कहने के बावजूद मैं अब भी कहूंगा कि इस अध्ययन में जो कुछ

मिला है वह केवल म्यूचुअल फंड में एसआइपी के माध्यम से निवेश करने का एक गौण कारण है। एसआइपी का वास्तविक मूल्य गणित में नहीं, बल्कि मनोविज्ञान में है। एसआइपी नियमित रूप से निवेश और अच्छा रिटर्न प्राप्त करने का सर्वोत्तम तरीका है। इसमें यह चिंता करने की जरूरत नहीं रहती है कि कब निवेश करना है। दरअसल, इस असमंजस में बेहतरीन अवसर निकल जाते हैं। जब बाजार में गिरावट आती है, तो कई निवेशकों की सामान्य धारणा होती है कि निवेश रोक दो। यह या तो डर के कारण या स्मार्ट बनने के चक्कर में बाजार की तलहटी का आकलन करने में होता है। हालांकि, एसआइपी निवेशक अक्सर ऐसा नहीं करते हैं। वे अपने एसआइपी को जारी रखते हैं। जल्द ही बाजार ऊपर की ओर रुख करता है। तब सीखने को मिलता है कि खराब समय में बाजार में एसआइपी को जारी रखने का क्या फायदा मिला। इस प्रकार एक चक्र शुरू होता है। यह निवेशकों की एक नई पीढ़ी बनाता हैं जो नियमित निवेश के मूल्य को समझते हैं।

उक्त अध्ययन में अच्छा रिटर्न प्राप्त हुआ क्योंकि हमारे काल्पनिक निवेशकों ने निवेश करना बंद नहीं किया। एसआइपी की खास बात यही है कि वे इस तरह के व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं।

मुंबई में जीएसटी पोर्टल से जुड़ जाएंगे 1.15 लाख करदाता

मुंबई, प्रेट्रः सर्विस टैक्स के मुंबई जोन ने कहा है कि उसे सोमवार तक जीएसटी पोर्टल से 1.15 लाख एक्टिव करदाता जुड़ने की उम्मीद है। मुंबई जोन में विभाग के कुल सक्रिय करदाताओं की संख्या 2.8 लाख है। केंद्रीय उत्पादन सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) के अधीन कार्यरत सेवा कर विभाग इन दिनों व्यापारियों और कंपनियों को जीएसटी पोर्टल से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रही है।

जनवरी में इस पोर्टल की लांचिंग के बाद से अब तक करीब 65 हजार सक्रिय करदात जुड़े हैं। सक्रिय करदाता उन्हें माना जाता है तो सर्विस टैक्स का नियमित रूप से रिटर्न भर रहे हैं। बकाया करदाता 10 अप्रैल तक जीएसटी पोर्टल से जुड़ जाएंगे। मुंबई में सेवा कर विभाग के सभी सातों

आयुक्त पांच दिनों का कैंप आयोजित कर रहे हैं। छह अप्रैल से लग रहे इन कैंपों में करदाताओं को जीएसटी से जोड़ा जा रहा है। इन कैंपों में अधिकारी करदाताओं की हरसंभव मदद के लिए तैयार हैं। इन कैंपों में व्यापारी और कंपनी अधिकारी जीएसटी पोर्टल की बारीकी समझने और अपने सवालों का भी समाधान कर रहे हैं। विभागीय अधिकारी जीएसटी पोर्टल के इस्तेमाल के सरल तरीके भी बता रहे हैं और पंजीयन कर रहे हैं।

9 अप्रैल 2017

दैनिक जागरण

100 दिन में आर्थिक रिश्ते बेहतर करेंगे अमेरिका, चीन

फ्लोरिडा में दो दिनों तक चली चिनिफंग और ट्रंप की बैटकों के बाद घोषणा

पाम बीच, रायटर/प्रेट्ट : दोस्ती और मेल-मिलाप भरे पहले दिन के बाद शुक्रवार को जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने चीनी समकक्ष शी चिनिफंग के साथ बातचीत की मेज पर बैठे तो विवादित मसले सामने थे। आखिर में तनावपूर्ण व्यापारिक रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में 100 दिन की योजना की घोषणा के साथ यह समाप्त हो गई। सीरिया पर अमेरिकी मिसाइल हमले के साये में हुई इस शिखर वार्ता की यही एकमात्र उपलब्धि रही।

टुंप ने सीरिया पर हमले का आदेश फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट में गुरुवार को शी की मेजबानी करते हुए ही दिया था। उन्होंने चीनी समकक्ष को खुद इस फैसले से अवगत कराया था। दोनों नेताओं की दो दिन चली बातचीत में शामिल रहे अमेरिकी अधिकारियों ने बैठक को सफल बताया और कहा कि दोनों नेताओं का रुख सकारात्मक रहा। वाणिज्य मंत्री विल्बर

उत्तर कोरिया पर अंकुश लगाएगा बीजिंग

बैठक के दौरान टंप ने उत्तर कोरिया की परमाण महत्वाकांक्षा.

भड़कावे वाली कार्रवाई और क्षेत्रीय अस्थिरता का मुद्दा भी

उठाया। उन्होंने चीन से अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर उत्तर

मंत्री रेक्स टिलरसन ने बताया कि चीन ने उत्तर कोरिया पर

अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का भरोसा दिया है। लेकिन,

कोरिया के आक्रामक रवैये को काबु करेगा। दोनों नेताओं ने

दुनिया में शांति और स्थिरता के लिए अमेरिका और चीन के

सहयोग को जरूरी बताया। बैठक में चीनी राष्ट्रपति ने दक्षिण

कोरिया में अमेरिकी मिसाइल सुरक्षा प्रणाली थाड की तैनाती

को लेकर आपत्ति जताई।इसके जवाब में ट्रंप ने शी से चिंतित

नहीं होने को कहा। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया का चीन

सबसे प्रमुख सहयोगी है।

उसने ऐसा कोई फॉर्मला नहीं बताया कि किस तरह से वह उत्तर

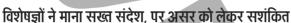
कोरिया के मंसुबों पर अंकुश लगाने को कहा। अमेरिकी विदेश

लाने पर सहमत हुए हैं। इससे व्यापार में चीन के पक्ष में बने झकाव को दर करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि अपने चुनाव अभियान के दौरान टुंप ने इस मसले को जोर-शोर से उठाते हुए चीन पर अमेरिकी नागरिकों की नौकरी चुराने का आरोप लगाया था।

ह्वाइट हाउस के प्रेस सचिव सीन स्पाइसर ने बताया, बातचीत के दौरान ट्रंप ने अर्थव्यवस्था में चीनी सरकार के हस्तक्षेप की वजह से अमेरिका के समक्ष उठने वाली चुनौतियों का उल्लेख किया। उन्होंने चीन की औद्योगिक, कृषि, प्रोद्यौगिकी और साइबर नीतियों का अमेरिका के रोजगार, निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर गहरी चिंता जताई। स्पाइसर ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिका के कामगारों के लिए समान स्तरीय सुविधाओं की बात की। उन्होंने कहा कि चीन को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए।अपने बाजार खोलने चाहिए और वहां तक पहुंच सरल बनाना चाहिए। शिखर सम्मेलन की समाप्ति पर न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा है कि इस बैठक में व्यापारिक रिश्तों में सुधार लाने के लिए सौ

गौरतलब है कि बैठक शुरू होने से पहले अमेरिकी अधिकारियों को भी ठोस नतीजों की उम्मीद नहीं थी। इस मुलाकात से दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत सबंध और एक अलग रिश्ते की शुरुआत की उम्मीद थी। यही कारण है कि मलाकात के लिए ह्वाइट हाउस की बजाय टंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने रिसॉर्ट का चयन किया। लेकिन, विवादों की छाया को पीछे छोड़ ट्रंप ने पत्नी मेलेनिया के साथ जिस गर्मजोशी से चीन के प्रथम दंपती का स्वागत किया उसने तनाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पहले दौर की बातचीत में ही शी ने ट्रंप को चीन आने का न्योता दिया जिसे अमेरिकी राष्ट्रपति ने तत्काल कुबूल कर लिया। चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के पास रिश्तों को बेहतर बनाने के हजारों कारण हैं। इसे खरीब करने का कोई भी कारण नहीं है। दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ सकते हैं। दूसरे दौर की बातचीत में दोनों नेता ने इस एजेंडे पर आगे बढ़ने की पूरी प्रतिबद्धता दिखाई।



सीरिया में मिसाइल हमले को विशेषज्ञों ने उत्तर कोरिया के लिए सख्त संदेश बताया है। हालांकि उत्तर कोरिया पर इसका असर होने को लेकर वे सशंकित हैं। डोंगगुक युनिवर्सिटी में प्रोफेसर किम योंग हुन के मुताबिक सीरिया पर हमले का अर्थ व्यापक है। यह उत्तर कोरिया को संकेत है कि अमेरिका में अब नया निजाम है जो हथियार उठाने से नहीं हिचकेगा। जॉन हॉपिकंस युनिवर्सिटी के वरिष्ठ शोधार्थी जोएल विट का भी ऐसा ही मानना है। उन्होंने कहा, सीरिया पर हमले का उत्तर कोरिया पर कोई खास असर पड़ेगा, ऐसा नहीं लगता। उत्तर कोरिया अमेरिकी धमकियों का आदी हो चका है। सियोल नेशनल यनिवर्सिटी के वरिष्ठ शोधार्थी चेंग योंग सेओक भी विट के राय से इत्तेफाक रखते हैं। पेकिंग यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंटरनेशन स्टडीज के निदेशक वेंग डोंग के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि वह केवल बातर्च नहीं करेगा। जरूरत करने पर कार्रवाई भी करेगा। गौरतलब है कि 2003 में जब अमेरिका ने इराक पर हमला किया था तो उत्तर कोरिया के तत्कालीन नेता किम जींग द्वितीय करीब छह सप्ताह तक सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखे थे। बताया जाता है कि वे अमेरिकी हमले के डर से भृमिगत हो गए थे।



पलोरिडा के पाम बीच स्थित मार-ए-लागो रिजॉर्ट में शुक्रवार को अपने चीनी समकक्ष शी चिनिफिग के साथ अमेरिकी राष्ट्रपत डोनाल्ड ट्रंप।

अमेरिकी मिसाइलों का असद पर नहीं असर, फिर बरसाए बम

ट्रंप प्रशासन में दो भारतवशियों को अहम जिम्मेदारी

वाशिंगटन, प्रेट्ट : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल ट्रंप ने दो भारतवंशियों को महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर नियुक्त किया है। इन्हें अहम रणनीतिक जिम्मेदारियां दी गई हैं। भारतीय मूल के विशाल अमीन को बौद्धिक संपदा प्रवर्तन समन्वयक बनाया गया है। वह कॉपीराइट, पेटेंट और टेडमार्क के लिए अमेरिकी कानन प्रवर्तन रणनीति के समन्वय का काम देखेंगे।

अमीन ने जोन्स हॉपिकन्स यूनिवर्सिटी से तंत्रिका विज्ञान में स्नातक तथा सेंट लुइस स्थित वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री हासिल की है। अमीन के अलावा ट्रंप ने भारतीय मूल की कानून विशेषज्ञ नेओमी राव को प्रशासन में जगह दी है। राव को नियामकीय अधिकारी बनाया गया है। उनकी जिम्मेदारी 75 फीसद संघीय नियमो को खत्म करने की ट्रंप की योजना की निगरानी करने की रहेगी।

राव इस समय जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी के एंटोनिन स्केलिया लॉ स्कूल में प्रोफेसर हैं टुंप ने राष्ट्रपति पद के रिपब्लिकन दावेदारों के आर्थिक सलाहकार रहे केविन हेसेट को ह्वाइट हाउस काउंसिल ऑफ इकोनॉमिक एडवाइजर्स का प्रमुख नियुक्त किया है।

ह्वाइट हाउस ने शुक्रवार को अमीन और राव की नियुक्तियों की घोषणा की। यदि सीनेट से अमीन के नाम को मंजुरी मिल जाती है तो वह डेनियल मार्टी की जगह लेंगे। अमीन वर्तमान में सदन न्यायिक समिति में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं ह्वाइट हाउस ने कहा है कि अमीन पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के प्रशासन में भी घरेलू नीति सह निदेशक के रूप में अपनी सेवा दे चुके हैं वे अमेरिकी वाणिज्य विभाग में विशेष सहायक भी रह चुके हैं। रिकॉर्डिंग इंडस्ट्री ऑफ अमेरिका ने उनके नामांकन का स्वागत किया है। इसके अध्यक्ष और सीईओ केरी शेरमन ने कहा 'तत्काल नियुक्ति और इस पद के लिए विचार महत्वपूर्ण है। हम राष्ट्रपति ट्रंप की इस पसंद की प्रशंसा करते हैं। विशाल अमीन तेज तर्रार और विचारशील नेता हैं। हम उनके साथ काम करने को लेकर आशान्वित हैं।' पहले से ही ट्रंप प्रशासन में भारतीय मूल के कई लोगों महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र मे अमेरिकी दूत निक्की हेली का नाम प्रमुख है।

स्वीडन में लोगों को ट्रक से रौंदने वाला गिरफ्तार



डॉट्रिंगटन स्ट्रीट हमले में मारे गए लोगों को शनिवार को श्रद्धांजलि देते स्वीडन के प्रधानमंत्री लोफवेन ।

स्टॉकहोम, रायटर/एएफपी : राजधानी स्टॉकहोम में हुए आतंकी हमले के सिलसिले में स्वीडन की पुलिस ने एक और संदिग्ध को पकड़ा है। 39 साल का यह संदिग्ध उज्बेक नागरिक है। माना जा रहा है कि उसने ही हमले के लिए एक बीयर कंपनी का टुक अगवा कर उसे लोगों पर चढ़ा दिया था।

भारतीय दूतावास के पास शुक्रवार को हुए इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई थी और 15 अन्य जख्मी हो गए थे। भीडभाड वाले ड्रॉटिंगटन स्ट्रीट में लोगों को रौंदने के बाद हमलावर ट्रक लेकर एक डिपार्टमेंटल स्टोर में जा घुसा था। इसके बाद मची अफरातफरी का फायदा उठाकर वह मौके से फरार हो गया।

स्वीडिश पुलिस ने बताया कि स्टॉकहोम के उत्तरी इलाके से संदिग्ध को पकड़ा गया। पुलिस प्रमुख डेन एलिसन ने बताया कि टुक से एक उपकरण भी बरामद किया है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यह एक बम है अथवा कोई ज्वलनशील पदार्थ। इस मामले में फिलहाल तकनीकी जांच चल रही है। खुफिया एजेंसी के प्रमुख एंडर्स थोर्नबर्ग ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध से अधिकारी परिचित थे। लेकिन, अतीत में जांच के दौरान उसके कटटरपंथियों के संपर्क में होने के कोई संकेत नहीं मिले थे। राजधानी के उत्तरी इलाके से ही शुक्रवार को भी एक व्यक्ति

पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार इस व्यक्ति के आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) से संपर्क रहे हैं। पुलिस के अनुसार अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि इस हमले में और लोग शामिल थे या नहीं। हमले के बाद से स्वीडन ने अपनी सीमाओं की सुरक्षा भी बढ़ा दी है। जनजीवन भी धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है। पीड़ितों के सम्मान में दिनभर राष्ट्रीय ध्वज झुका रहा। प्रधानमंत्री स्टीफेन लोफवेन और राजकमारी विक्टोरिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान लोफवेन ने कहा, आतंकी हमें डराना चाहते हैं। हमें बदलना चाहते हैं। वे नहीं चाहते कि हम सामान्य रूप से जीवन जिए। लेकिन, आतंकी स्वीडन को कभी हरा नहीं पाएंगे।

हमले की अब तक किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। इस साल मार्च में लंदन में और बीते साल फ्रांस के नीस व जर्मनी में हुए इस तरह के हमले की जिम्मेदारी इराक और सीरिया में सिक्रय इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली थी। हालांकि आइएस के खिलाफ अभियानों में स्वीडन कभी शामिल नहीं रहा है। किसी युद्ध में भाग लिए उसे दो सौ साल से ज्यादा हो चुके हैं।लेकिन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा मिशन के तहत उसके सैनिक इराक, माली और अफगानिस्तान जैसे आतंकवाद प्रभावित देशों में तैनात रहे हैं।

वेरुत, एएफपी : सैन्य अड्डे पर अमेरिकी मिसाइल हमले का सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल असद पर असर होता नहीं दिख रहा है। रूस के समर्थन से उत्साहित सीरियाई सेना ने शनिवार को भी आसमान से बम बरसाए। निगरानी संगठन

सीरियन ऑब्जरवेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार इदलिब प्रांत के खान शेखहुन में हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई। खान शेखहुन में ही मंगलवार को रासयानिक हमले हुए थे। इसमें सौ लोगों की मौत हो गई थी और चार सौ से ज्यादा जख्मी हो गए थे। हमले के लिए असद सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। हमले के जवाब में अमेरिका ने शुक्रवार

तड़के सीरिया के शेराट एयरबेस पर चार मिनट के

भीतर 59 टॉमहॉक मिसाइलें दागी थी। इस हमले ने दुनिया को दो धड़े में बांट दिया है। ज्यादातर देश और असद के खिलाफ संघर्षरत विद्रोही समूह अमेरिका के कदम का स्वागत कर रहे हैं। वहीं,रूस और ईरान जैसे देश इसके विरोध में खड़े हैं। मिसाइल हमलों के चंद घंटे के भीतर ही सीरियाई सेना ने शुक्रवार को इमा में बमबारी की थी। इमा राजधानी दिमश्क से सटा इलाका है और यहां विद्रोहियों का नियंत्रण है। हमले में 15 नागरिक मारे गए

थे।इनमें कुछ बच्चे भी थे।इस बीच, अमेरिका

ने सीरिया के खिलाफ प्रतिबंध और कडे करने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्टीवन म्युचिन ने बताया कि जल्द ही सीरिया के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंधों की घोषणा की जाएगी। अमेरिकी वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस ने बताया कि मिसाइल हमले में शेराट एयरबेस का 20 फीसद हिस्सा नष्ट हो गया है। हालांकि हमले से रनवे को कोई नुकसान नहीं पहुंचने की बात उन्होंने मानी है। माना जाता है कि शेराट एयरबेस से ही सीरियाई सेना ने खान शेखहुन में रासायनिक बम गिराने के लिए उड़ान भरी थी। अमेरिकी मिसाइल हमलों के विरोध में शनिवार को दनिया के कई शहरों में प्रदर्शन हुए। इनमें अमेरिकी शहर भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्टो के मुताबिक सीरिया पर यू टर्न लेने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले से उनके कई कट्टर समर्थक भी निराश हैं। चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने दूसरे देशों में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का विरोध किया था। यही कारण है कि मिसाइल हमले के 24 घंटे बाद ही अमेरिकी रणनीति में बदलाव नजर आया। अब सीरिया में विस्तृत सैन्य भूमिका के विकल्प से अमेरिका पीछे हटता नजर आ रहा है। ह्वाइट हाउस के प्रवक्ता सीन भरी। इससे संकेत मिलता है कि अमेरिकी हमले स्पाइसर ने बताया कि सैन्य विकल्पों के साथ- का असर काफी सीमित रहा है। अमेरिकी विदेश

सीरियाई विद्रोहियों के प्रभाव वाले दक्षिणी शहर दारा के एक रिहायशी इलाके से शनिवार को हवाई हमले के बाउ उठता धुआं। रहा है। गार्डियन के मुताबिक अमेरिका ने जिस एयरबेस को निशाना बनाया था वहां से हमले के कुछ घंटों बाद ही युद्धक विमानों ने उड़ान साथ कूटनीतिक रास्तों पर भी विचार किया जा मंत्री रेक्स टिलरसन ने बताया कि अब असद

को सत्ता से हटाने के लिए कूटनीतिक कदम उठाने की तैयारी की जा रही है। इस लिहाज से अगले हफ्ते होने वाली उनकी रूस यात्रा काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। रूस ही वह देश है जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और

तक कोई कार्रवाई करने में नाकाम रहा है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री बोरिस जॉनसन ने बदले हालात में अपनी मॉस्को यात्रा टाल दी है। रूस 2015 से ही असद के समर्थन में सीरिया में सैन्य कार्रवाई कर रहा है। रूस का कहना है कि वह आइएस



सीरियाई राजधानी दमिष्टक से सटे डूमा में हवाई हमले में मारी गई डेढ़ साल की बच्ची के शव के साथ उसका पिता (बाएं) । इस इलाके पर विद्रोहियों का नियंत्रण है । अमेरिकी मिसाइल हमलों के कुछ घंटों बाद ही सीरियाई सेना ने इस इलाके में बम बरसाए थे । अमेरिका के मिसाइल हमले के विरोध में शनिवार की दुनिया के कई शहरों में प्रदर्शन हुए। दिमश्क में संयुक्त राष्ट्र दफ्तर के बाहर प्रदर्शनकारी।

सम्मान

सोमवार को अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करेगा संयुक्त राष्ट्र, 19 साल की मलाला को २०१४ में भारा के कैलाश सत्यार्थी के साथ नोबेल शांति पुरस्कार से नवाजा गया था



सबसे कम उम्र की शांति दूत होंगी मलाला

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र : संयुक्त राष्ट्र ने मलाला यूसुफर्जई का चयन शांति दूत के तौर पर किया है। सोमवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित समारोह में उन्हें इस सम्मान से नवाजा जाएगा। इसी के साथ वह सबसे कम उम्र की शांति दूत बन जाएंगी।

यह संयुक्त राष्ट्र की ओर से दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। वैश्विक संस्था के शांति दूतों में अभिनेता माइकल डगलस और लियानार्दो डिकैप्रियो जैसी बड़ी हस्तियां शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने 19 साल की मलाला के चयन की घोषणा करते हुए कहा कि दुनियाभर में लड़िकयों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वह काम करेंगी।

उन्होंने कहा, 'गंभीर खतरे के बावजूद मलाला ने महिलाओं, लड़िकयों और सभी के अधिकारों के लिए अटल प्रतिबद्धता दिखाई। लड़िकयों की शिक्षा के लिए उनके प्रयास ने दुनियाभर में बहुत से लोगों को प्रोत्साहित किया है।' संयुक्त राष्ट्र के नए महासचिव एंटोनियो गुतेरस की ओर से इस सम्मान के लिए चुनी जाने वाली वह पहली शख्सियत हैं। 2013 में संयुक्त राष्ट्र ने उनके जन्मदिन 12 जुलाई को हर साल 'मलाला दिवस' के तौर पर मनाने की



मलाला यूसुफजई

घोषणा की थी। मलाला को 2014 में भारत में बच्चों के अधिकारों और शिक्षा के लिए काम करने वाले कैलाश सत्यार्थी के साथ नोबेल शांति पुरस्कार के लिए चुना गया था। इस सम्मान को पाने वाली भी वह दुनिया की सबसे कम उम्र की शख्सियत हैं। कनाडा ने हाल ही में उन्हें मानद नागरिकता देने की घोषणा की है। यह सम्मान पाने वाली वह छठी विदेशी नागरिक हैं। वह अगले सप्ताह कनाडा की संसद

को भी संबोधित करने वाली हैं। मलाला पहली बार सुर्खियों में 2009 में आईं जब 11 साल की उम्र में उन्होंने तालिबान के साये में जिंदगी के बारे में गुल मकाई के नाम से बीबीसी उर्दू के लिए डायरी लिखना

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में महिला शिक्षा की पैरवी के कारण तालिबान ने अक्टूबर 2012 में उनके सिर में गोली मार दी थी। ब्रिटेन में लंबे उपचार के बाद वह स्वस्थ हुई। उसके बाद से महिलाओं की शिक्षा को लेकर वह वैश्विक स्तर पर काम कर रही हैं। लड़िकयों के सशक्तीकरण और शिक्षा के लिए 2013 में उन्होंने अपने नाम से एक फंड की शुरुआत की थी। नोबेल शांति पुरस्कार लेते वक्त उन्होंने कहा था, मेरी जिंदगी की कहानी अनोखी नहीं है, बल्कि यह कहानी कई लड़िकयों की है। मेरे पास दो विकल्प थे। चुप रहना या मरना। मैंने आवाज उठाना पसंद किया। मैंने अपनी आवाज उठाने के लिए कोई बंदुक नहीं उठाई। मैंने फौज नहीं बनाई। मैंने कलम को अपना हथियार बनाया और दुनिया को बताया कि हम अमन चाहते हैं। हम तालीम चाहते हैं। हम दहशतगर्दी के खिलाफ हैं। मैं बच्चियों को पैगाम देना चाहती हूं कि

आप स्कूल जाएं, आप किसी से न डरें।

म्यांमार में मालवाहक जहाज से टकराई बारातियों की नाव, 20 की मौत

यंगून, एएफपी: पश्चिमी म्यांमार में जहाज और नाव की टक्कर में 20 लोगों की मौत हो गई। नाव पर बाराती सवार थे। अधिकारियों ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। पैथिन के पास एक नदी में शुक्रवार शाम यह हादसा हुआ। पैथिन एक बंदरगाह शहर है जो यंगून के पश्चिम में स्थित है।

पुलिस के मुताबिक मालवाहक जहाज से आमने-सामने की टक्कर होते ही सिल्वर स्टार नामक नौका डूब गई। इस पर 60 लोग सवार थे और एक शादी समारोह से लौट रहे थे। टक्कर के वक्त जहाज और नौका दोनों पर अंधेरा था। मृतकों में 16 महिलाएं और चार पुरुष हैं।

स्थानीय सांसद ने बताया कि अब तक 30 लोग बचाए गए हैं। नौ लापता लोगों की तलाश में अभियान जारी है। म्यांमार में नाव आवागमन का प्रमुख साधन है। लेकिन, सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण अक्सर हादसे होते रहते हैं। बीते साल अक्टूबर में चिंदविन नदी में नौका डूबने से कई शिक्षकों और छात्रों सहित 73 लोगों की मौत हो गई थी। मार्च 2015 में राखिने प्रांत में नौका हादसे में करीब साठ लोग मारे गए थे।

लाहौर धमाके के मास्टरमाइंड सहित 10 आतंकी मारे गए

लाहौर, रायटर: पाकिस्तान की पुलिस ने शनिवार को जमात-उल-अहरार के 10 आतंकियों को मार गिराया। जमात पाकिस्तानी तालिबान का एक गृट है जिसका नाम हाल फिलहाल में कई आतंकी हमलों में आया है। मारे गए आतंकियों में फरवरी में लाहौर में हुए धमाके का मुख्य साजिशकर्ता भी है। इस धमाके में 13 लोगों की

पुलिस ने बताया कि लाहौर के बाहरी इलाके में मुठभेड़ के दौरान जमात आतंकी मारे गए। पंजाब प्रांत की आतंकरोधी टीम ने एक बयान में बताया है जांच के दौरान पुलिस ने एक वाहन को रुकने का इशारा किया। इसके जवाब में वाहन में बैठे आतंकियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने सभी आतंकियों को मार गिरया। इनके पास से भारी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं।

बीते हफ्ते जनगणना टीम की सुरक्षा में लगे सैनिकों को निशाना बनाकर किए आत्मघाती हमले के बाद से ही पाक के इस दूसरे सबसे बड़े शहर में आतंकियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इस हमले की जिम्मेदारी तालिबान ने ली थी। हमले में छह लोग मारे गए थे और 18

अन्य घायल हो गए थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान में इस साल आतंकी हमलों में लगातार वृद्धि देखी गई है। इससे प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की सरकार और सेना सुरक्षा-व्यवस्था सुधारने और आतंकियो के खिलाफ सख्त कार्रवाई को लेकर दबाव मे है। इसी दबाव में फरवरी में सिंध प्रांत में लाल शहबाज कलंदर की दरगाह पर आत्मघाती हमले के बाद सेना ने ताबड़तोड़ सौ से ज्यादा आतंकी मार गिराए थे। इस हमले में करीब 80 लोगों की मौत हो गई थी। लगातार हो रहे आतंकी हमलो का असर पाकिस्तान और अफगानिस्तान के रिश्तों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसे निशाना बनाने वाले आतंकियों ने अफगानिस्तान में पनाह ले रखी है। काबुल इस आरोप को सिरे से खारिज करता रहा है। सिंध हमले के बाद पाक ने अफगान सीमा को बंद कर सीमा पार कार्रवाई का दावा भी किया था। हाल में सीमा फिर से खोली गई है।

143 विकेट चटकाए हैं। अमित मिश्रा 112 मैचों में

124 विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं।



दमदार

मैक्सवेल के दम पर जीता पंजाब



इंदौर में शनिवार को राइजिंग पुणे सुपरजाइंट के खिलाफ अपनी पारी के दौरान शॉट खेलते किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ।

ग्लेन ने सुपरजाइंट के गेंदबाजों की धुनाई करते हुए 20 गेंदों पर खेली नाबाद ४४ रन की तूफानी पारी

इंदौर, प्रेट्ट : कप्तान ग्लेन मैक्सवेल ने सिरे से अगुआई करते हुए तुफानी बल्लेबाजी की, जिसके चलते किंग्स इलेवन पंजाब ने शनिवार को यहां आइपीएल-10 के अपने पहले मुकाबले में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट को छह विकेट से हराकर जीत के साथ शानदार आगाज किया। पंजाब ने टॉस जीतकर पुणे को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। पुणे ने छह विकेट पर 163 रन का स्कोर बनाया। जवाब में पंजाब ने 19 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर मैच पर कब्जा जमाया।

164 रन के आसान लक्ष्य को हासिल करने में हालांकि पंजाब की टीम के पसीने छूट गए। दस ओवर बाद पंजाब का स्कोर दो विकेट पर 73 रन था और उसे जीत हासिल करने के लिए 91 रन और बनाने की दरकार थी। इस समय मैच संतुलन की स्थिति में नजर आ रहा था। तब मैक्सवेल बल्लेबाजी करने आए और उन्होंने कुछ जबर्दस्त शॉट खेलकर मैच को पंजाब के पक्ष में मोड़ने की कोशिश की। मैक्सवेल की 20 गेंदों पर नाबाद 44 रन की पारी



मैच से पहले उदघाटन समारोह के दौरान जलवा बिखेरतीं बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन।

की बदौलत उसने छह गेंद बाकी रहते हुए जीत दर्ज की। मैक्सवेल ने डेविड मिलर (नाबाद 30) के साथ नाबाद 79 रन की साझेदारी की।

मैक्सवेल ने अपनी पारी में दो चौके और चार छक्के जड़े। मैक्सवेल के साथ मैच विजयी साझेदारी के दौरान मिलर ज्यादातर समय दर्शक की भूमिका में नजर आए। मैक्सवेल ने पुणे के सबसे कामयाब गेंदबाज इमरान ताहिर को भी नहीं छोड़ा और 16वें ओवर में उन पर लगातार दो छक्के जड़कर मैच का रुख पंजाब के पक्ष में मोड़ दिया। इस तरह पिछले दो सत्रों में सबसे निचले पायदान पर रही

पंजाब की टीम ने इस बार टूर्नामेंट में बेहतर शुरुआत की। इससे पहले पुणे का शीर्ष क्रम पूरी तरह नाकाम रहा। गौवें ओवर में उसने 49 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थें। मयंक अग्रवाल (००), अजिंक्य रहाणे (१९) और कप्तान स्टीव स्मिथ (26) सस्ते में पवेलियन लौट चुके थे। जल्द ही अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धौनी (05) के आउट होने से पुणे का स्कोर 12 ओवर में चार विकेट

ऐसे में बेन स्टोक्स ने 32 गेंदों पर 50 रन की पारी खेलकर साबित किया कि क्यों उन्हें आइपीएल की नीलामी में 14.5 करोड़ रुपये में खरीदा गया। उन्हें मनोज तिवारी (40) का अच्छा साथ मिला। स्टोक्स और तिवारी ने मिलकर 37 गेंदों पर 61 रन की साझेदारी की। तिवारी और डेनियल क्रिस्टियन (17)ने मोहित शर्मा और संदीप शर्मा के अंतिम दो ओवरों में 30 रन बटोरे। यह इस सत्र में पुणे की पहली हार है। उसने अपने पहले मैच में गुरुवार को मुंबई इंडियंस को पराजित किया था।

स्कोर बोर्ड

टॉस: किंग्स इलेवन पंजाब (फील्डिंग) परिणाम: किंग्स इलेवन पंजाब छह विकेट विजयी मैन ऑफ द मैच: मैक्सवेल (पंजाब) पुणे सुपरजाइंट : 163/6 (20 ओवर)

रन गेंद चौके छक्के

	` '	• ¬	-11 -11	-
अजिंक्य रहाणे का. स्टोनिस बो. नटराजन	19	15	01	01
मयंक अग्रवाल बो. संदीप	00	04	00	00
स्टीव स्मिथ का. वोहरा बो. स्टोनिस	26	27	03	00
बेन स्टोक्स का. एंड बो. अक्षर	50	32	02	03
एमएस धौनी का. एंड बो.स्वप्निल	05	11	00	00
मनोज तिवारी नाबाद	40	23	03	02
क्रिस्टियन का. मैक्सवेल बो. संदीप	17	08	02	01
रजत भाटिया नाबाद	00	00	00	00
अतिरिक्त : (लेबा-1, वा-5) : 06 रन				

कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 163 रन

विकेट पतन: 1-1 (मयंक, 0.5), 2-36 (रहाणे, 6.2), 3-49 (स्मिथ, 8.1), 4-71 (धौनी, 11.2), 5-132 (स्टोक्स, 17.3), 6-162 (क्रिस्टियन, 19.5)

^•	0
गदब	गजा
.14-	~

संदीप शर्मा	4	0	33	2
मोहित शर्मा	4	0	34	0
अक्षर पटेल	4	0	27	1
टी नटराजन	3	0	26	1
मार्कस स्टोनिस	3	0	28	1
स्वप्निल सिंह	2	0	14	1

किंग्स इलेवन पंजाब : 164/4 (19 ओवर)

हाशिम अमला का. स्टाक्स बा. चाहर	28	27	02	U
मनन वोहरा का. तिवारी बो. डिंडा	14	09	01	0
ऋद्धिमान साहा बो. ताहिर	13	09	03	00
अक्षर पटेल का.एंड बो.ताहिर	24	22	01	0
ग्लेन मैक्सवेल नाबाद	44	20	02	04
डेविड मिलर नाबाद	30	27	01	02
() = () + (4.77				

अतिरिक्त : (लेबा-2, वा-9) : 11 रन कुल: 19 ओवर में चार विकेट पर 164 रन

विकेट पतन : 1-27 (वोहरा,2.5), 2-49 (साहा, 5.2), 3-83 (अमला, 10.4), 4-85 (अक्षर, 11.1)

	गदबाजा			
अशोक डिंडा	3	0	26	1
क्रिस्टियन	2	0	23	0
बेन स्टोक्स	4	0	32	0
इमरान ताहिर	4	0	29	2
दीपक चाहर	4	0	32	1
रजत भाटिया	2	0	20	0

जाधव ने जड़ा अर्धशतक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

केदार जाधव के जबर्दस्त अर्धशतक के बावजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर की टीम आइपीएल-10 के शनिवार के दूसरे मुकाबले में दिल्ली डेयरडेविल्स के खिलाफ आठ विकेट पर 157 रन का स्कोर बना सकी। जाधव ने 37 गेंदों पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। दिल्ली की ओर से क्रिस मौरिस सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार ओवर के अपने कोटे में 21 रन देकर तीन विकेट हासिल किए।

बेंगलूर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। क्रिस गेल (06) के साथ सलामी जोड़ीदार के रूप में बल्लेबाजी करने आए कप्तान शेन वॉटसन (24) ने आक्रामक शुरुआत की। हालांकि गेल का बल्ला खामोश रहा और वह चौथे ओवर में मौरिस की गेंद पर सैमसन के हाथों लपके गए। ऐसे में जाधव ने स्टुअर्ट बिन्नी (16) के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। जाधव ने 13वें ओवर में अमित मिश्रा पर दो चौकों और दो छक्कों के साथ

स्कोर बोर्ड

टॉस: रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (बल्लेबाजी) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर : 157/8 (20

रन, गेंद, चौके, छक्के

गेल का.सैमसन बो. मौरिस 06, 08, 01, 00 वॉटसन स्टं पंत बो. नदीम 24, 24, 04, 00 मनदीप सिंह बो. कमिंस 12, 10, 03, 00 जाधव का. मौरिस बो.जहीर 69, 37, 05, 05 बिन्नी का.बिलिंग्स बो. जहीर 16, 18, 01, 00 विनोद रनआउट (जहीर) 09, 05, 00, 01 नेगी बो. मौरिस 10, 08, 00, 01 इकबाल अब्दुल्ला नाबाद 05, 07, 00, 00

ट्रेविस मिल्स बो. मौरिस 00, 03, 00, 00 **अतिरिक्त :** (लेबा-2, वा-4) : 06 रन कुल: 20 ओवर में आठ विकेट पर 157 रन विकेट पतन: 1-26 (गेल, 3.2), 2-41

(मनदीप, 5.5), 3-55 (वॉटसन, 8.4), 4-121 (बिन्नी, 14.6), 5-142 (विष्णु, 16.4), 6-142 (केदार, 16.6), 7-157 (नेगी, 19.3), 8-157 (मिल्स, 19.6)

गेंदबाजी : जहीर खान 4-0-31-2, क्रिस मौरिस 4-0-21-3, पैट कमिंस 4-0-29-1, शाहबाज नदीम 4-0-13-1, अमित मिश्रा 2-0-32-0, कार्लीस ब्रेथवेट 2-0-29-0

24 रन बटोरे। उन्होंने कार्लीस ब्रेथवेट (0/29) के ओवर में 26 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। हालांकि 15वें ओवर की अंतिम गेंद पर जहीर खान (2/31) ने बिन्नी को बिलिंग्स के हाथों कैच कराकर जाधव के साथ उनकी साझेदारी का अंत किया। जाधव और बिन्नी ने चौथे विकेट के लिए 66 रन जोड़े।





स्टीव रिमथ (पुणे) 110 रन **केदार जाधव** (बेंगलूर) 100 रन क्रिस लिन (कोलकाता) 93 रन



क्रिस मौरिस (दिल्ली) ०३ विकेट **कुलदीप यादव** (कोलकाता) ०२ विकेट



म लिन (कोलकाता)	08
ार जाधव (बेंगलूर)	06
ांक्य रहाणे (पंजाब)	04

			अंद	ह त	लिका
टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रनरेट
कोलकाता	01	01	00	02	+3.254
हैदराबाद	01	01	00	02	+1.750
पंजाब	01	01	00	02	+0.482
पुणे	02	01	01	02	-0.136
दिल्ली	00	00	00	00	+0.000
मुंबई	01	00	01	00	-0.229
बेंगलूर	01	00	01	00	-1.750
गुजरात	01	00	01	00	-3.254

आइपीएल डायरी

लिन से सलामी बल्लेबाजी कराना गंभीर की रणनीति

राजकोट, प्रेट: कोलकाता नाइटराइडर्स (केके आर) के उपकप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि कप्तान गौतम गंभीर ने क्रिस लिन को सलामी बल्लेबाजी के रूप में आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। लिन के कोलकाता में केकेआर कैंप में जुड़ने के बाद गंभीर ने उनसे कहा कि वह पारी की शुरुआत करेंगे। यह अचानक लिया फैसला नहीं था, बल्कि पहले से तय की गई रणनीति का हिस्सा था। लिन ने गुजरात लांयस के खिलाफ मैच में 41 गेंदों पर छह चौकों और आठ छक्कों की मदद से नाबाद 93 रनों की पारी खेली थी।

गौतम और लिन ने खेली खास पारी : कार्तिक

राजकोट, प्रेट्र: गुजरात लायंस के विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने कोलकाता नाइटराइडर्स के सलामी बल्लेबाज क्रिस लिन और गौतम गंभीर की पहले विकेट के लिए की गई शानदार साझेदारी के लिए तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि कोलकाता के सलामी बल्लेबाजों गंभीर और लिन ने खास पारी खेली, हालांकि हम बेहतर गेंदबाजी कर सकते थे। यह दोनों टीमों के लिए टूर्नामेंट का पहला मैच था और मैं उनकी सलामी जोडी से आश्चर्यचिकत नहीं था। हमने मैच गंवा दिया। उन्होंने अच्छी गेंदों को मैदान से बाहर पहुंचाया।

टी-20 में सकारात्मक दिख रहे हैं गौतम गंभीर

सुनील गावस्कर

कलम से

लक्ष्य हासिल कर ले, वो भी 184 जैसा

विशाल स्कोर। जिस आसानी से गंभीर और लिन की जोड़ी ने यह जीत हासिल की, उससे गुजरात के कप्तान को अपने गेंदबाजी संयोजन के बारे में दोबारा सोचने पर मजबूर कर दिया होगा। रैना ने जेम्स फॉकनर को बाहर बैठाते हुए सभी भारतीय गेंदबाजों को चुना। हालांकि ऐसा नहीं है कि ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज की मौजुदगी से बडा अंतर पड़ता। हालांकि कभी-कभी फ्रेंचाइजी दूसरी टीमों से खिलाड़ियों को पैसा बचाने के लिए ले लेती हैं, लेकिन इन खिलाड़ियों को ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता। जब दूसरी टीम उन्हें लेती है, तो इसके पीछे बेसब्री होती है या फिर उन्हें भटकाया जाता है।

खेल के इस प्रारूप में गंभीर पूरी तरह से अलग

भले ही उतना मजबूत न दिख रहा हो, लेकिन यह वह काफी सकारात्मक दिख रहे थे। वह गेंद तलाश के अभियान फेंके जाने से पहले बिल्कुल भी अपनी क्रीज नहीं छोड़ रहे थे। स्पिनरों की जिस ढंग से वह की। ऐसा बहुत ही धुनाई कर रहे थे, वह भी काबिलेतारीफ था। कम देखने को मिलता एक युवा की तरह विकेट के बीच उनकी दौड़ भी शानदार थी। क्रिस लिन एक आक्राकम है जब कोई टीम बिना कोई विकेट गंवाए बल्लेबाज के रूप में जाने जाते हैं और राजकोट में आठ छक्के लगाकर उन्हें अपनी इसी शक्ति

पर होगी।



Shudh Paani Call for Free Demo: 1800 100 1000

का प्रदर्शन किया। कोलकाता के खिलाफ मुंबई की टीम सतर्क होगी, लेकिन उन्हें भी चावला और कुलदीप यादव के खिलाफ संभलकर खेलना होगा। मुंबई को अपनी गेंदबाजी पर ध्यान देना होगा। हरभजन सिंह को टीमें शामिल किया जा सकता है। हरभजन के पास जो अनुभव है, उसे पैसों से नहीं खरीदा जा सकता। उनके प्रतिस्पर्धी स्वभाव और ऊर्जा की मुंबई को जरूरत है। सनराइजर्स ने शानदार शुरुआत की और गुजरात की बड़ी हार की वजह से इस मुकाबले में गत चैंपियन का पलड़ा भारी होगा। हालांकि इस प्रारूप में खिलाड़ियों और टीम के लिए वापसी की गंजाइश बनी रहती है और रैना की नजर इसी (पीएमजी)

Mineral RO

घर में कोलकाता को हराना चाहेगी मुंबई इंडियंस

मलिंगा के आने से मजबूत होगी घरेलू टीम, बल्लेबाजों को परखना चाहेंगे नाइटराइडर्स

मुंबई, आइएएनएस : मुंबई इंडियंस की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ रविवार का जब मैदान पर उतरेगी तो वह पुराने रिकॉर्ड के बारे में बिल्कुल भी नहीं सोच रही होगी, क्योंकि आइपीएल-10 के अपने पहले मैच में ही कोलकाता ने गुजरात लायंस को एकतरफा प्रदर्शन करते हुए दस विकेट से मात देकर शानदार शुरुआत की। वहीं मुंबई को अपने पहले मैच में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट के हाथों शिकस्त मिली थी। मुंबई ने कोलकाता के खिलाफ हुए कुल 18 मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।

मुंबई पहले मैच में मिली हार के बाद जीत की राह पर वापसी करने के लिए उत्सुक है। उसे सबसे ज्यादा राहत लिसत मिलंगा के टीम से जुड़ने से मिली होगी जो अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ होने की वजह से पहले मैच में नहीं खेल पाए थे। मलिंगा के आने से टिम साउथी, हार्दिक पांड्या, मिशेल मैक्लेनाघन और जसप्रीत बुमराह को काफी मदद मिलेगी। मुंबई का बल्लेबाजी क्रम पहले मैच में नाकाम रहा था हालांकि अंतिम ओवर में हार्दिक पांड्या ने 30 रन जोड़कर टीम को 180 रन का आंकड़ा पार करवाया था। कप्तान रोहित शर्मा भी बल्ले से नाकाम रहे थे।ऐसे में मुंबई को अपने बल्लेबाजी क्रम से कोलकाता के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, कोलकाता के कप्तान गौतम गंभीर अपने गेंदबाजों के प्रदर्शन से खश होंगे। उन्होंने गुजरात को उस विकेट पर 183 रनों पर रोक दिया, जहां बल्लेबाज हावी हो सकते थे। पहले मैच में हालांकि कोलकाता को अपने बल्लेबाजी आक्रमण को परखने का मौका नहीं मिला था क्योंकि सलामी जोड़ी ही मैच खत्म करके पवेलियन लौटी थी।



वानखड़े स्टेडियम में शनिवार को अभ्यास करते मुंबई इंडियंस के खिलाड़ी।

वार्नर की सनुराइजर्स हैदराबाद को चुनौती देने उत्तरेगी रैना की लायंस टीम

हैदराबाद, प्रेट: गजरात लायंस की टीम जब रविवार को यहां गत चैंपियन सनगइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैदान पर उतरेगी तो उसका इरादा पिछले मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के हाथों मिली हार की निराशा को भूलकर आइपीएल-10 में अपनी पहली जीत दर्ज करने का होगा। दोनों टीमों के बीच पिछला मुकाबला पिछले सत्र में क्वालीफायर में हुआ था, जिसमें गुजरात को हार का सामना करना पड़ा था।

हैदराबाद ने उद्घाटन मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर को 35 रन से शिकस्त दी थी जिससे उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है।वहीं, क्रिस लिन और गौतम गंभीर के बीच 184 रन की सलामी साझेदारी के सामने गुजरात की टीम को दस विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी। हैदराबाद की टीम युवराज सिंह की फॉर्म और ऑस्ट्रेलियाई मोइसेस हेनरिक्स और बेन कटिंग के ऑलराउंडर प्रदर्शन को लेकर भी खुश होगी।टीम के पास

आशीष नेहरा और भवनेश्वर कमार जैसे अनुभवी गेंदबाज हैं, जबकि बल्लेबाजी में कप्तान डेविड वार्नर किसी भी आक्रमण की धज्जियां उडाने में सक्षम हैं।पिछले मैच में 40 रन की उपयोगी पारी खेलने वाले शिखर धवन की नजर अच्छी फॉर्म को बरकरार रखने पर होगी। गुजरात की ओर से प्रवीण कुमार के दो ओवरों को छोड़कर कोई गेंदबाज कोलकाता के सलामी बल्लेबाजों

अलविदा

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज होगी उनकी आखिरी मिस्बाह-उल-हक पहले ही कर चुके हैं अपने संन्यास की घोषणा



यूनुस खान भी लेंगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास

कराची, प्रेट्र : मिस्बाह-उल-हक के बाद पाकिस्तानी बल्लेबाज और पूर्व कप्तान यूनुस खान ने भी शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अप्रैल-मई में होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के बाद वह 17 साल के अपने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। मिस्बाह पहले ही विंडीज दौरे के बाद संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

इस 39 वर्षीय क्रिकेटर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मैं संन्यास ले रहा हूं। मुझे लगता है कि यह सही समय है, क्योंकि हर खिलाड़ी को अपने करियर में यह फैसला लेना होता है। मैं पिछले कुछ महीनों से इसकी योजना बना रहा था। मैंने हमेशा अपनी टीम और देश की सेवा करने की कोशिश की है। लोग मुझसे कह रहे थे कि मैं किसी तरह की घोषणा नहीं करूं, लेकिन अब अलविदा कहने का समय आ गया है।' यूनुस ने तीनों प्रारूपों में पाकिस्तानी टीम की अगुवाई की है। उन्होंने 2009 में इंग्लैंड में टीम को एकमात्र टी-20 खिताब



दस हजारी बनने से सिर्फ 23 रन दूर: टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन पूरे करने से वह सिर्फ 23 रन दूर हैं। वह दस हजार या इससे ज्यादा रन बनाने वाले पहले पाकिस्तानी और दुनिया के 13वें

बल्लेबाज बन जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह पहले से ही संन्यास की तैयारी कर चुके थे, लेकिन सिर्फ यह उपलब्धि हासिल करने के लिए रूके थे। मैंने जावेद भाई (मियांदाद) के रिकॉर्ड को पार करने

मैच रन उच्चतम औसत 100/50 115 9977 313 53.06 34/32 वनडे मैच रन उच्चतम औसत 100/50 31.24 7/48 265 7249 144 ਟੀ-20 मैच औसत रन उच्चतम 100/50 25 442 22.10 0/2

टेस्ट

के बाद ही संन्यास के बारे में विचार किया था. लेकिन 10,000 रन बनाने के लिए फिर मुझे प्रेरणा मिली और इस मुकाम को हासिल करने का

वेस्टइंडीज ने पहली बार हासिल किया 300 से ज्यादा का लक्ष्य

प्रोविडेंस (गयाना), एएफपी : जेसन मुहम्मद (नाबाद 91) की तूफानी पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने पहले वनडे मैच में पाकिस्तान को चार विकेट से शिकस्त दी। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में पांच विकेट पर 308 रन बनाए। उसकी ओर से मुहम्मद हफीज (88) ने शानदार पारी खेली। जवाब में वेस्टइंडीज ने 49 ओवर में छह विकेट पर 309 रन बनाकर जीत हासिल की।

यह वेस्टइंडीज के 44 साल पुराने वनडे इतिहास में पहला मौका है जब उसने 300 या ज्यादा रन का लक्ष्य सफलता पूर्वक हासिल किया। हालांकि इस दौरान वह 31 बार 300 या ज्यादा रन का पीछा करने उतरी, लेकिन उसे एक बार भी जीत नसीब नहीं हुई। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढत बना ली। दोनों टीमों के बीच दूसरा वनडे

रविवार को प्रोविडेंस में खेला जाएगा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। चाडविक वाल्टन (07)

पर पवेलियन लौट गए। इसके बाद एविन लुइस (47) और कीरोन पावेल (61) ने टीम को खराब स्थिति से बाहर निकाला। लुइस और पावेल के आउट होने के बाद जेसन 33वें ओवर में बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने एक छोर संभाले रखा और

तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। 58 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने 11 चौके व तीन छक्के जड़े। निचले क्रम में उन्हें एश्ले नर्स का बेहतरीन साथ मिला। नर्स ने 15 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के के साथ नाबाद 34 रन बनाए। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 27 गेंदों में नाबाद 50 रनों की मैच विजयी साझेदारी

इससे पहले एश्ले नर्स (4/62) ने गेंदबाजी में भी अपने हाथ दिखाए, जबकि पाकिस्तान के लिए हफीज के अलावा सलामी बल्लेबाज अहमद शहजाद (67) और शोएब मलिक (53) ने अर्धशतक जड़े।



घोषाल, चिनप्पा और पल्लीकल पेश करेंगी भारत की चुनौती

चेन्नई: सौरव घोषाल, जोशना चिनप्पा और दीपिका पल्लीकल 26 से 30 अप्रैल के बीच होने वाली 19वीं एशियाई व्यक्तिगत स्क्वॉश चैंपियनशिप में भारत की ओर से चुनौती पेश करेंगी। घोषाल कुछ समय से विश्व के शीर्ष बीस खिलाड़ियों की सूची से बाहर हैं। चैंपियपशिप में भारतीय पुरुष दल में विक्रम मल्होत्रा, महेश मनगांवकर, हरिदंर पाल सिंह संधू , वेलावन सेंथिलकुमार और आदित्य जगतप शामिल होंगे ।





न्यूज गैलरी

अनुभव ने जीते दो पदक

गुरुग्रामः भारतीय शूटर अनुभव प्रताप सिंह ने दूसरी इंडो-भूटान बिंग बोर शूटिंग चैंपियनशिप के दूसरे दिन शनिवार को 300 मीटर फ्री राइफल पोर्न इवेंट की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण और टीम स्पर्धा में रजत पदक पर निशाना साधा। गांव कादरपुर स्थित सीआरपीएफ कैंप में चल रही चैंपियनशिप में अनुभव 588 अंकों के साथ पहले, जबकि भारत के ही राहुल पुनिया 587 अंकों के साथ दूसरे और हीरा सिंह 587 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। भारत के पृथ्वी राज और अजीत कुमार सिंह क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे।

एथलेटिक्स कार्यक्रम में किया गया बदलाव

नई दिल्ली: फेडरेशन कप राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता के प्रस्तावित कार्यक्रम (11-14 मई) में बदलाव किया गया है। यह प्रतियोगिता अब नई दिल्ली में एक जुन से चार जुन तक होगी।एशियाई एथलेटिक्स प्रतियोगिता के एक महीने के एक महीने टलने के बाद इस कार्यक्रम में बदलाव जरूरी हो गया था। यह महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पहले एक जून से चार जून के बीच रांची में होनी थी, जो अब छह जुलाई से नौ जुलाई तक भुवनेश्वर में होगी। इसके चलते भारतीय एथलेटिक्स संघ को अपने कैलेंडर में बदलाव करना पड़ा।

आइओए ने बीएफआइ को मान्यता दी

नई दिल्ली: भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) ने लंबे समय से चले रहे गतिरोध को खत्म करते हुए भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआइ) को मान्यता दे दी। आइओए ने बीएफआइ अध्यक्ष अजय सिंह को भेजे पत्र में कहा, 'अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सात फरवरी को भेजे पत्र में निहित निर्देशों के तहत आइओए, बीएफआइ को मान्यता देता है बशर्ते आइओए की कार्यकारी परिषद या आमसभा इसे मंजूरी दे।'

श्याम ने जीता स्वर्ण नई दिल्ली: भारतीय मुक्केबाज के

श्याम कुमार (49 किग्रा) ने बैंकाक में हुए थाईलैंड अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में रिंग में उतरे बिना ही स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। 2015 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण जीतने वाले श्याम का फाइनल में उज्बेकिस्तान के हसनबॉय दस्मातोव से मुकाबला होना था लेकिन चोट के चलते वह रिंग में नहीं उतर सके, जिसके चलते श्याम को वॉकओवर

बीसीसीआइ > एसजीएम में भाग लेने के लिए दिल्ली पहुंचे पूर्व अध्यक्ष

श्रीनिवासन को लेकर मचा बवाल

कुछ प्रदेश इकाइयों ने रविवार को होने वाली बैठक में हिस्सा लेने से मना किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के पूर्व अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के रविवार को होने वाली विशेष आम सभा (एसजीएम) में भाग लेने और आइसीसी के प्रतिनिधि के तौर पर उनके नाम के प्रस्ताव को लेकर बवाल मचा हुआ है। वह शनिवार को दिल्ली पहुंच चुके हैं और रविवार को बैठक में भाग लेने को आतुर हैं। आइसीसी में बीसीसीआइ के प्रतिनिधि के तौर पर कुछ प्रदेश इकाइयां उनके नाम का एसजीएम में प्रस्ताव रख सकती हैं, जबिक कुछ प्रदेश इकाइयों ने इस बैठक से हिस्सा लेने से मना कर दिया है। सुप्रीम

की समिति (सीओए) भी इसके खिलाफ है। अब देखना है कि रविवार को ऊंट किस करवट बैठता है।

बैठक में बीसीसीआइ के सीइओ राहुल जौहरी भी भाग लेंगे, जबकि सीओए के चारों सदस्यों में से कोई भी मौजूद नहीं होगा। यह पहले ही बता दिया गया था कि

विनोद राय विदेश में होंगे।इसके अलावा जौहरी एसजीएम का ब्योरा समिति को देंगे। बैठक के छह बिंदुओं के एजेंडे में मुख्य मुद्दा यह रहेगा िक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) की बैठकों और इस तरह के कांफ्रेंस में बीसीसीआइ के प्रतिनिधि या प्रतिनिधियों का चयन किस रहा है कि श्रीनिवासन प्रदेश इकाइयों में अपने नाम की सिफारिश के लिए काफी लॉबिंग कर रहे हैं। वहीं सीओए ने आदेश दिया कि लोढ़ा समिति के सुझावों का उल्लंघन नहीं होना चाहिए। नियमों के मुताबिक, श्रीनिवासन बैठक में भाग

नहीं ले सकते। अगर वह

भाग नहीं लेते है तो अपने करीबी संयुक्त सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी के जरिये दबदबा बना सकते हैं। प्रशासक व्रिकमजीत सेन के अधीन

आने वाली दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने इस बैठक में भाग लेने से में शिरकत नहीं कर रहा हूं और कोई भी कारण मेरे फैसले को नहीं बदल सकता। हालांकि प्रशासकों की समिति (सीओए)ने इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट से निर्देश मांगे हैं।

कई प्रदेश संघ श्रीनिवासन के नाम पर एतराज कर सकते हैं। यह भी देखना होगा कि कितने प्रदेश संघ बैठक में भाग लेते हैं। विदर्भ क्रिकेट संघ पहले ही लोढ़ा समिति के सुझाव लागू कर चुका है और वह एतराज कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि बंगाल क्रिकेट संघ का रुख कैसा होगा जिसके अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव अभिषेक डालमिया हैं। प्रदेश इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'श्रीनिवासन और उनके करीबियों के पास खोने को कुछ नहीं है। सीओए ने उनके सिपहसालारों

लुइस हैमिल्टन को चाइनीज ग्रां प्रि के लिए पोल पोजिशन

ड्राइवर लुइस हेमिल्टन ने शनिवार को यहां होने वाली फार्मूला वन चाइनीज ग्रां प्रि के लिए पोल पोजीशन हासिल की है। वह रविवार को होने वाली मुख्य रेस की शुरुआत सबसे आगे

हैमिल्टन ने शनिवार को क्वालीफाइंग रेस में एक मिनट 31 मिनट 678 सेकेंड का सबसे तेज . समय निकाला और मुख्य रेस के लिए ग्रीड पर पहला स्थान हासिल किया। हैमिल्टन ने लगातार छठी बार पोल पोजीशन हासिल की है। हैमिल्टन ने कहा, 'मैं लैप से बहुत खुश हूं। आखिरी कॉर्नर पर मुझे थोड़ी परेशानी हुई लेकिन मैंने पहले स्थान पर आने के लिए उचित दूरी तय कर रखी थी।' फेरारी टीम के सबास्ट्टियन विटेल दूसरे स्थान से रेस की शुरुआत करेंगे। हैमिल्टन के साथी वाल्टेरी वोल्टास क्वालीफाईंग रेस में तीसरे स्थान पर रहे, जबकि विटेल की



पोल पोजीशन हासिल करने के बाद हैमिल्टन।

टीम के सदस्य और पूर्व विश्व चैंपियन किमी राइकोनेन ने चौथा स्थान हासिल किया।रेड बल के ड्राइवर यल रिकार्डी पांचवें स्थान पर रहे।

बालाजी और बोपन्ना ने अच्छी सर्विस की

जबिक बालाजी ने नेट पर भी अच्छा खेल

दिखाया। भारतीय जोड़ी ने 16 ऐस लगाए

क्रिकेटरों के चयन में धांधली

अभिषेक त्रिपाठी, नई दिल्ली

क्रिकेटरों के चयन पर सवाल हमेशा उठते रहे हैं लेकिन इस बार तो चयनकर्ता ने ही क्रिकेटरों के चयन में धांधली का आरोप लगाया है और आरोप भी संयोजक पर है।

फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में शनिवार को नॉर्थ जोन की अंडर-19 जेडसीए (जोनल क्रिकेट अकादमी) कैंप के लिए 25 खिलाडियों का चयन होना था। इसमें दिल्ली सहित इस जोन के पांच चयनकर्ता और संयोजक सिद्धार्थ वर्मा थे। चयनकर्ता आशु दानी का आरोप है कि सिद्धार्थ ने अपने दो चहेतों के नाम इसमें शामिल करने का दबाव बनाया। जब उनकी नहीं मानी गई तो उनके सुझाए नाम को भी संयोजक ने शामिल करने से मना कर दिया। इससे तिलमिलाए दानी ने कहा कि संयोजक का काम चयन करना नहीं है। आप चयन में दखल दे रहे हैं।इस पर सिद्धार्थ ने कहा कि आपको जो करना हो करो। इसके बाद दानी उस मीटिंग से उठ गए।

उन्होंने सिद्धार्थ के चयन में दखलंदाजी की शिकायत सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त विनोद राय के नेतृत्व वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) के चारों सदस्यों, बीसीसीआइ सीईओ राहुल जौहरी सहित अन्य अधिकारियों से की है। इस पर दैनिक जागरण ने सिद्धार्थ से बात करने की कोशिश की, लेकिन उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया। वहीं इस सत्र में दिल्ली की अंडर-19, 16 और 14 के चयनकर्ता दानी ने सीओए को भेजे शिकायती मेल में लिखा



अंडर– १९ नॉर्थ जोन : चयनकर्ता आशु दानी का संयोजक सिद्धार्थ वर्मा पर आरोप, सीओए विनोद राय से की चयन में दबाव डालने की शिकायत

है कि आज की चयनसमिति की बैठक में मैं हैरत में रह गया जब संयोजक अपने आप ही खिलाड़ियों के नाम लिखने लगे। मैंने इसका कड़ा विरोध किया, जिसका उन पर कोई असर नहीं हुआ। इसकी वजह से मैंने उनके खिलाफ वहां नोट भी लिखा। मैं यह पूरी जिम्मेदारी से कह सकता हूं कि कई अयोग्य खिलाड़ियों, जिनकी दिल्ली की अंडर-19 टीम में भी स्थायी जगह नहीं थी, उन्हें सिद्धार्थ ने अपनी शर्तों पर चुना।

इससे पहले दिल्ली की टीम में चयन में धांधली के आरोप लगे थे जिनमे सिद्धार्थ संयोजक नहीं थे। दानी ने कहा कि मैं बैठक से उठकर चला आया और यह चेतावनी भी दी कि अगर कोई भी गलत चयन हुआ तो इसका विरोध करूंगा। रात तक दानी को भी चयनित खिलाड़ियों की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई थी।

भारत ने विश्व ग्रुप प्ले ऑफ में बनाई जगह डेविस कप : रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम की जोड़ी ने भी जीता डबल्स मुकाबला

वंगलरु, प्रेट : रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी की जोड़ी ने शनिवार को यहां एशिया-ओसियाना जोन ग्रुप-1 डेविस कप मुकाबले के दूसरे दिन भारत को उज्बेकिस्तान के खिलाफ 3-0 की अजेय बढत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने सितंबर में होने वाले विश्व ग्रुप प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया। हालांकि इस मुकाबले के लिए भारत का प्रतिद्वंद्वी अभी तय नहीं हुआ है। इसका फैसला लंदन में ड्रॉ के बाद किया जाएगा।

बोपन्ना और डेविस कप में पदार्पण करने वाले श्रीराम की भारतीय जोड़ी ने डबल्स मुकाबले में उज्बेकिस्तान के फारूख दुस्तोव और संजार फायजीव की जोड़ी को 6-2, 6-4, 6-1 से शिकस्त दी। उज्बेकिस्तान को मुकाबले में बने रहने के लिए हर सूरत में डबल्स मैच जितना था, लेकिन भारतीय जोड़ी ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। इससे पहले शुक्रवार को रामकुमार रामनाथन और प्रजनेश गुणेश्वरन ने दोनों सिंगल्स मुकाबलों में क्रमशः तैमूर इस्माइलोव और फायजीव को आसानी से हराकर भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई थी। शुक्रवार के रिवर्स सिंगल्स मुकाबले अब महज औपचारिकता रह गए हैं, क्योंकि इनका नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा और यह बेस्ट ऑफ थ्री सेंट के होंगे। चौथी बार प्ले ऑफ में : भारत ने लगातार चौथी बार विश्व ग्रुप प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई



डबल्स मुकाबला जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय टीम के खिलाड़ी।

किया। पिछले तीन बार प्ले ऑफ में वह शीर्ष टीम सर्बिया से (2014, बेंगलुरु), चेक गणराज्य (2015, दिल्ली) और स्पेन (2016, दिल्ली) से हार गया था। टीम के कप्तान के रूप में यह महेश भूपति की शानदार शुरुआत

है। उन्होंने बोपन्ना को अनुभवी लिएंडर पेस पर तरजीह दी थी। पेस डेविस कप इतिहास में सर्वाधिक डबल्स जीत का विश्व रिकॉर्ड बनाने से सिर्फ एक जीत दूर हैं। बालाजी ने नेट पर दिखाया अच्छा खेल : जबिक विरोधी जोड़ी एक ही ऐस लगा सकी भारतीय जोड़ी ने विरोधी के 62 प्रतिशत की तुलना में पहली सर्विस पर 92 प्रतिशत अंक बनाए। दूसरी सर्विस में भी मेजबान जोड़ी की जीत का प्रतिशत 94 रहा। भारतीय जोड़ी ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुए अच्छा उछाल हासिल किया। दोनों ने फायजीव को निशाना बनाया। उज्बेकिस्तान के इस खिलाई ने पहले सेट में दो बार और फिर तीसरे सेट में भी अपनी सर्विस गंवाई। दुस्तोव ने कड़ी टक्कर दी टक्कर : दुस्तोव ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन उन्होंने भी दूसरे सेट

के दसवें गेम में अपनी सर्विस गंवाई। दूसरे सेट में कड़ी टक्कर देखने को मिली। नौवें गेम तक खिलाड़ियों ने अपनी सर्विस बचाई, लेकिन दुस्तोव ने इसके बाद अपनी सर्विस गंवाई दुस्तोव ने 15-30 पर डबल फाल्ट किया जिससे भारतीय जोड़ी को दो ब्रेक पाइंट मिले। बोपन्न के शानदार रिटर्न को इसके बाद दुस्तोव ने नेट पर उलझाकर अपनी सर्विस गंवा दी। तीसरे सेट में उज्बेकिस्तान की जोड़ी कोई टक्कर नहीं दे पाई। बोपन्ना और बालाजी ने डबल ब्रेक के साथ 3-0 की बढ़त बनाई और फिर आसानी से सेट और मैच जीत लिया।

विविध

केस निपटाने में परिवार से नहीं कर पाया न्याय

योगेश कुमार राज, मुजफ्फरनगर

141 दिन के कार्यकाल में परिवार विवाद के 4717 मामले निपटाकर इंडिया बुक ऑफ रिकार्ड्स में नाम दर्ज कराने वाले न्यायाधीश टीबी सिंह की वेदना है कि वह अपने परिवार के साथ ही न्याय नहीं कर पाए। व्यस्तता के कारण वह अपने परिवार को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। गोरखपुर के रहने वाले और बतौर एसोसिएट प्रोफेसर अपने करियर की शुरुआत करने वाले न्यायाधीश तेज बहादुर सिंह ने हमारे संवाददाता से विभिन्न विषयों पर अपनी राय रखी।

हजारों लोगों को इंसाफ देने वाले टीपी सिंह बताते हैं कि काम की अधिकता की वजह से पत्नी और बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। आज तक बच्चों के साथ किसी होटल में खाना खाने तक नहीं जा पाए। इसके चलते कई बार परिवार में नाराजगी भी हुई, लेकिन अब परिवारीजन भी समझने लगे हैं।

वह पारिवारिक विवादों का प्रमुख कारण सहनशीलता का अभाव, अहंकार का टकराव और संस्कारों की कमी को मानते हैं। वह कहते

सरकार का डंडा



हैं कि समाज में शिक्षा और संस्कार की फसल विकसित नहीं हुई तो अगले पांच से दस साल में कोर्ट में पैर रखने की जगह नहीं होगी। उन्होंने कई किताबें भी लिखी हैं। वह 'यथार्थ के स्वर' कविता संकलन के अलावा कानून से संबंधित आधा दर्जन पुस्तकें भी लिख चुके हैं।

भारतीय डिजाइन संग हेल्मेट के लिए टीवी एकर ने पढ़ी अपने ही आइएसआइ मानक होंगे अनिवार्य

निर्देश > सड़क मंत्रालय ने हल्के व खुले हेल्मेट बनाने को कहा

सरकार हेल्मेट के डिजाइन के साथ इनके निर्माण के मानक बदलने पर विचार कर रही है। भारतीय मानक ब्युरो से नए मानक तैयार करने को कहा गया है। इसी के साथ गैस स्टोव की तरह गैर आइएसआइ हेल्मेट की बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सकती है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा गठित समिति ने हेल्मेट के डिजाइन व मानकों में परिवर्तन की सिफारिश की है। समिति के अनुसार पश्चिमी डिजाइन और मानकों के आधार पर बने होने के कारण मौजदा हेल्मेट भारत की सामाजिक व मौसमी स्थितियों से मेल नहीं खाते। ज्यादातर दोपहिया चालकों द्वारा हेल्मेट न पहनने की यह बड़ी वजह है। यदि हेल्मेट पहनना अनिवार्य करना है और लोगों में इसकी आदत विकसित करनी है तो इनके

डिजाइन में बदलाव करना होगा। संयुक्त सचिव की अध्यक्षता वाली समिति में हेल्मेट व वाहन निर्माताओं की संस्था सियाम के अलावा भारतीय मानक ब्यूरो (बीआइएस) के विशेषज्ञ शामिल थे। इन सिफारिशों के आधार पर निर्माताओं से नए डिजाइन तथा बीआइएस से नए मानक तैयार करने को कहा गया है। नए डिजाइन में हेल्मेट को हल्का तथा ज्यादा से ज्यादा खुला रखने पर जोर दिया गया है। मुख्य रूप से सिर का अगला और गर्दन का ऊपरी हिस्सा कवर होगा।

भारत में करीब 29 फीसद सड़क दुर्घटनाएं दोपहिया वाहनों के साथ होती हैं। इनमें 31.5 फीसद मामलों में चालक व पीछे बैठी सवारी की मौत मुख्यतः हेल्मेट न पहने होने के कारण होती है। वर्ष 2015 में दोपहियों से जुड़ी 1,44,391 दुर्घटनाओं में 36,802 लोगों की मौत हो गई, जबिक 1,35,343 लोग किसी न किसी स्तर पर घायल हुए।

तेज रफ्तार वाहनों व बेहतर सड़कों के निर्माण के साथ दोपहिया वाहन चालकों के लिए सड़क पर खतरा बढ़ गया है। यही वजह है कि दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। सबसे बड़ी चिंता लोगों के हेल्मेट न पहनने की प्रवृत्ति को लेकर है। जबिक विभिन्न समितियां समय-समय पर हेल्मेट को अनिवार्य करने की सिफारिश कर चुकी हैं। कई राज्यों ने हेल्मेट को अनिवार्य कर भी दिया है। लेकिन हेल्मेट के प्रति लोगों की अरुचि के कारण इसे लागू करना टेढी खीर बना हुआ है।

भारतीयों को हेल्मेट से इतनी चिढ़ क्यों है ? दरअसल, भारत में जहां साल के आठ महीने गर्मी रहती है, हेल्मेट जैसा बंद कवच पहनना लोगों के लिए सजा से कम नहीं है। ज्यादातर हेल्मेट वजन में भारी, आकार में बड़े, आकृति में बेढब और गैस चैंबर की तरह बंद होते हैं। इससे पहनने वालों को उलझन महसूस होती है।

पति की मौत की खबर

नईदुनिया, रायपुर

मध्य प्रदेश/छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित होने वाले एक निजी क्षेत्रीय समाचार चैनल पर शनिवार सुबह खबरों का सीधे प्रसारण हो रहा था। रायपुर स्थित न्यूज रूम से बैंठकर एंकर

खबरें पढ़ रही थीं, तभी महासमंद जिले के पिथौरा से भीषण सड़क हादसे की खबर आई। कछ ही मिनटों में एंकर ने ब्रेकिंग न्यूज पढ़नी शुरू कर दी। तब तक रिपोर्टर या चैनल के किसी भी अधिकारी को इस बात की खबर नहीं थी कि तीन मृतकों में एंकर का पति भी है।

तीस मिनट बाद समाचार बुलेटिन खत्म हो गया। अगले बुलेटिन में हादसे में मरने वालों के नाम चैनल की इनपुट डेस्क तक पहुंचे, तब भी एंकर खबरें पढ़ रही थी। इनपुट हेड विकास सिंह ने समझदारी दिखाते हुए इन नामों को एंकर तक जाने से तत्काल रोकने का निर्णय ले किया, क्योंकि वे



एंकर के पति को जानते थे। साथ ही विकास सिंह को यह भी पता चल गया था कि इस हादसे

में घायल दो अन्य युवकों में एक उनका (इनपुट

यवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। मरने वालों में निजी चैनल की एंकर सुप्रीत कौर के पति हर्षत गावडे (30) भी थे। सुप्रीत रोजाना की तरह न्यूज रूम में लाइव प्रसारण के लिए बैठ चुकी थीं। उन्होंने अपना फोन न्यूज रूम के बाहर रख दिया था, जिसमें लगातार आधे घंटे तक घटना की सूचना देने के

लिए कॉल आ रहे थे। इससे अनजान सुप्रीत ने घटना की पूरी खबर पढ़ी और रिपोर्टर से लाइव बातचीत भी की। घटना की सूचना बुलेटिन खत्म होने के बाद सुप्रीत को दी गई। ढाई साल पहले

सुप्रीत-हर्षत ने प्रेम विवाह किया था।

पं0 बी0बी0 शास्त्री देवेश

बूचड़खानों पर चला

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड सरकार ने भी बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार तड़के पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने जिले में अवैध रूप से संचालित हो रहे बूचड़खानों पर कार्रवाई की। अलग-अलग स्थानों पर एक साथ की गई कार्रवाई में सात बूचड़खानों का चालान कर कई टन मांस नष्ट किया गया।

इनके संचालकों को अपना पक्ष रखने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। उत्तराखंड में अवैध रूप से तमाम बूचड़खाने संचालित हो रहे हैं। पुलिस और प्रशासन के साथ ही खाद्य विभाग को इनकी लगातार शिकायतें मिल रही थीं। बावजूद इसके कोई भी विभाग इनके खिलाफ कार्रवाई की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। हालांकि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में अवैध बूचड़खानों पर कार्रवाई शुरू हुई तो इसे लेकर पड़ोसी राज्य उत्तराखंड में भी सुगबुगाहट होने लगी थी। इसी क्रम में शनिवार को देहरादून में यह कार्रवाई की गई।

लाइसेंस लेने के लिए कहा जाएगा बूचड़खानों को : उत्तराखंड में अवैध बूचड़खानों पर अब सरकार सख्ती करने जा रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने सभी बूचड़खानों का परीक्षण करने का निर्णय लिया है।

हेल्मेट की निर्माण क्षमता का अभाव

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

घटिया व नकली हेल्मेट की भरमार के कारण देश में अच्छे हेल्मेट निर्माण की पर्याप्त क्षमता विकसित नहीं हो पाई है। ऐसे में यदि आइएसआइ मानक को अनिवार्य किया जाता है तो दुपहिया चालकों को ये हेल्मेट उपलब्ध कराने में पांच-दस वर्ष का समय लग सकता है।

हेल्मेट ब्रांड स्टील बर्ड के प्रबंध निदेशक राजीव कपूर के मुताबिक यदि आइएसआइ

मानक के साथ सभी राज्यों में हेल्मेट पहनने के नियम को कड़ाई से लागू किया जाता है तो हेल्मेट की मांग पूरी करने में पांच से दस वर्ष लग जाएंगे क्योंकि अभी आइएसआइ मानक हेल्मेट निर्माण की बहुत कम क्षमता है। नई क्षमता के लिए तकरीबन 5000 करोड़ रुपये के निवेश की भी जरूरत पड़ेगी। देश में हर साल लगभग एक करोड़ हेल्मेट बनते होंगे। मांग दस करोड़ की होगी। ऐसे में सरकार को इसे क्रमवार ढंग से पूरे देश में लागू करना चाहिए।

मौसम विशेष जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश

तथा उत्तराखंड में आंशिक बादल छाए रहेंगे। दिन के तापमान में बढ़ोत्तरी तथा रात के तापमान में गिरावट संभव है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में शुष्क तथा तेज हवाएं चलने के आसार हैं। सुबह धुंध के साथ सुहावनी रहेगी।

भारत के मुख्य शहरों का तापमानः 💳 शहर मुम्बई 39/21/आंवा अरमदाबाद 37/19/आंवा कोलकाता 35/26/सा बड़ौदा 35/23/सा चेब्लई 35/28/आंवा नागपुर 41/21/आंवा 39/27/अगवा अस्मव्यास्य 37/19/अगेवा ताता 35/26/सा बड़ीदा 35/23/सा वाद 40/25/सा इव्होर 35/18/सा त 35/28/आंवा नाणपुर 41/27/आंवा ताद 40/25/सा इव्होर 35/18/सा त 35/27/आंवा परता 36/21/सा त 33/20/सा जनसीटपुर 38/24/आंवा त 19/13/सा पुणे 34/26/सा

सप्ताहिक राशिफल

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ) नौकरी व उद्योग के कार्य में सहयोग से सफलता, अर्थ साधन में सफलता, नये क्षेत्र में प्रयास सफल, विदेश व्यापार में प्रयास, पारिवारिक जन का सहयोग, भौतिक

साधनों की वृद्धि, सन्तान से सहयोग, शिक्षा में रूचि, राजनैतिक

आकांक्षा की पूर्ति, पद परिवर्तन का योग, शुभ अंक 5

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो) व्यापार. उद्योग. नौकरी में सफलता, धनागम में सुधार, कार्यशैली में सुधार करें, महिला से सहयोग, चिन्ता का समाधान, साधनों की पूर्ति, शत्रुजनों से सतर्क, दाम्पत्य

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा) व्यापारिक व उद्योग के कार्य में प्रगति, अर्थागम अच्छा, पराक्रम में वृद्धि, विदेश कार्य में प्रयास, महिला से सहयोग, मन में चिन्ता, स्वास्थ्य में सुधार, सन्तान को सहयोग, पद परिवर्तन, राजनैतिक जनो को परेशानी, धर्म में

में सुख, दिनचर्या व्यस्त, वाहन में सावधानी, अधिकारी से

सहयोग, व्यय पर नियन्त्रण करें, शुभ अंक 1

रूचि, व्यय पर नियन्त्रण करें, शुभ अंक 3

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो) व्यापार, उद्योग और नौकरी में श्रम से सफलता दिनचर्या व्यस्त, सामाजिक कार्य योग, धन निवेश में सावधानी, मन में असन्तोष, सजावट योग, अति विश्वास से बचें, वाद विवाद से बचें, सम्पूर्ति का अनुबन्ध, राजकीय कार्य में सफलता, व्यय पर नियन्त्रण, शुभ अंक 2

रविवार 09 अप्रैल 2017 से शनिवार 21 अप्रैल 2017 तक

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे) नौकरी और उद्योग के कार्य में सहयोग से सफलता धनागम ठीक, परिवर्तन तथा बदलाव का योग,

मिलन, कार्य करने वालों से सतर्क, मन में अशान्ति, वाहन भवन योग, त्वचा रोग योग, प्रणय में मतभेद समाप्त, सम्पूर्ति अनुबन्ध में अवरोध, राजनैतिक आंकाक्षा की पूर्ति, शुभ अंक 4

व्यापार, व उद्योग में श्रम से सफलता, धनागम में

सुधार, साहस प्रभाव में वृद्धि, विशेष व्यक्ति से

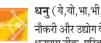
कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,उ,पे,पो)

नौकरी, उद्योग, व व्यापार में श्रम से सफलता, अर्थ साधन ठीक, नये कार्य का योग, धन निवेश। में सावधानी, साझेदारी में सावधानी, सन्तान की सफलता, अध्ययन में रूचि, शत्रु पक्ष प्रभावी, स्थान परिवर्तन, राजनैतिक जनों को अपयश, अनुबन्ध की प्राप्ति, शुभ अंक 8

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे)

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते) व्यापार व नौकरी में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास करें, सहयोगी जनों से सावधान, पराऋम की वृद्धि, विदेश व्यापार में प्रयास, चिन्ता योग, मन में खिन्नता, सन्तान से अनबन, वाद में विजय, यात्रा से बचें, धर्म में रूचि, व्यय पर नियन्त्रण करें, शुभ अंक 7

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू) व्यापारिक, नौकरी और उद्योग में सफलता, अर्थ साधन अच्छा, कार्य योजना में सुधार करें, सामाजिक कार्य का योग, धन आवागमन में सावधानी, सन्तान की प्रगति, चयन में सफलता, ईर्ष्या से बचें, अधिकारी से सावधान, राज्य पक्ष से अर्थदण्ड, पद परिवर्तन प्रभावी, शुभ अंक 1



प्रतिस्पर्धा प्रभावी, विदेश से समाचार, मन में असन्तोष, सम्पत्ति के प्रयास सार्थक, यन्त्र स्थापन योग, स्थान परिवर्तन प्रभावी कूटनीति से कार्य करें, शुभ अंक 6

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी) नौकरी, व्यापार व उद्योग में सफलता, धनागम में सफलता, नये कार्य से बचें, साझेदारी में सावधानी, प्रतिस्पर्धा में सफलता, मन में शान्ति, वाहन भवन योग, दूसरों की सलाह लेवे, प्रणय में सुख, भावुकता से बचें, रक्षा साधन कार्य में सफलता, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा) व्यापार, नौकरी और उद्योग के कार्य में सफलता, विशेष व्यक्ति से मिलन, नये क्षेत्र में व्यापार, भूमि भवन कार्य में प्रगति, कुसंग से बचें, ससुराल से सहयोग, अनुबन्ध प्राप्ति में देरी, कूटनीति से कार्य करें, पद परिवर्तन प्रभावी, व्यय अधिक, शुभ अंक 3

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची)

नौकरी व उद्योग में सहयोग, अर्थ साधन अच्छा, कार्य करने वालों से सावधान, पारिवारिक चिन्ता, सम्पत्ति एवं वाहन का योग, दाम्पत्य में मधुरता, जीवन साथी का मिलन, वाहन में सावधानी, सम्पूर्ति का अनुबन्ध, यन्त्र स्थापन, स्थान पद परिवर्तन योग, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

राष्ट्रीय संस्करण

इधर उधर की

पूरा मोबाइल टावर ही चुरा ले गए

ओटावा, एजेंसी : कनाडा के विनीपेग शहर में पिछले दिनों चोरी की एक घटना ने पूरे शहर को हैरान कर दिया। यहां के

एगलेक क्षेत्र में चोरों ने रातोंरात 20 मीटर ऊंचा मोबाइल टावर ही गायब कर दिया। साथ में उपकरण भी ले

गए। अगले दिन जब इलाके के मोबाइल सिग्नल सिग्नल न मिलने के चलते ठप हो गए, तो छानबीन करने पहुंचे मोबाइल नेटवर्क प्रदाता कंपनी के अधिकारियों के होश उड़ गए। जहां पहले 20 मीटर ऊंचा यह टावर था, वहां अब समतल जमीन दिख रही थी। चोरी की रिपोर्ट लिखाई गई। जांच में पता चला कि कुछ लोगों ने उस इलाके में एक ट्रक देखा था, जिसमें कुछ लोग टावर के हिस्सों को लेकर जा रहे थे। अब पुलिस इन चोरों की तलाश में जुटी हुई है

शोध अनुसंधान

टीके की क्षमता बढ़ा सकता है खास प्रोटीन



वैज्ञानिकों ने टीकाकरण को ज्यादा प्रभावी बनाने वाले प्रोटीन की पहचान की है। यह कैंसर जैसी बीमारियों से बचाने में भी सहायक होगा। अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने बैक्टीरिया नीसेरिया मेनिंजाइडिस की बाहरी सतह पर इस प्रोटीन को खोजा। आमतौर पर कोई टीका दो तरह से काम करता है। इससे शरीर में एंटीबॉडी का उत्पादन बढ़ जाता है या टीका कोशिकाओं को सीधे खतरनाक अवयवों को मारने के योग्य बनाता है। नया खोजा गया प्रोटीन पीओरआरबी दोनों करने में सक्षम है। प्रोफेसर ली वेजलर ने कहा, 'अध्ययन से यह बात पुख्ता हुई है कि कैसे कोई टीका शरीर की प्रतिरोधी क्षमता के सहायक की तरह काम करता है। पीओआरबी के साथ बना एंटीजेन बाहरी और लिसका ऊतकों में ऐसी गतिविधि को प्रोत्साहित करता है, जो विभिन्न संक्रमण वाली बीमारियों से रक्षा में सहायक है। इससे कैंसर जैसी बीमारियों

कोशिकाओं की उम्र बढाने वाले प्रोटीन की पहचान



है, जो कोशिकाओं की उम्र बढ़ा देता है। इससे प्रत्यारोपित अंगों के ज्यादा समय तक टिकने और कैंसर के इलाज का नया रास्ता मिल सकता है। अमेरिका के सेंट जूड चिल्ड्रेंस रिसर्च हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं ने ऐसे प्रोटीन की खोज की है जो क्षतिग्रस्त या संक्रमित कोशिकाओं को मारने की प्रक्रिया नेक्रोप्टोसिस को धीमा कर देता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रोटीन एमएलकेएल नेक्रोप्टोसिस की प्रक्रिया को शरू करता है। वहीं प्रोटीन ईएससीआरटी-3 इस प्रक्रिया को धीमा करने की क्षमता रखता है। इस प्रक्रिया के धीमा होने से मरती हुई कोशिकाओं को नजदीकी कोशिकाओं तक संक्रमण का संदेश भेजने का समय मिल जाता है। कोशिकाओं के मरने की प्रक्रिया को धीमा करके कोशिकाओं को प्रत्यारोपित अंग को स्वीकार करने का ज्यादा समय दिया जा सकता है। इसकी मदद से कैंसर कोशिकाओं के कारण अन्य स्वस्थ कोशिकाओं की मौत को भी रोका जा सकता है।

तंगी का असर

आर्थिक तंगी

से बेहाल

पाकिस्तान

लाने के लिए

कुछभीकरने

को तैयार है

खजाने में रकम

सीख > वन्यक्षेत्र में टकराव टालने का सार्थक प्रयास

मानव-गुलदार की दुश्मनी दूर करेगा महाराष्ट्र मॉडल

टिहरी के कस्तल व पौखाल में शुरू लिविंग विद लेपर्ड फार्मुला

अनुराग उनियाल, नई टिहरी

मुंबई के संजय गांधी नेशनल पार्क में सफल रहा लिविंग विद लेपर्ड' फार्मूला अब उत्तराखंड में भी आकार लेने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत टिहरी जिले के कस्तल व पौखाल गांव में इसे लागू किया गया है। इसके तहत न सिर्फ गुलदार और मानव के बीच दुश्मनी खत्म करने के प्रयास होंगे, बल्कि दोनों साथ-साथ कैसे रहें इस पर विशेष फोकस रहेगा।

महाराष्ट्र वन विभाग के सहयोग से तितली ट्रस्ट और उत्तराखंड वन महकमा ग्रामीणों को यह प्रशिक्षण देगा। 71 फीसद वन भूभाग वाले उत्तराखंड में मानव और गुलदार संघर्ष चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। आए दिन किसी न किसी क्षेत्र में गुलदार के हमले की घटनाएं सुर्खियां बनती हैं। अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि सुबे में वन्यजीवों के हमलों में 80 फीसद से अधिक घटनाएं गुलदारों की हैं।

इस संघर्ष में मानव और गुलदार दोनों को ही जान देकर कीमत चुकानी पड़ रही है। इस जंग को थामने की दिशा में वन महकमा अब



कोल्डी में भी यह फार्मूला

पौडी जिले के कोल्डी गांव में भी महाराष्ट्र मॉडल अपनाने की तैयारी है। डीएफओ गढ़वाल रमेश चंद्रा ने बताया कि कोल्डी गांव भी गुलदार प्रभावित है। वहां भी ठीक वैसे ही कदम उठाए जाएंगे।

गयलट प्रोजेक्ट के तहत यहां महाराष्ट्र मॉडल को धरातल पर उतार रहा है। इसके लिए टिहरी जिले में गुलदार प्रभावित कस्तल व पौखाल गांव चुने गए हैं। प्रारंभिक चरण में गुलदार संरक्षण पर कार्य कर रही संस्था तितली ट्रस्ट के सहयोग से ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। उन्हें बताया जा रहा है कि गुलदार हमारे पारिस्थितिकीय तंत्र का अहम हिस्सा हैं। थोडी सी सतर्कता बरतने पर हम उससे बच सकते हैं। तितली ट्रस्ट के संजय सोंधी ने कहा कि

गुलदार हमारा दुश्मन नहीं है। थोड़ी सुझबुझ

से इंसान गुलदार के साथ-साथ बिना किसी

खतरे के रह सकता है। लोगों से अपील की गई

कि क्षेत्र में गुलदार के सिक्रय होने पर इसकी

श्रद्धाजील

आदमी-आदमी का

दुश्मन बन रहा है, वहीं

निर्माता एरिक थेवनट

ने तस्करों के हाथों

मारे गए लुप्तप्राय

को श्रद्धांजलि देने

के लिए चॉकलेट का

गैंडा तैयार किया है।

नोगेंट-सुर-मार्ने में

चॉकलेट के इस गैंडे

का वजन १८० किलो

है। उल्लेखनीय है कि

हथियारबंद तस्करों ने

सींग के लिए थोरिया

चिडियाघर में सुरक्षा

लुप्तप्राय: प्रजाति के

सफेद नर गैंडे को मार

अवरोध तोड़कर

पेरिस के उपनगर

प्रजाति के सफेद गैंडे

फ्रांसीसी चॉकलेट

सूचना विभाग को दें। पदचिह्नों के आधार पर उसके रूट पर नजर रखें, ताकि रेसक्यू में मदद

की रस्सी का जाल

ये उढाए जाएंगे कदम

ग्रामीणों को करेंगे जागरूक

बताएंगे बचने के तौर तरीके

बच्चे होंगे चाइल्ड एंबेसडर

बनेगी रैपिड रेस्पांस टीम

वन सीमा पर लगेगा नायलॉन

जानकारी

जानवरों के व्यवहार के बारे में

क्या है महाराष्ट्र मॉडल : महाराष्ट्र में संजय गांधी नेशनल पार्क से सटे क्षेत्रों में गुलदारों ने नाक में दम किया हुआ था। इसे देखते हुए वहां गुलदारों के साथ रहने का फार्मुला लागू किया गया। इसके तहत लोगों को जागरूक करने के साथ ही गांवों में रैपिड रेस्पांस टीमें गठित की गईं। इन टीमों को गुलदार को भगाने व पकड़ने के लिए प्रशिक्षित किया गया। ग्रामीणों के सहयोग से ये कदम रंग लाए और वहां गुलदार के हमलों की घटनाओं में खासी कमी आ गई। इसे ही महाराष्ट्र

धरती के करीब से गुजरेगा विशाल क्षुद्रग्रह

19 अप्रैल को धरती के करीब से गुजरेगा।इसकी धरती से न्यूनतम दूरी 18 लाख किलोमीटर रहेगी। एक बड़े आकार के क्षुद्रग्रह के हिसाब से यह बेहद कम दूरी है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने बताया

वैज्ञानिकों ने बताया कि धरती के करीब से गुजरते हुए इसकी दूरी धरती और चांद की दुरी से करीब चार गुना होगी। यह एक से दो रात तक आसमान में चमकता दिखाई देगा। बाद में धीरे-धीरे धरती से इसकी दूरी बढ़ती जाएगी और इसका दिखाई देना बंद

वाशिंगटन, प्रेट्ट : एक बड़ा क्षुद्रग्रह (एस्टरॉयड)

कि 2014 में अमेरिका के एरिजोना में कैटेलिना स्काई सर्वे के दौरान खोजे गए इस क्षुद्रग्रह का नाम 2014 जेओ25 है। इसके एक सिरे से दूसरे तक की लंबाई करीब 650 मीटर है। इसकी सतह चांद की तुलना में दोगुनी ज्यादा

वैज्ञानिकों ने बताया कि छोटे क्षुद्रग्रह इस दूरी से अक्सर गुजरते रहते हैं, लेकिन इसके बड़े आकार के कारण यह महत्वपूर्ण है। 2027 में 800 मीटर आकार वाला क्षुद्रग्रह 1999 एएम10 सिर्फ चांद जितनी दूरी (करीब 3.80 लाख किमी) से गुजरेगा।

पृथ्वी के कुल भार में मैंटल

पृथ्वी को समझने के लिए मैंटल को खंगालने की तैयारी

पृथ्वी की संरचना और उत्पत्ति को समझने के लिए जापानी शोधकर्ता अब पृथ्वी की दुसरी परत मैंटल तक पहुंचने की योजना बना रहे हैं। अगर वे सफल होते हैं, तो यह पहली बार होगा। इसके जरिये मैंटल में मौजूद तत्वों को जाना और समझा जाएगा। इससे भूकंप जैसी बड़ी प्राकृतिक आपदाओं के बारे में गहन जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इस साल सितंबर में इस संबंध में शोध शुरू हो जाएगा और

खोदाई 2030 में शुरू करने की योजना है।

सितंबर में शुरू होगा शोध आगामी सितंबर में शोधकर्ता अपना शोध शुरू करेंगे। इसके लिए हवाई द्वीप, मेक्सिको या कोस्टा रिका के समुद्री क्षेत्र में से किसी एक क्षेत्र को चुना जाएगा, जहां क्रस्ट की मोटाई सबसे कम है।



औसत तापमान ऐसे पहुंचेंगे मैंटल तक

4 किमी

6 किमी

सोनार से होगा आकलन

समुद्र की गहराई, पृथ्वी की पहली

मैंटल की खोदाई के लिए उपयुक्त

स्थान के चुनाव के लिए शोधकर्ता

शोध के लिए बने समुद्री जहाज कैरी

को इस काम में लगाया जाएगा।

परत क्रस्ट की मोटाई को जानने और

2,900

समुद्र तल/क्रस्ट

किमी मैंटल

डिग्री सेल्सियस- मैंटल का

900-4.000 84%

जापानी शोधकर्ता करेंगे शोध यह शोध जापान एजेंसी फॉर मरीन-अर्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (जेएएमएसटीईसी) के शोधकर्ता अंजाम देंगे । चुंकि जापान में सालाना बड़ी संख्या में भुकंप आते हैं, इसलिए इस शोध से उनके बारे में जॉनने में भी मदद मिलेगी। मैंटल में ही पृथ्वी की प्लेटों की गतिविधि होती है । जिससे भूकंप उत्पन्न होते हैं ।

की हिस्सेंदारी

पहली भी हुई कोशिशें

1961 में मैंटल तक पहुंचने की पहली कोशिश हुई। 2005 में दूसरी और 2007 में तीसरी कोशिश हुई। लेकिन तीनों ही बार शोधकर्ता विफल रहे।

> चीकू करेगा खोदाई खोदाई के लिए चुने

गए उपयुक्त स्थान

पर जापानी ड्रिलिंग शिप चीकू के जरिये 2030 से खोदाई की सोनार तकनीक की मदद लेंगे। इससे जाएगी। इसके बाद उसके नमूने लेकर उनके सामने क्रस्ट और समुद्र तल की उनपर शोध होगा । इसके जरिये समुद्र तल से सात किमी नीचे तक खोदाई की जा साफ तस्वीर आएगी। गहरे समुद्र पर सकती है। इतने नीचे क्रस्ट और मैंटल कम



मुख्य कलाकार : अक्षरा हासन, विवान

शाह, गुरमीत चौधरी, सौरभ शुक्ला

आज प्यार को मुकम्मल अंजाम तक पहुंचाने की राह में ढेरों चुनौतियां हैं। सबसे बड़ी चुनौती है अरमान पूरे करने की खातिर कोई भी तरीका अख्तियार करने की प्रवृत्ति। यह प्रवृत्ति युवाओं को रिश्तों की अहमियत समझने से रोकती है। निर्देशक मनीष हरिशंकर की मुख्य कोशिश 'लाली की शादी में लड्डू दीवाना' के जरिये इस पहलू की बहुपरतीय पड़ताल करने की थी, पर उन्हें इस प्रयास में विफलता हाथ लगी है। वे न अपने गुरु राजकुमार संतोषी की हल्की-फुल्की फिल्मों की विरासत को आगे बढ़ा पाए, न डेविड धवन-सी माइंडलेस पर यकीनी

इस फिल्म पर गुजरे दशकों में आई फिल्मों की छाप दिखती है। मसलन, लड्डू (विवान शाह) और लाली (अक्षरा हासन) जिस तरीके से अपने ख्वाबों को पूरा करना चाहते हैं, वह 'अंदाज अपना अपना' में जाहिर हो चुका है। नायक-नायिका एक-दूसरे को अमीर समझकर प्रेम की पींगें बढ़ाते हैं, जबिक असलियत कुछ और है। यहां लड्डू व लाली के साथ वही होता है। किस्मत साथ देती है। बॉस मंदीप सिंह (रवि किशन) के चलते लड्डू अच्छा कमाने लगता है। लाली से सगाई कर लेता है। यहां उनकी जिंदगी अहम मोड़ पर उनका स्वागत कर रही है। लाली गर्भवती हो जाती है, पर करियर में काफी कुछ करने के इरादे से लड्डू फिलवक्त शादी करने से मना करता है। बिनब्याही मां

पछताने वाला लड्डू

🦰 🥻 लाली की शादी में लड्डू दीवाना



के पिता (दर्शन जरीवाला) बिफर पड़ते हैं। लड्ड को अपनी जिंदगी से बेदखल कर लाली को अपनी बेटी मान लेते हैं। लाली की शादी कहीं और करने लगते हैं। एक हद तक ऐसा 'हम हैं राही प्यार के' में दिखा था, जहां बाप अपनी ही बेटी को घर छोड़कर पसंद के लड़के से शादी करने को कहता है।

बहरहाल, लाली की जिंदगी के इस मोड पर वीर कुंवर सिंह (गुरमीत चौधरी) की एंट्री होती है। वह गर्भवती लड़की से भी शादी करने को राजी है। लाली का ख्याल उसी तरह रखता है, जैसा अजय देवगन के किरदार ने 'हम दिल दे चुके सनम' में ऐश्वर्या राय बच्चन का रखा था। उधर, लाली के पिता (सौरभ शुक्ला) लड्डू को गोद ले चुके हैं। वे प्रायश्चित करने के इरादे से आए लंड्डू को फिर से लाली से मिलवाना चाहते हैं। इस काम में लड्डू के मार्गदर्शक कबीर भाई (संजय मिश्रा) पूरा साथ देते हैं। फिल्म में कलाकारों की फौज है। लड्ड व लाली की मांओं की भूमिका खानापूर्ति-सी

कबीर भाई को दिलचस्प बना गए हैं। दर्शन जरीवाला 'अजब प्यार की गजब कहानी' वाले शिवशंकर शर्मा की तरह अपनी औलाद के प्रति खासे चिंतित पिता लगे हैं। अक्षरा हासन खूबसूरत लगी हैं, पर अदायगी पर उन्हें अतिरिक्त रियाज की जरूरत है।

सौरभ शक्ला की अदाकारी से हैरानी हुई है। पियक्कड पिता की भूमिका के साथ वे न्याय नहीं कर पाए। यह उनके अब तक के करियर की सबसे कमजोर परफॉर्मेंस कही जाएगी। मंदीप सिंह के रोल में रवि किशन का कैमियो है। विवान शाह और गुरमीत चौधरी भी बेअसर हैं।

इन सबके बीच गीत-संगीत ने अपनी मौजूदगी दर्ज की है। हालांकि जरूरत से ज्यादा गानों ने फिल्म की गति बाधित ही की है। ऊपर से निर्देशक मनीष हरिशंकर को उम्दा एडिटर का साथ भी नहीं मिला है। नतीजतन यह फिल्म

अमित कर्ण

वर्कप्लेस का फ्री वर्जन लाएगा फेसबुक

न्यूयॉर्क, आइएएनएस : कर्मचारियों के बीच आपसी बातचीत और फाइल साझा करने के लिए इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर स्लैक को फेसबुक की ओर से चुनौती मिलने वाली है। फेसबुक ने अपनी इसी तरह की मैसेजिंग सेवा वर्कप्लेस का निःशुल्क संस्करण लाने की

वर्कप्लेस को विभिन्न कार्यालयों में इस्तेमाल के लिए बनाया गया है। कर्मचारियों के बीच चैटिंग और फाइल शेयर के लिए इस्तेमाल होने वाली सर्विस में वर्कप्लेस की अपनी पहचान है। फेसबुक ने पिछले साल इस सेवा को शुरू किया था। यह सशुल्क सेवा है। अब कंपनी इसका फ्री वर्जन लाने जा रही है।

निकाली 1.4 किलो की पथरी

वलसाड, प्रेट्र : गुजरात के वलसाड में डॉक्टरे ने सर्जरी के जरिये 1.4 किलोग्राम वजनी पथरी को सफलतापूर्वक निकाला है। डॉक्टर इसे देश का सबसे बड़ा ब्लैडर स्टोन बता रहे हैं। इससे पहले 1.34 किलो की पथरी निकाली जा चुकी है। ब्राजील में 1.9 किलोग्राम की पथरी निकार्ल गई है। यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स

स्क्रीन शॉट

नरगिस और इमरान में बढ़ रहीं नजदीकियां

नरगिस फाखरी और पाकिस्तानी अभिनेता इमरान अब्बास इन दिनों काफी नजदीक आ गए हैं। दुबई में एक प्रोजेक्ट पर काम करते हुए ये दोनों कलाकार शूटिंग के अलावा कुछ वक्त अकेले भी गुजार रहे हैं। ऐसा वे दोनों केवल काम के सिलसिले में कर रहे हैं या इसके अलावा भी कुछ है, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों के बीच की

नजदीकियां काम से ज्यादा है। उल्लेखनीय है कि इमरान अब्बास हाल ही में करण जौहर निर्देशित फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' में लीजा हेडेन के अपोजिट नजर आए थे, जबकि नरगिस फाखरी हाल ही में 'ढिशूम' और 'बैंजो' जैसी फिल्मों में नजर आई थीं। हालांकि दोनों ही फिल्मों से नरगिस को कोई खास फायदा नहीं



विद्या को 'बेगम जान' से हैं बहुत उम्मीदें

विद्या बालन को अपनी आने वाली फिल्म 'बेगम 🔝 पसंद आएगी।'परणिता और डर्टी पिक्चर समेत तमाम फिल्मों उनकी आने वाली इस फिल्म से दर्शक एक जुड़ाव महसूस करेंगे और दर्शकों को पसंद आएगी। विद्या कहती हैं, 'मैंने अपनी हर फिल्म में एक ऐसी कहानी कहने की कोशिश की है, जो लोगों के लिए अनसुनी और कुछ अलग हो। इस बार

'बेगमजान' के माध्यम से भी कुछ ऐसा ही प्रयास है। मैं इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को जरूर

जान' से बहुत उम्मीदें हैं। विद्या को भरोसा है कि 🏻 में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुर्की विद्या का कहना है कि यह फिल्म से भी दर्शकों को भाएगी। ज्ञात हो, बांग्ला फिल्म 'राजकाहिनी' के हिंदी संस्करण के रूप में बनी 'बेगम जान' वर्ष 1947 में देश के विभाजन के दौरान वेश्यावृत्ति के दलदल में धकेल दी गई महिलाओं की स्थिति पर आधारित है। इसमें विद्या एक कोठे की मालकिन के रूप में दिखाई देंगी। फिल्म 'बेगम जान' 14 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में विद्या के अलावा गौहर खान, इला अरुण, पल्लवी शारदा, चंकी पांडेय समेत अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।-**आइएएनएस**

अलका ने रिकॉर्डिंग के वक्त आमिर को कर दिया था बाहर

अलका याज्ञत्तिक का कहना है कि फिल्म 'कयामत से कयामत तक' के गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान उन्होंने फिल्म के अभिनेता यानी आमिर खान को कमरे से बाहर निकाल दिया था। बॉलीवुड की शीर्ष गायिकाओं में एक अलका जल्द ही शो 'माई लाइफ माई स्टोरी' में अपनी जिंदगी के दिलचस्प किस्से सुनाने वाली हैं, जिसमें से सबसे दिलचस्प किस्सा आमिर खान से जुड़ा हुआ है। अलका बताती हैं, 'मैं उस दिन 'कयामत से कयामत तक' के गाने 'गजब का है दिन' की रिकॉर्डिंग कर रही थी, तभी मेरा ध्यान एक हैंडसम लड़के पर गया, जो कोने में बैठकर यही गाना गुनगुना रहा



था। उस वक्त तो आमिर को कुछ नहीं कहा, लेकिन जब रिकॉर्डिंग शुरू हो रही थी तो मैं बहुत नर्वस हो गई थी, क्योंकि आमिर लगातार

मझे देख रहे थे। इस वजह से मैं डिस्टर्ब हो रही थी। तब मैंने आमिर को बाहर जाने के लिए कह दिया था। उस वक्त तक मुझे पता नहीं था कि वही फिल्म के हीरो हैं।' अलका कहती हैं कि रिकॉर्डिंग के बाद उन्हें मंसूर खान ने सभी से मिलवाया, तो वह हैंडसम लड़का भी खड़ा था। उस वक्त वह काफी बुरा महसूस कर रही थीं। अलका बताती हैं कि आमिर आज भी जब उनसे मिलते हैं तो उन्हें इस बात को लेकर खूब चिढ़ाते हैं और कहते हैं कि एक दिन अलका जी ने मुझे कमरे से बाहर कर दिया था। उल्लेखनीय है कि अलका याज्ञनिक बॉलीवुड की शीर्ष गायिकाओं में शुमार हैं। -मिड-डे

रजनीकांत अपने प्रशंसकों से नहीं मिलेंगे

अभिनेता अपने फैन्स से 12 और 16 अप्रैल को मिलने वाले थे। इस दौरान उनके फैन्स उनके साथ फोटो खिंचावा सकते थे, लेकिन अब ऐसा संभव नहीं होगा। अभिनेता ने बताया कि प्रशंसकों ने उनके साथ अकेले-अकेले तस्वीर लेने का आग्रह किया था, जिसके लिए ज्यादा समय की जरूरत थी। इसी के चलते उन्होंने अपने और फैन्स के बीच होने वाली इस मुलाकात को स्थगित कर दिया है। रजनीकांत ने एक ऑडियो संदेश के माध्यम से यह जानकारी अपने फैन्स को दी। अपने प्रशंसकों

'मेरे प्यारे प्रशंसको, आपके लिए मेरे पास एक सूचना है। हम लोगों को मिले और तस्वीरें लिए 10 साल होने जा रहे हैं। आप लगातार मिलने और तस्वीरें खिंचाने का आग्रह कर रहे हैं। मैं समय नहीं निकाल सकता था, इसलिए मैं आपसे मिलने में अक्षम था। लेकिन मैंने आप लोगों से मिलने की योजना 12-16 अप्रैल के बीच बनाई थी।' उन्होंने कहा, 'हमने 1,800-2,000 लोगों को मिलने के लिए बुलाने का निर्णय लिया था। लेकिन हमने बाद में यह महसूस किया कि सभी के साथ इतने समय में तस्वीर लेना व्यावहारिक नहीं है और इसीलिए मैं यह मुलाकात स्थगित कर रहा हूं।' -प्रेट्



सुपरस्टार रजनीकांत ने अपने फैन्स के साथ इस महीने होने वाली मुलाकात टाल दी है।

को दिए गए ऑडियो संदेश में उन्होंने कहा,



प्रियंका ने नेशनल अवार्ड पापा को किया समर्पित

प्रियंका चोपडा ने अपनी मराठी फिल्म 'वेंटीलेटर' को मिले नेशनल अवार्ड को अपने पापा को समर्पित किया है। प्रियंका के अनुसार, यह फिल्म उन्होंने अपने पापा के लिए बनाई है और जब फिल्म के खाते में इतनी बड़ी सफलता आई तो वह काफी इमोशनल हो गई हैं। उन्होंने अपने पापा का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह गाना

गाते नजर आ रहे हैं। उनकी मम्मी भी बैठी हैं। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा की मराठी फिल्म 'वेंटीलेटर' को 3 नेशनल अवॉर्ड मिले। फिल्म का निर्माण प्रियंका चोपड़ा ने किया था। उल्लेखनीय है कि प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड और अब क्षेत्रीय सिनेमा में भी हाथ आजमा रही हैं। वह एक पंजाबी फिल्म भी प्रोड्यूस कर रही हैं। -प्रेट्र



चीन के लिए गधों की फौज तैयार करेगा पाक

जिलेटिन तैयार किया जाता है। चीन की अधिकांश दवाओं में जिलेटिन काम आता है। यही कारण है कि चीन में गधे ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। अभी तक नाइजर और बुर्किना फासो गधे की आपूर्ति रहे थे। अब दोनों देशों ने पशुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

चीन को क्यों है गधों

गधों की चमडी को गलाकर

की जरूरत

जा रहे हैं।

चीन में उत्पन्न हुआ संकट : चीन में पशुओं के सालाना आंकड़े में दर्शाया गया है कि 1990 के दशक में देश में एक करोड़ 10 लाख गधे थे। यह आबादी घटकर 60 लाख रह गई है। आंकड़ों के मुताबिक, चीन में सालाना तीन लाख गधे कम होते

अपने यहां गधा प्रजनन की तैयारी शुरू कर दी है। पाकिस्तान ट्रिब्यून के मुताबिक, खैबर-निर्यात योजना से संबंधित दस्तावेज के मुताबिक, पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार अपने यहां गधों की परियोजना में नई तकनीक का इस्तेमाल होगा। गधा फौज तैयार करने के लिए परियोजना लाएगी। एक पालकों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। इससे प्रांत में गधा अरब डॉलर की खैबर-पख्तूनख्वा चीन स्थायी गधा पालकों की सामाजिक और आर्थिक दशा में सुधार विकास परियोजना को पाकिस्तान लाभकारी मान रहा

चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) पर

बीजिंग करीब 50 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश कर रहा है। इतने बड़े निवेश के लिए पाकिस्तान हर हाल में कुछ भी करने को तैयार है। इसीलिए उसने

